हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

### एक उज्जवल कल पर छोड़ने का संकल्प

*अपने संबोधन के समापन पर, उपराष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ के युवाओं से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, हरित प्रौद्योगिकियों और वैश्विक बाजारों में उभरते अवसरों का लाभ उठाने और साहस, रचनात्मकता और करुणा के साथ राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि रजत महोत्सव को केवल अतीत के उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि भविष्य के लिए एक संकल्प के रूप में देखा जाना चाहिए।*

# विभूतियों का सम्मान, उप राष्ट्रपति बोले- 25 बरस में छग प्रगति का मॉडल बनकर उभरा

## पांच दिवसीय राज्योत्सव का समापन, अनुराग बसु समेत अलग अलग क्षेत्रों की खास शख्सियतों का हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर पांच दिनों तक चले जलसे का बुधवार को समापन हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय काम करने वाली विभूतियों का सम्मान किया। श्री राधाकृष्णन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, पांच दिवसीय इस महोत्सव में लोगों ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध ▶▶|शेष पेज 8 पर

राजेश अग्रवाल, पं. रविशंकर शुक्ल सम्मान | संदीप तिवारी, चंदूलाल चंद्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार | सोमेश कुमार पटेल, चंदूलाल चंद्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार | अभिषेक शुक्ला, चंदूलाल चंद्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार | भावना पांडेय, मधुकर खेर स्मृति पत्रकारिता पुरस्कार | अनुराग बसु, किशोर साहू राष्ट्रीय अलंकरण | अवधेश कुमार, पं. माधव राव सप्रे राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान

### नक्सलवाद को समाप्त करने में छत्तीसगढ़ की सराहना

उन्होंने नक्सलवाद के ख़तरे को ख़त्म करने में राज्य की सफलता की सराहना की और इसका श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ नेतृत्व के साथ-साथ राज्य सरकार, सुरक्षा बलों और स्थानीय समुदायों के समर्पित प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भय और हिंसा की जगह विकास और विश्वास ने ले ली है। उपराष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ की सफलता की नींव रखने ▶▶|शेष पेज 8 पर

### सूर्य किरण प्रदर्शनी का लिया आनंद

समापन के अवसर पर वायु सेना की टीम के द्वारा सूर्यकरण एरोबेटिक प्रदर्शनी में भी उप राष्ट्रपति राधाकृष्णन उपस्थित रहे। इस दौरान हजारों की संख्या में मौजूद लोगों ने कार्यक्रम का आनंद लिया। पांच दिन तक चलने राज्योत्सव कार्यक्रम का समापन ▶▶|शेष पेज 8 पर

### 41 को अलंकरण सम्मान

नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस राज्योत्सव 2025 के अंतिम दिन राज्य अलंकरण समारोह में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने 34 उत्कृष्ट व्यक्तित्वों को राज्य अलंकरण पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इनमें हिन्दी और छत्तीसगढ़ी सिनेमा में निर्देशन के लिए दिया जाने वाला किशोर साहू राष्ट्रीय मुंबई के डायरेक्टर अनुराग बसु को दिया गया। हिन्दी और छत्तीसगढ़ी सिनेमा के रचनात्मक लेखन के लिए रायपुर के ▶▶|शेष पेज 8 पर

आनंद का सच्चा भाव®
18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹88019/-
22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹107500/-
24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹117346/-
सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra
anand Jewels
Pandri, Raipur
*Conditions apply

## इनका हुआ सम्मान

- शहीद वीर नारायण सिंह स्मृति सम्मान – हिरेश सिन्हा, कांकेर
- यति यतनलाल सम्मान – भारतीय कुष्ठ निवारक संघ, सोंठी, जांजगीर-चांपा
- गुंडाधुर सम्मान (खेल) – ज्ञानेश्वरी यादव, राजनांदगांव
- मिनी माता सम्मान (महिला उत्थान) – ललेश्वरी साहू, दुर्ग
- गुरु घासीदास सम्मान – भुवनदास जांगड़े, बेमेतरा और शशि गायकवाड़, बलौदाबाजार
- ठाकुर प्यारेलाल सम्मान (सहकारिता क्षेत्र) – प्राथमिक कृषि साख समिति, डोमा, धमतरी
- हबीब तनवीर सम्मान (रंगकर्म) – डॉ. कुंज बिहारी शर्मा, रायपुर
- महाराज प्रवीरचंद भंजदेव सम्मान - चांदनी साहू, बिलासपुर
- पंडित रविशंकर शुक्ल सम्मान - राजेश अग्रवाल, रायपुर
- पं. सुंदरलाल शर्मा सम्मान - डॉ. चित्तरंजन कर, रायपुर के
- चक्रधर सम्मान -पं. कीर्ति माधव लाल व्यास, दुर्ग
- दाऊ मंदराजी सम्मान-रिखी क्षत्रिय, दुर्ग
- डॉ. खूबचंद बघेल कृषि रत्न पुरुष्कार- धनेन्द्र कुमार साहू, धमतरी और वामन कुमार टिकरा, बलौदाबाजार
- अग्रसेन सम्मान - राजेंद्र अग्रवाल उर्फ़ राजू महाराज, बिलासपुर
- चंदूलाल चंद्राकर स्मृति पत्रकारिता पुरुष्कार -संदीप कुमार तिवारी, रायपुर
- दानवीर भामाशाह सम्मान- नीरज कुमार बाजपेयी जिला-राजनांदगांव
- धन्वन्तरि सम्मान -डॉ. अजय कृष्ण कुलश्रेष्ठ
- श्रीमती बिलासादेवी केंवट मत्स्य विकास पुरस्कार - सुखदेव दास जिला-रायपुर
- डॉ. भंवरसिंह पोर्ते आदिवासी सम्मान सेवा-जंगो रायतार विद्या केतुल शिक्षण संस्था, ग्राम / पोस्ट-दमकसा, जिला उत्तर बस्तर कांकेर
- रामानुज प्रताप सिंहदेव स्मृति श्रम यशस्वी पुरस्कार- मिथलेश कुमार आदिल एवं अग्रसर टीम जिला दुर्ग
- 2 एनटीपीसी लिमि. लारा, सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट, पुसौर जिला-रायगढ
- पंडित लखनलाल मिश्र सम्मान- योगेश कुमार साहू, कांकेर
- छत्तीसगढ़ अप्रवासी भारतीय सम्मान- मनीष तिवारी, रायपुर
- देवदास बंजारे स्मृति पंथी नृत्य पुरस्कार- राहित कुमार कोसरिया, महासमुंद
- किशोर साहू सम्मान - सुनील सोनी जिला-रायपुर
- लक्ष्मण मस्तुरिया सम्मान - राकेश तिवारी, रायपुर
- लाला जगदलपुरी साहित्य पुरस्कार - विनोद कुमार वर्मा जिला-बिलासपुर
- किशोर साहू राष्ट्रीय अलंकरण - अनुराग बसु मुम्बई
- बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल सम्मान - खेमचंद जैन, राजनांदगांव, डॉ. सुरेश मणि त्रिपाठी, रायपुर, डॉ. भूपेन्द्र करवन्दे, - रायपुर, भरतलाल सोनी, रायपुर
- रानी अवंतिबाई लोधी वीरांगना स्मृति पुरस्कार - प्रेमशीला बघेल जिला महासमुंद
- माता कलारिन सम्मान बहादुर- शिल्पा पाण्डेय सृष्टि जिला-सरगुजा
- पंडित माधव राव सप्रे राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान -अवधेश कुमार नई दिल्ली
- संस्कृत सम्मान - डॉ. दादू भाई त्रिपाठी जिला रायपुर

### 11 मौतों की पुष्टि, 20 से ज्यादा घायल, कुछ गंभीर

# रेल हादसा: सीआरएस ने शुरू की जांच चालक ने रेड सिग्नल पर दौड़ा दी ट्रेन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

मंगलवार की शाम को 4 बजकर 10 मिनट पर अप लाइन में कोरबा से बिलासपुर आ रही लोकल ट्रेन कोयला से लदी खड़ी मालगाड़ी से टकरा गई थी। यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सामने का ब्रेक यान, गार्ड डिब्बा, इंजन सहित महिला और दो अन्य कोच मालगाड़ी के ऊपर चढ़ गए, जिसमें नीचे का हिस्सा कोच के नीचे लटका रहा। इस टक्कर के कारण लोकल ट्रेन का चालक विद्यासागर ब्रेक यान और दूसरे उपकरण में बुरी तरह से दब गया।

वहीं महिला असिस्टेंट लोको पायलट रश्मि सिंह को गंभीर चोट पहुंची है। चालक और सहायक चालक के साथ महिला और दूसरे कोच में सफर कर रहे यात्रियों में मौके पर 6 से अधिक यात्री कोच के स्लीपर, प्लाई और बर्थ के नीचे दबकर मर गए। वहीं देर रात तक मृतकों की संख्या 6 से बढ़कर 11 में पहुंच गई। मृतकों में किसी के हाथ कट गए थे तो किसी के पैर कटकर दूर तक फेंका गए थे। मौके पर मौजूद बिलासपुर डिवीजन के सीनियर डीसीएम अनुराग कुमार सिंह सहित अन्य अफसर व स्टाफ ने मृतकों के शरीर ▶▶|शेष पेज 8 पर

### ये है 11 मृतकों के नाम

- जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराने के लिए भेजे गए मृतकों में रेलवे का लोको पायलट देवरीखुर्द तोरवा निवासी विद्यासागर पिता जवाहर 53 साल
- लालपुर रतनपुर निवासी गोदावरी बाई यादव पति जोगीराम यादव 60 साल,
- मस्तूरी पाराघाट निवासी प्रमिला वस्त्रकार पति कुमार वस्त्रकार 55 साल,
- देवरीखुर्द बिलासपुर निवासी शीला यादव पति अर्जुन यादव 32 साल,
- कोसा मुलमुला जांजगीर-चांपा निवासी रंजीत कुमार प्रभाकर पिता लक्ष्मीराम प्रभाकर 30 साल,
- रेलवे अस्पताल कोरबा निवासी अंकित अग्रवाल पिता तुलाराम अग्रवाल 35 साल
- सक्ती निवासी प्रियाचंद्र पिता अशोक कुमार 21 साल
- सिम्स में पोस्टमार्टम के लिए भेजे गए मृतकों में देवरीखुर्द निवासी अर्जुन यादव पिता स्वर्गीय लक्ष्मण यादव 35 साल,
- सलखा भाटा रतनपुर निवासी मानमती यादव पति भागुराम यादव 51 साल,
- बुधवारी बाजार सक्ती निवासी लव शुक्ला पिता रमाकांत शुक्ला 50 साल,
- टिंगीपुर चौकी जूनापार निवासी गोती बाई यादव पति रामदीन यादव 65 साल ।

*मंगलवार को हुए रेल हादसे में अब तक 11 यात्रियों की मौत की पुष्टि की गई है। 20 से अधिक यात्री घायल हैं, जिनमें लोकल ट्रेन की सहायक चालक रश्मि राज भी शामिल हैं। घटनास्थल पर अब भी हादसे की दहशत नजर आ रही है। एक तरफ जांच चल रही है तो दूसरी तरफ लोग लाशों के निशान देख रहे हैं। प्रारंभिक जांच में बताया जा रहा है कि गलत सिग्नल वाली लाइन में लोकल ट्रेन चलाने की वजह से यह भीषण हादसा हुआ है। जिस ट्रैक पर ट्रेन थी उस पर रेड सिग्नल था।*

### बच्चे के सिर से उठ गया मां-बाप का साया

कोरबा से बिलासपुर आने वाली लोकल ट्रेन में एक ही परिवार के लोग भी चांपा से बिलासपुर तक सफर कर रहे थे। इसमें देवरीखुर्द निवासी अर्जुन यादव उनकी पत्नी शीला यादव और शीला यादव की माता मानमती यादव के साथ एक ढ़ाई साल का बच्चा भी था। अर्जुन यादव आटो चालक थे और स्कूल के बच्चों को छोड़ने के अलावा सवारी गाड़ी चलाकर परिवार का भरण पोषण करते थे। उनकी , ▶▶|शेष पेज 8 पर

चार खंभों के बीच हुआ हादसा
जांच गतौरा से लालखदान तक

### दो घंटे चली जांच

लालखदान के पास मंगलवार को हुए रेल हादसे की बुधवार को सीआरएस बीके मिश्रा ने जांच शुरू की। रेलवे अधिकारियों के साथ श्री मिश्रा ने रेलवे ट्रैक के साथ सिग्नल और दुर्घटनाग्रस्त कोच का निरीक्षण किया। टेप से दोनों गाड़ियों की दूरी की नाप कराने के बाद मार्किंग भी कराई। दो घंटे जांच करने के बाद उन्होंने रेलवे अधिकारियों से चर्चा की। लालखदान चौकसे कॉलेज के पास हावड़ा-मुम्बई मुख्य मार्ग पर चार खंभों 714/20 से लेकर 714/24 के बीच मालगाड़ी और लोकल ▶▶|शेष पेज 8 पर

### एक साल में दूसरी घटना

सीआरएस ने लोकल और मालगाड़ी के बीच टक्कर हुई रेल लाइन की जांच कराई। इस दुर्घटनाग्रस्त हुए कोच को देखा, जिसके ऊपर गार्ड वैन का पहिया भी चढ़ा हुआ था। दो घंटे तक जांच और अधिकारियों से चर्चा करने के बाद सीआरएस बिलासपुर रेल मंडल की ओर रवाना हो गए। एक साल में हुई दूसरी ▶▶|शेष पेज 8 पर

### अधूरे रह गए उज्जवल भविष्य के सपने

### हादसे में होनहार छात्रा की मौत

**सक्ती।** रेल हादसे में जैजैपुर ब्लॉक के बहेराडीह गांव की होनहार छात्रा प्रिया चंद्रा की मौत ने पूरे क्षेत्र को स्तब्ध कर दिया है। समिति कर्मचारी अशोक चंद्रा की बड़ी बेटी प्रिया शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी थी। पिता ने उसकी लगन और मेहनत को देखते हुए उसके उज्जवल भविष्य के सुनहरे सपने संजोए थे, लेकिन मंगलवार को हुए हादसे ने उन सभी सपनों को पलभर में चकनाचूर कर दिया।प्रिया चंद्रा गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर में अध्ययनरत थी। वह 4 नवंबर ▶▶|शेष पेज 8 पर

### कभी ना भरने वाला जख्म दे गया रेल हादसा, छीना परिवार का सहारा

**जांजगीर-चांपा।** बिलासपुर रेल हादसे ने कई परिवारों को कभी ना भरने वाला जख्म दे दिया है। जांजगीर व सक्ती जिले में भी इस हादसे ने किसी ने परिवार का सहारा छिन लिया तो किसी के उज्जवल भविष्य के सपने अधूरे रह गए। इस हादसे में जांजगीर एवं सक्ती जिले के तीन लोगों की मौत हुई है। जिले के पामगढ़ ब्लॉक के कोसा गांव के निवासी रंजीत कुमार की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रंजीत दो भाइयों में सबसे बड़ा था और परिवार की पूरी जिम्मेदारी उसी के कंधों पर थी। उसके बूढ़े मां-बाप की सेवा से लेकर पत्नी और दो छोटे बच्चों की परवरिश तक का दायित्व वही निभा रहा था। अचल संपत्ति के नाम पर परिवार के पास केवल आधा एकड़ जमीन है, जिससे गुजर-बसर मुश्किल से होती थी। रंजीत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। ऐसे में उसके असमय निधन ने परिवार को गहरे संकट में डाल दिया है। अब नन्हे बच्चों के सिर से पिता का साया उठ गया है, वहीं बुजुर्ग मां-बाप का सहारा भी छिन गया। घटना के बाद पामगढ़ एसडीएम देवेन्द्र चौधरी प्रशासनिक अधिकारियों के साथ रंजीत के घर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात की और ढांढस बंधाया। घटना पर कलेक्टर ने भी संवेदना व्यक्त की है।

### सुरक्षा बलों का ऑपरेशन

## अन्नाराम और मरीमल्ला के जंगल में नक्सलियों से मुठभेड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

बीजापुर जिले के तारलागुड़ा थाना क्षेत्र में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षाबलों को ऑपरेशन के लिए रवाना किया गया था। बुधवार देर शाम तक नक्सलियों व पुलिस के बीच मुठभेड़ जारी होने की बात कही जा रही है।

- बीजापुर के तारलागुड़ा थाना क्षेत्र में माओवादियों की सूचना पर ऑपरेशन

आईजी सुंदरराज पी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि माओवादी गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे प्रभावी अभियानों के अंतर्गत सुरक्षा बल लगातार जिले में सघन कार्रवाई कर रहे हैं। आईजी ने बताया कि नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षा बलों की कई टुकड़ियां ▶▶|शेष पेज 8 पर

### अतिरिक्त बल भेजा गया

*बताया जा रहा है कि अन्नाराम-मरीमल्ला के जंगल में देर शाम तक पुलिस व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ जारी है। घना जंगल व दुर्गम इलाका होने के कारण सुरक्षाबलों द्वारा इलाके में सर्च अभियान चलाया जा रहा है और इलाके में नजर रखी जा रही है। वहीं मुठभेड़ के बाद अतिरिक्त बल को भी स्थल की ओर रवाना किया गया है।*

### अंबानी के रिलायंस ग्रुप की मुश्किलें और बढ़ीं

## अनिल पर संकट, कार्पोरेट मंत्रालय ने शुरू की जांच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अनिल अंबानी के नेतृत्व वाले रिलायंस ग्रुप के लिए मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। पहले से ही ईडी, सीबीआई और सेबी की जांचों का सामना कर रहे समूह पर अब कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने भी शिकंजा कस दिया है। मंत्रालय ने समूह की कई प्रमुख कंपनियों में कथित फंड के दुरुपयोग और कंपनी कानून के गंभीर उल्लंघनों की जांच गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय को सौंप दी है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ▶▶|शेष पेज 8 पर

### ईडी ने जब्त की 7,500 करोड़ की संपतियां

जांच से पहले ही ईडी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए रिलायंस ग्रुप से जुड़ी 7,500 करोड़ से अधिक की संपतियां जब्त की थीं। इनमें रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर की करीब 30 संपतियां और कई रियल एस्टेट कंपनियों जैसे आधार प्रॉपर्टी कंसल्टेंसी, मोहनबीर हाईटेक बिल्ड, विहान43 रियल्टी और कैंपियन प्रॉपर्टीज से जुड़ी संपतियां शामिल हैं।

### गांव में बना चर्चा का विषय, पुलिस नए सिरे से कर रही मृतक की पहचान

# परिजन ने जिस युवक का किया अंतिम संस्कार वह लौट आया घर, कहा- मैं अभी जिंदा हूं ...

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सूरजपुर

घर के किसी सदस्य की मौत हो जाए तो उस घर के परिजन पर क्या बीतती होगी, यह आसानी से समझा जा सकता है। ऐसे में अगर परिजन परिवार के जिस सदस्य का अंतिम संस्कार कर आगे के कार्यक्रम की तैयारी कर हो और उसी समय वही युवक घर आकर परिजन को यह बताए कि वह जिंदा है तो परिवार की खुशी का अंदाजा लगाया जा सकता है। कुछ तरह की घटना सूरजपुर क्षेत्र के ग्राम चंदरपुर में हुई। यहां तीन दिन पूर्व कुएं में मिले शव को परिजन ने अपने परिवार के सदस्य के रूप में पहचान का अंतिम संस्कार कर दफना दिया। वह तीसरे दिन घर लौट आया। इधर, पुलिस ने अब नए सिरे से मृतक ▶▶|शेष पेज 8 पर

### पुरुषोत्तम को देखने उमड़ पड़ा गांव

पुरुषोत्तम जब घर पहुंचा तो उसे देखने उसके घर पर भीड़ लग गई। यह गांव में चर्चा व कौतूहल का विषय बन गया। युवक की मौत की सूचना पर परिजन व रिश्तेदार सदमे में थे। लेकिन मौत की घटना झूठी निकलने पर परिजन व रिश्तेदारों में खुशी का माहौल है।

### अंबिकापुर में रिश्तेदार के घर में था

जिस पुरुषोत्तम को मृत समझकर परिजन ने अंतिम संस्कार कर दिया था, वह अंबिकापुर में रिश्तेदार के घर था। जब इसकी जानकारी रिश्तेदार को हुई तो उसने घर पहुंचकर पुरुषोत्तम के जिंदा होने की जानकारी दी। कुछ देर के लिए परिजन को विश्वास नहीं हुआ। मरा हुआ पुरुषोत्तम जब परिजन के सामने आया तो खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

### जिसका अंतिम संस्कार हुआ, वह कौन?

अब सवाल उठ रहा है कि जिस युवक का अंतिम संस्कार कर दिया गया, आखिर वह कौन है? उसकी पहचान आखिर क्यों नहीं हो सकी। मृतक का शिनाख्त करना अब पुलिस के लिए सिरदर्द बन चुका है, क्योंकि शव को दफन कर दिया गया है। एएसपी संतोष महतो का कहना है कि मृतक के कपड़े व उसकी अंगुली के टुकड़े को प्रिजर्व किया गया है। उसके आधार पर परिजन का सैंपल मिलान किया जाएगा।

# छत्तीसगढ़ राज्य अलंकरण पुरस्कार

# 41 विभूतियों को मिला सम्मान

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर बुधवार को मुख्य अतिथि उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय काम करने वाली 41 विभूतियों का सम्मान किया। श्री राधाकृष्णन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, पांच दिवसीय इस महोत्सव में लोगों ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध संस्कृति और प्रभावशाली सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की झलक देखी। कार्यक्रम में राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह सहित कई अतिथि मौजूद थे।

## लखपति दीदी सम्मेलन छत्तीसगढ़ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था व महिला सशक्तिकरण की एक जीवंत तस्वीरः उपराष्ट्रपति

हरिभूमि न्यूज ⏭ राजनांदगांव

शहर के स्टेट हाईस्कूल मैदान में आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन कार्यक्रम के अवसर पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने संबोधित करते महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, राजनांदगांव के प्रभारी मंत्री गजेंद्र यादव, महापौर मधुसूदन यादव और पद्मश्री फुलबासन यादव उपस्थित रही। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने बुधवार को महतारी वंदन योजना में प्रदेश की 69 लाख 07 हजार 615 महिला हितग्राहियों को 646 करोड़ 52 लाख 10 हजार रुपए और नियद नेल्लानार योजना में 7 हजार 658 हितग्राहियों को 76 लाख 26 हजार 500 रुपए की राशि उनके खाते में अंतरित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते उपराष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ी में कहा कि जम्मो भाई-बहिनी मन ला जय जोहार। उन्होंने कहा कि हम प्रदेश की स्थापना के 25 वर्षों का आनंद उत्सव मना रहे हैं।

छत्तीसगढ़ एक ऊर्जावान, विकासशील एवं विकसित राज्य है। छत्तीसगढ़ बढ़ रहा है, वैसे ही मैं भी बढ़ रहा हूं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ स्थापना के प्रारंभिक वर्ष में पानी, बिजली एवं अधोसंरचना की कमी थी। आज छत्तीसगढ़ एक बिजली उत्पादक राज्य के रूप में उभरकर सामने आया है और उत्तरोत्तर प्रगति कर रहा है।

### राजनांदगांव के लिए ऐतिहासिक क्षणः रमन

विशिष्ट अतिथि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि राजनांदगांव में लखपति दीदियों का सम्मेलन छत्तीसगढ़ की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने और विकास की राह में आगे बढ़ाने की दिशा में मददगार साबित होगा।

क्या आपको मोतियाबिंद है?

मोतियाबिन्द का कराएं सफल ऑपरेशन

NABH Accredited

WORLD CLASS CATARACT TREATMENT
MICS - Micro Incision Cataract Surgery

- मोतियाबिन्द ऑपरेशन द्वारा दूर एवं पास के चश्मे से छुटकारा
- विश्वस्तरीय प्रीमियम IOL प्रत्यारोपण
  ( Alcon Panoptix, Vivity, Clareon, IQ, Toric Lens )
- एडवांस मोतियाबिन्द ऑपरेशन फेको पद्धति द्वारा
- विश्वस्तरीय आधुनिक मशीनों से सुसज्जित रेटिना डिपार्टमेन्ट
- अनुभवी सर्जन (80 हजार सफल सर्जरी का अनुभव )
- बिना इंजेक्शन, बिना टांके, बिना पट्टी बांधे, शीघ्र रिकवरी
- 10 मिनट में ऑपरेशन और 2 घंटे में छुट्टी

कोल इंडिया लिमिटेड से मान्यता प्राप्त

छ.ग. शासन के कर्मचारियों के उपचार हेतु मान्यता प्राप्त

द. पू. म. रेलवे के कर्मचारियों का कैशलेस ईलाज हेतु मान्यता प्राप्त

इंश्योरेंस, टी पी ए कम्पनी से मान्यता प्राप्त

Vinayak Netralaya

विनायक नेत्रालय

अग्रसेन चौक के पास, लिंक रोड, बिलासपुर (छ.ग.) 9685333999

# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी












# आसमां में गूंजा 'जय जोहार' और 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया'

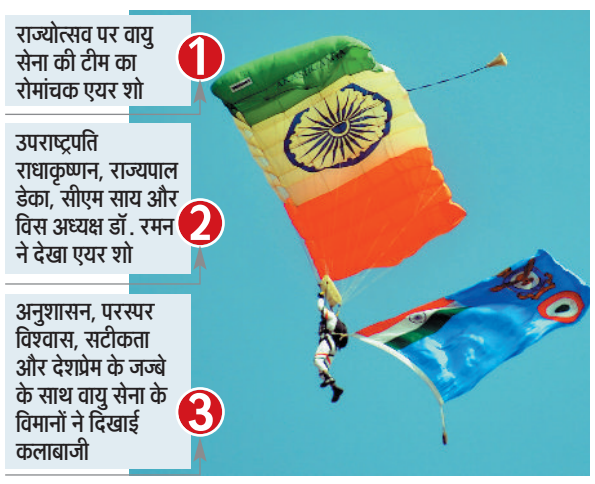

## वायु सेना का एयर शो छत्तीसगढ़वासियों के लिए कमाल का अनुभव, लोग देखकर एक घंटे तक होते रहे मंत्रमुग्ध







**रायपुर।** छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना की 25वीं वर्षगांठ पर नवा रायपुर के सेंध जलाशय के ऊपर भारतीय वायु सेना की प्रतिष्ठित एरोबेटिक सूर्यकिरण की टीम ने रोमांचक एयर शो का प्रदर्शन किया। उप राष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के साथ हजारों लोगों ने अद्भुत और रोमांचक एयर शो का आनंद लिया। एयर शो के दौरान सूर्यकिरण टीम के लीडर ग्रुप कैप्टन अजय दशरथी ने आसमान से छत्तीसगढ़वासियों को रजत महोत्सव की बधाई दी। छत्तीसगढ़ निवासी भारतीय वायु सेना के स्क्वाड्रन लीडर गौरव पटेल ने अपने कॉकपिट से 'जय जोहार' और 'छत्तीसगढ़िया सबले बढ़िया' कहकर दर्शकों का अभिवादन किया।


inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366


## खबर संक्षेप

### उलानबटोर में फंसे 228 यात्री पहुंचे भारत



**नई दिल्ली।** एअर इंडिया ने मंगोलिया की राजधानी उलानबटोर में फंसे 228 यात्रियों को बुधवार सुबह दिल्ली पहुंचाया। तकनीकी समस्या के कारण सोमवार को सैन फ्रांसिस्को से दिल्ली आ रहे विमान का मार्ग परिवर्तित कर उसे मंगोलिया की राजधानी ले जाया गया।

### ट्रक से टकराकर खाई में गिरी बाइक, तीन की मौत

**बहराइच।** बहराइच-लखनऊ राजमार्ग पर सड़क दुर्घटना में एक परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। सुबह करीब छह बजे मदन कोठी के पास घने कोहरे के कारण बजरी से लदे ट्रक और मोटरसाइकिल की टक्कर हो गई। मृतकों की पहचान लालूही गांव निवासी करण (32), उसकी पत्नी सेनू (28), बेटे विक्की (तीन) और मानिकपुर भगवानपुर के निवासी सेनू के भाई चंद्रकिशोर (35) के रूप में हुई है।

### ट्रक ने बाइक को टक्कर मारी, तीन भाइयों की मौत



**उन्नाव।** उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में एक पिकअप ट्रक ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे तीन भाइयों की मौत हो गई। यह घटना मंगलवार देर रात बिहार थाना क्षेत्र में मलौना गांव के निकट उन्नाव-रायबरेली राजमार्ग पर हुई। मृतकों की पहचान मौरावां क्षेत्र के अकोहरी ग्राम पंचायत के बखतखेड़ा मोहल्ले के निवासी रघुनाथ के बेटे सचिन (20) और छोटू (18) के रूप में हुई है।

### हवाई अड्डे पर 26.7 लाख के ड्रोन जब्त

**हैदराबाद।** सीआईएसएफ ने यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 26.7 लाख रुपए मूल्य के 22 आधुनिक ड्रोन जब्त किए हैं। सीआईएसएफ की अपराध एवं खुफिया शाखा के कर्मियों ने सिंगापुर से आए एक यात्री को आगमन क्षेत्र में एक अन्य व्यक्ति के साथ दो बैगों की संदिग्ध रूप से अदला-बदली करते देखा, जिसके बाद उसे रोका गया। यात्री के सामान की तलाशी लेने पर 22 डीजेआई मिनी 5 प्रो ड्रोन, 22 रिमोट कंट्रोल और सहायक उपकरण बरामद हुए, जिनकी कीमत लगभग 26.7 लाख रुपये है।

*वोटर लिस्ट पर एक बार फिर गांधी का 'हाइड्रोजन बम', रिजिजू ने कहा-इनका 'बम' फटता क्यों नहीं?*

# राहुल बोले-हरियाणा में 25 लाख वोट चोरी ब्राजील की मॉडल ने 22 जगह डाले वोट

*कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को एक बार फिर 'वोट चोरी' को लेकर एक प्रेजेंटेशन दिया। कर्नाटक और महाराष्ट्र के बाद हरियाणा के विधानसभा चुनाव को लेकर कहा कि 'एच फाइल्स' किसी एक सीट की बात नहीं है, बल्कि राज्यों में वोट चोरी की बड़ी साजिश है। उन्होंने हरियाणा में 25 लाख वोट चोरी का आरोप लगाते हुए कहा कि ब्राजीलियन मॉडल का नाम हरियाणा की वोटर लिस्ट में कैसे आया? राहुल के आरोप पर भाजपा ने तीखा पलटवार किया है, वहीं चुनाव आयोग ने इसे निराधार बताया है।*

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए दावा किया कि हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा द्वारा चुनाव आयोग की मदद से बड़े पैमाने पर की गई धांधली किया गया। प्रदेश में करीब 25 लाख फर्जी वोट बनाए गए। साढ़े तीन लाख वोट काटे गए। इसके बावजूद कांग्रेस सिर्फ 22,000 वोटों से सरकार नहीं बना सकी।

- भाजपा का पलटवार-बिहार में मतदान है और ये हरियाणा चुनाव की बात कर रहे

कर्नाटक और महाराष्ट्र में वोट चोरी के बड़े खुलासे करने के बाद बुधवार को इंदिरा भवन स्थित कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा ने हरियाणा में भी चुनाव आयोग की मिलीभगत से कांग्रेस की प्रचंड जीत को हार में बदल दिया। राहुल ने सबूतों के साथ /"हाइड्रोजन बम" का खुलासा करते हुए कहा कि हरियाणा में कुल दो करोड़ वोटरों ▶▶ शेष पेज 8 पर



### कांग्रेस नेता के आरोप

- हरियाणा वोटर लिस्ट में ब्राजील की मॉडल
- ब्राजील की मॉडल ने डाला 22 बार वोट
- हरियाणा में 8 वोटर में 1 वोटर नकली
- नकली फोटो वाले 1 लाख 24 हजार वोटर
- दो बूथ पर एक फोटो का 223 बार इस्तेमाल
- हर वोटर लिस्ट में अलग नाम, अलग उम्र
- फॉर्म 6, फॉर्म 7 के आधार पर वोट चोरी
- 3 .5 लाख लोगों के नाम वोटर लिस्ट के काटे
- बीजेपी की मदद कर रहा चुनाव आयोग
- सीसीटीवी फुटेज को नष्ट किया जा रहा

### ऐसे काटे वोट

राहुल गांधी ने कहा कि 5,21,619 डुप्लीकेट वोटर, 93,174 इनवैलिड पते और 19,26,351 बल्क वोटर्स के जरिए कम से कम 25,41,144 वोट चोरी किए गए। उन्होंने कहा कि फॉर्म छह और सात से मतदाताओं को जोड़ा और घटाया जाता है, कर्नाटका खुलासों के बाद चुनाव आयोग ने कुछ बदलाव कर दिए हैं, जिनके कारण इनकी कुल संख्या का अब पता नहीं लग सकता। लेकिन कांग्रेस की जांच में सामने आया कि साढ़े तीन लाख मतदाताओं के वोट काटे गए।

### पोस्टल बैलेट में था 73 -17 का अंतर

राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा में ऐसा पहली बार हुआ कि पोस्टल बैलेट के नतीजे और चुनाव के नतीजे अलग थे। पोस्टल बैलट में कांग्रेस 73 और भाजपा सिर्फ 17 सीटों पर आगे थी। सभी एग्जिट पोल भी बता रहे थे कि हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है, लेकिन उसी समय हरियाणा के मुख्यमंत्री मुस्कुराते हुए कह रहे थे कि चुनाव भाजपा ही जीतेगी, 'हमारे पास सारी व्यवस्थाएं हैं, आप चिंता मत करिए'।

### राहुल के आरोपों पर आयोग की त्वरित प्रतिक्रिया

राहुल गांधी के प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म होते हो हरियाणा चुनाव आयोग की ओर से 10 प्वाइंट्स के जवाब एक्स हैंडल पर पोस्ट किए गए। जिसमें कई जानकारियों के साथ ये भी बताया गया की कांग्रेस पार्टी की ओर से तब किसी भी पदाधिकारी, इलेक्शन एजेंट्स ने किसी तरह की कोई शिकायत नहीं दर्ज की। आयोग एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा की राहुल गांधी की ओर से जो भी दावा किया जा रहा है वो सब मसले कोर्ट में विचाराधीन हैं।

### भाजपा बोली-बिहार में चुनाव और चले गए कोलंबिया

भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि बिहार में मतदान है और ये हरियाणा चुनाव की बात कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि, ये बताते हैं कि हाइड्रोजन बम फटेगा, लेकिन इनका एटम बम फटता क्यों नहीं है?

### बिहार में पहले चरण में 121 सीटों पर आज मतदान

बिहार की सियासत अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। गुरुवार, 6 नवंबर को पहले चरण की वोटिंग में 18 जिलों की 121 विधानसभा सीटों पर जनता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेगी।

*छत्तीसगढ़ के बाद यूपी में बड़ा हादसा*

# कालका मेल की चपेट में आने से छह श्रद्धालुओं की मौत



एजेंसी ▶▶ मिर्जापुर

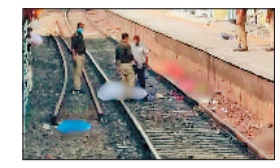

उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में चुनार रेलवे स्टेशन पर बुधवार को ट्रेन की चपेट में आने से छह महिलाओं की मौत हो गई। उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के जनसंपर्क अधिकारी अमित सिंह ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे हुई जब यात्री चौपन एक्सप्रेस ट्रेन से पटरी वाली तरफ उतर गए। उन्होंने कहा कि इस दौरान वे सामने से आ रही नेताजी एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आ गए। सिंह ने बताया कि ये लोग कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए यहां आए थे।

### इनकी हुई मौत

मृतकों की पहचान सविता (28), साधना (16), शिव कुमारी (12), अंजू देवी (20), सुशीला देवी (60) और कलावती (50) के रूप में हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीड़ितों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। अधिकारियों को तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर बचाव व राहत कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया। राष्ट्रीय और राज्य आपदा मोचन बलों को दुर्घटनास्थल पर पहुंचने का आदेश दिया गया है।

### कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए मिर्जापुर आए थे सभी यात्री

रेलवे ने एक बयान में कहा, ये यात्री कार्तिक पूर्णिमा स्नान के लिए मिर्जापुर आए थे। फुटओवर ब्रिज होने के बावजूद, वे पटरियों से प्लेटफार्म पार कर रहे थे, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई।

*परमाणु खतरे की आहट से हड़कंप*

# अमेरिका ने किया न्यूक्लियर टेस्ट कैलिफोर्निया से दागी मिनटमैन-3



एजेंसी ▶▶ वाशिंगटन

अमेरिकी वायुसेना का ग्लोबल स्ट्राइक कमांड ने कैलिफोर्निया से एक बिना हथियार वाली मिनटमैन-3 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) का टेस्ट लॉन्च किया। यह रेगुलर टेस्ट था। मिसाइल मार्शल द्वीप समूह के पास रोनाल्ड रीगन बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस टेस्ट साइट पर उतरी। यह टेस्ट राष्ट्रपति ट्रंप के न्यूक्लियर हथियारों पर टिप्पणियों के बाद हुआ। ट्रंप ने कहा कि रूस, चीन और पाकिस्तान जैसे देश परमाणु परीक्षण कर रहे हैं, इसलिए अमेरिका को पीछे नहीं रहना चाहिए। उन्होंने पेंटागन को तुरंत परीक्षण शुरू करने को कहा, लेकिन ऊर्जा विभाग ने स्पष्ट किया कि अभी विस्फोट वाले परीक्षण नहीं होंगे।

यह आदेश व्यापक नीति का हिस्सा है, जो कॉम्प्रिहेंसिव न्यूक्लियर-टेस्ट-बैन ट्रीटी के तहत आता है।

### मिनटमैन-3

मिनटमैन-3 अमेरिका की सबसे पुरानी आईसीबीएम है, जो 1970 के दशक से इस्तेमाल हो रही है। यह जमीन से लॉन्च होती है और 13,000 किलोमीटर दूर तक मार कर सकती है। इसमें न्यूक्लियर वॉरहेड लगाया जा सकता है, लेकिन इस टेस्ट में कोई हथियार नहीं था। अमेरिका के पास लगभग 400 ऐसी मिसाइलें हैं, जो रूस और चीन जैसे देशों के खिलाफ रक्षा का हिस्सा हैं। यह मिसाइल 'मिनटमैन' नाम से इसलिए जानी जाती है क्योंकि यह एक मिनट में तैयार हो जाती है. अमेरिका 2030 तक इसे नई मिसाइल से बदलने की योजना बना रहा है, लेकिन तब तक ये टेस्ट जारी रहेंगे।

### अमेरिका की परमाणु ताकत का प्रतीक

मिनटमैन-3 एक इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल है। यह जमीन से लॉन्च होती है। 13,000 किलोमीटर दूर निशाना साध सकती है। इसमें परमाणु वारहेड लग सकता है, लेकिन इस टेस्ट में बिना हथियार के होगी. यह अमेरिका की लैंड-बेस्ड न्यूक्लियर डिटरेंट (रोकथाम) का मुख्य हिस्सा है।

# 'लखपति दीदी सम्मेलन' में उपराष्ट्रपति

**राजनांदगांव।** उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने 'लखपति दीदी सम्मेलन' में भाग लिया। जनसमूह को संबोधित करते हुए, उपराष्ट्रपति ने 'लखपति दीदी' पहल की सराहना की तथा इसे भारत की महिलाओं की शक्ति और दृढ़ संकल्प का प्रतीक बताया। राधाकृष्णन ने राजनांदगांव स्थित उदयाचल स्वास्थ्य एवं अनुसंधान संस्थान में एक नए पांच-मंजिला भवन का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के राज्यपाल रमन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह उपस्थित रहे।

*सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को दिए निर्देश*

# महादेव सट्टेबाजी में फरार आरोपी उप्पल को ढूंढ़कर करें गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय को महादेव सट्टेबाजी ऐप के सह-संस्थापक रवि उप्पल का पता लगाने और उसे गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। वह दुबई से भागकर किसी अज्ञात स्थान पर चला गया है। कोर्ट ने कहा कि सफेदपोश अपराध के आरोपियों के लिए अदालतों और जांच एजेंसियों को 'खिलौना बनाने' नहीं दिया जा सकता है।

### 14 को सुनवाई

पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 14 नवंबर के लिए निर्धारित कर दी, क्योंकि उसके वकील ने समय मांगा था। पीठ ने वकील से कहा कि वह उप्पल को भारत लौटने और कार्यवाही का सामना करने के लिए राजी करें। उप्पल को दिसंबर 2023 में इंटरपोल नोटिस के आधार पर दुबई में हिरासत में लिया था, लेकिन बाद में उसे निगरानी में रिहा कर दिया गया।

*मां मीरा नायर ने मंच पर गले लगाया, विक्ट्री स्पीच में दोहराया नेहरू का भाषण*

# भारतवंशी ममदानी ने रचा इतिहास, बने न्यूयॉर्क के मेयर

एजेंसी ▶▶ न्यूयार्क

भारतीय मूल के जोहरान ममदानी ने अमेरिका में न्यूयॉर्क सिटी के मेयर पद का चुनाव जीत लिया है। 34 वर्षीय ममदानी ने न्यूयॉर्क शहर के पहले मुस्लिम मेयर और एक सदी में मेयर का चुनाव जीतने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति बनकर इतिहास रच दिया। अपनी जीत के जश्न में ममदानी ने भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के 1947 के मशहूर भाषण 'ट्रस्ट विथ डेस्टिनी' का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'मुझे नेहरूजी के शब्द याद आ रहे हैं 'इतिहास में एक ऐसा क्षण बहुत कम आता है।

**जोहरान फॉर न्यू यॉर्क:** अपनी जीत के बाद अपनी जोहरान ममदानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इसमें सिटी हॉल में न्यूयॉर्क मेट्रो का गेट खुलता हुआ नजर आ रहा है और दीवार पर 'जोहरान फॉर न्यू यॉर्क सिटी लिखा हुआ दिखाई दे रहा था।

### ममदानी को मिले 50.6 फीसदी मत

ममदानी ने रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा और न्यूयॉर्क के पूर्व गवर्नर एंड्रयू कुओमो को हराया जो निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे थे। डेमोक्रेट उम्मीदवार ममदानी ने न्यूयॉर्क सिटी मेयर चुनाव में 948,202 वोट (50.6 प्रतिशत) हासिल कर जीत हासिल की। जबकि कुओमो को 776,547 वोट (41.3 प्रतिशत) मिले, जबकि स्लीवा को 137,030 वोट मिले।

### जश्न में बालीवुड गाने की धूम

जश्न के दौरान बैकग्राउंड में बॉलीवुड फिल्म 'धूम' का गाना 'धूम मचाले' बज रहा था। भाषण के बाद वे अपनी पत्नी के साथ 'धूम मचा ले' गाने पर झूमते नजर आए। संबोधन से पहले ममदानी अपनी पत्नी रमा दुवाजी और मां मीरा नायर के साथ मंच पर आए। मां मीरा नायर ने मंच पर आकर उन्हें गले लगा लिया। इस दौरान, पिता महमूद ममदानी भी मौजूद रहे।

## चिंतन

# अपने ही देश अमेरिका में फंस गए राष्ट्रपति ट्रंप

बात-बात पर दुनियाभर के देशों को टैरिफ की धौंस दिखाने वाले डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका का हाल बेहाल है। राष्ट्रपति की सनक के चलते सबसे शक्तिशाली देश में 36 दिनों से सरकारी शटडाउन है। यह अमेरिकी इतिहास का सबसे बड़ा शटडाउन है। इससे पहले राष्ट्रपति ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान 2018 में 35 दिनों तक सरकारी कामकाज ठप रहा था। शटडाउन की वजह से 4.2 करोड़ अमेरिकियों की फूड स्टैंप सहायता रुक गई है। अमेरिकी कृषि विभाग के पास इस कार्यक्रम के लिए सिर्फ 5 अरब डॉलर का रिजर्व फंड है, जबकि नवंबर में फूड स्टैंप जारी रखने के लिए 9.2 अरब डॉलर की जरूरत है। शटडाउन से अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हो रहा है। अब तक करीब 1 लाख करोड़ का नुकसान हो चुका है। अगर शटडाउन जल्द खत्म नहीं हुआ तो देश की विकास दर में चौथी तिमाही में एक से दो फीसदी की गिरावट आने की आशंका जताई जा रही है। अब तक 6.7 लाख सरकारी कर्मचारी छुट्टी पर भेजे जा चुके हैं, जबकि 7.3 लाख कर्मचारी बिना सैलरी के काम कर रहे हैं। इस तरह लगभग 14 लाख लोग कर्ज लेकर घर चला रहे हैं। ट्रम्प हेल्थ केयर प्रोग्राम की सब्सिडी बढ़ाने को तैयार नहीं हैं, इस वजह से अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट में फंडिंग बिल पास नहीं हो पा रहा है। इस बिल पर अब तक 14 बार वोटिंग हो चुकी है, लेकिन हर बार बहुमत के लिए जरूरी 60 वोट नहीं मिल पाए। अमेरिका का फिस्कल ईयर यानी खर्च का साल एक अक्टूबर से शुरू होता है। यह एक तरह से सरकार का आर्थिक साल होता है, जिसमें वह अपना पैसा खर्च करने और बजट बनाने की योजना बनाती है। इस दौरान सरकार तय करती है कि कहां पैसा लगाना है, जैसे सेना, स्वास्थ्य या शिक्षा में। अगर इस तारीख तक नया बजट पास नहीं होता, तो सरकारी कामकाज बंद हो जाता है। इसे शटडाउन कहते हैं। अमेरिका के दोनों प्रमुख दल डेमोक्रेट और रिपब्लिकन में ओबामा हेल्थ केयर सब्सिडी प्रोग्राम को लेकर ठनी हुई है। डेमोक्रेट्स चाहते हैं कि स्वास्थ्य बीमा की सब्सिडी बढ़ाई जाए। रिपब्लिकन को डर है कि अगर सब्सिडी बढ़ाई गई तो सरकार को खर्च करने के लिए और पैसे की जरूरत पड़ेगी, जिससे बाकी सरकारी काम प्रभावित होंगे। दोनों दलों के इसी मदभेद के चलते अमेरिका का हाल बेहाल हो रहा है। सबसे ज्यादा बुरा हाल सरकारी कर्मचारियों का है। उन्हें वेतन नहीं मिल पा रहा। वे लगातार कर्ज के दलदल में फंस रहे हैं। कर्मचारियों को वेतन न मिलने से बाजार में भी मंदी के हालात हैं। खरीददारी ठप होकर रह गई है। इसके चलते उत्पादन प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है, जिससे देश में बेरोजगारी बढ़ने का खतरा पैदा हो गया है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि शटडाउन के कारण सरकारी खर्च में देरी हो रही है और इसका अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ा है। यह असर कुछ हद तक खत्म हो जाएगा, लेकिन पूरी तरह नहीं। ट्रंप की सनक के चलते पहले तो दुनियाभर के देश परेशान थे, अब उनके अपने देश अमेरिका में ही बड़ा संकट खड़ा हो गया है। अगर हालात यही रहे तो वो दिन दूर नहीं जब ट्रंप की सनक अमेरिका को ले बैठेगी।



प्रबंधन
योगेंद्र माथुर

# भगदड़ से बचने के उपाय आवश्यक

> वेंकटेस्वर स्वामी मंदिर में देवप्रबोधनी एकादशी के अवसर पर दर्शन के दौरान मची भगदड़ में 10 श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई और कई लोग घायल हो गए। यह पहला अवसर नहीं है जब किसी धर्मस्थल पर भगदड़ मची हो और श्रद्धालुओं को जान गंवानी पड़ी हो। ऐसी दुर्घटनाओं का देश में लम्बा इतिहास रहा है। अतः ऐसी स्थिति में 'रियल टाइम मॉनिटरिंग' की व्यवस्था महत्वपूर्ण हो जाती है। इससे भीड़ की वास्तविक संख्या या स्थिति का आकलन कर तत्काल निर्णय लेने में बहुत मदद मिलती है। सबसे महत्वपूर्ण लोगों का स्व अनुशासन, सावधानी व सजगता से भगदड़ जैसी दुर्घटनाओं पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है।

आंध्रप्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा में 'मिनी तिरुपति' कहे जाने वाले वेंकटेस्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को देवप्रबोधनी एकादशी के अवसर पर दर्शन के दौरान मची भगदड़ में 10 श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई और कई लोग घायल हो गए। जैसा कि अब तक होता आया है कि सभी बड़े नेताओं व राजनीतिक दलों ने दुर्घटना पर शोक जताते हुए संवेदना व्यक्त की है और घटना की जांच करने की बात कही गई है। स्थानीय पुलिस व प्रशासन मंदिर प्रबंधन की गलती बताकर दुर्घटना की जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ते हुए दिखाई दे रहे हैं। प्रशासन ने मंदिर के प्रबंधन द्वारा दर्शन व्यवस्था की पूर्व सूचना न देने से सुरक्षा व्यवस्था न हो पाने की बात कही है। मुख्य रूप से दर्शनार्थियों की अनुमान से अधिक भीड़ होने, मंदिर का प्रवेश व निर्गम द्वार एक ही होने व संकरा होने से भीड़ बढ़ने और व्यवस्था के लिए लगे बैरिकेडिंग के गिरने से भगदड़ होना बताया जा रहा है।

यह पहला अवसर नहीं है जब किसी धर्मस्थल पर भगदड़ मची हो और श्रद्धालुओं को जान गंवानी पड़ी हो। ऐसी दुर्घटनाओं का देश में लम्बा इतिहास रहा है। हाल के वर्षों में ऐसी बीसियों दुर्घटनाएं हुई हैं जिनमें सैकड़ों श्रद्धालुओं को असमय काल कवलित होना पड़ा है। इसी वर्ष उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, गोवा, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक व मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों में स्थित धर्मस्थलों व विभिन्न आयोजनों में ऐसी लगभग एक दर्जन दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। अकेले आंध्रप्रदेश में ही धर्मस्थलों पर भगदड़ की इस वर्ष यह तीसरी दुर्घटना है। लेकिन अफसोस इस बात का है कि इन दुर्घटनाओं से हमने कोई सबक लिया हो, ऐसा दिखाई नहीं पड़ता।

भारत एक धर्मप्रधान देश है और सात वार, नौ त्यौहार की कहावत यहां प्रचलित है। आए दिन किसी भी धर्म के पर्व व तीज-त्योहारों पर यहां धर्मस्थलों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है। इसी के साथ कई छोटे-बड़े धार्मिक आयोजन यथा मेले, कथा, सत्संग व प्रवचन भी यहां प्रायः कहीं न कहीं होते रहते हैं जिनमें श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। धार्मिक आयोजनों से इतर कई सामाजिक, सांस्कृतिक व संगीत के आयोजनों के साथ राजनीतिक सभा व रैलियां भी इस लोकतांत्रिक देश का अनिवार्य हिस्सा रही हैं जिनमें खासी भीड़ जुटती है। इन अवसरों पर भीड़ नियंत्रण व प्रबंधन, स्थानीय प्रशासन व सरकारों के लिए बड़ी चुनौती होती है। आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हो जाए तो ठीक वरना किसी भी प्रकार की दुर्घटना होने पर लीपापोती के प्रयास करने में स्थानीय प्रशासन की संपूर्ण मशीनरी पूरे प्राण प्रण से जुट जाती हैं। बड़े नेता व राजनीतिक दल दुर्घटना को दुखद बता कर शोक संवेदना व्यक्त कर देते हैं और सरकारें जांच कमेटी या आयोग का गठन कर अथवा मुआवजे का मरहम लगाकर अपने कर्तव्य या जिम्मेदारी की इतिश्री मान लेती हैं। बाद में समय के साथ ताजा जख्म भरते जाते हैं, रुदन व क्रंदन बंद हो जाता है और दुर्घटना को लगभग भूला दिया जाता है, जब तक कि कोई नई दुर्घटना न हो जाए। लेकिन इन दुर्घटनाओं से कोई सबक नहीं लिया जाता। प्रायः देखा यह जाता है भीड़ की सुरक्षा-व्यवस्था न होने अथवा अपर्याप्त या कुप्रबंध होने से भगदड़ जैसी दुर्घटनाएं होती हैं। कई बार धर्मस्थलों या आयोजनों से जुड़े प्रबंधन और प्रशासन की घोर लापरवाही या अनदेखी



भी इसके लिए जिम्मेदार होती है। अधिकांशतः बड़े आयोजनों या राजनीतिक रैलियों के दौरान यह देखने में आता है कि आयोजकों का पूरा ध्यान अपनी शक्ति, सामर्थ्य अथवा लोकप्रियता के प्रदर्शन पर रहता है और व्यवस्था व जनसुरक्षा को हाशिए पर धकेल दिया जाता है और किसी प्रकार की दुर्घटना से बचने के कोई प्रबंध नहीं किए जाते। अतः ऐसे अवसरों पर किसी भी प्रकार की दुर्घटना से बचने के लिए नियम व कानून के तहत आयोजकों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। किसी भी आयोजन की अनुमति तभी दी जानी चाहिए जब आयोजक सुरक्षा-व्यवस्था की संतोषजनक कार्ययोजना प्रस्तुत करें। आयोजकों के प्रबंधन कौशल का भी आकलन किया जाना चाहिए। वैसे भारत में भीड़ नियंत्रण व प्रबंधन को लेकर कोई ठोस नीति या कार्य योजना का नितांत अभाव सदैव बना रहा है। यही कारण है कि अत्यधिक भीड़ जब-तब भगदड़ या अन्य प्रकार की दुर्घटनाओं का कारण बनती है। प्रायः अनुमान से अधिक भीड़ होना दुर्घटना का कारण बताया जाता है लेकिन वर्तमान डिजिटल तकनीकी के दौर में संभावित भीड़ का अनुमान लगाना बहुत मुश्किल नहीं रह गया है। सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन की सहायता से बढ़ती भीड़ पर आसानी से नजर रखी जा सकती है। कुंभ मेले जैसे महाआयोजन में शामिल होने और पवित्र नदी में स्नान करने या डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं का पूर्वानुमान व सतत निगरानी कर सुरक्षा व्यवस्थाएं जुटाने का महायज्ञ (अनुपातिक रूप में कुछेक दुर्घटनाओं के अपवाद को छोड़कर) सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सकता है तो इससे छोटे आयोजनों में ऐसा क्यों नहीं किया जा सकता? हर भीड़ अव्यवस्था या भगदड़ जैसी दुर्घटनाओं में बदल सकती है, यह मानकर ही किसी भी भीड़ वाले आयोजन के अवसर पर सुरक्षा-व्यवस्था तय की जाना की चाहिए। किसी भी धर्मस्थल या आयोजन स्थल पर अत्यधिक भीड़ बढ़ने की संभावना पर प्रोजेक्टर या एलसीडी आदि के माध्यम से उसके सीधे प्रसारण के कई स्थानों पर प्रबंध कर भीड़ को एक ही जगह एकत्र होने से रोका जा सकता है। स्वयंसेवी कार्यकर्ताओं की भी सहायता ली जा सकती है। यदि कोई धर्म स्थल पहाड़ी या अधिक ऊंचाई पर, चारों तरफ अन्य निर्माण से घिरा हुआ, संकरा या अधिक अंधेरे में हो तो वहां भीड़ बढ़ने वाले अवसरों पर समुचित प्रकाश के साथ पर्याप्त हवा के प्रबंध पर भी अत्यधिक ध्यान देने की आवश्यकता होती है ताकि भीड़ बढ़ने पर वहां श्रद्धालुओं को गर्मी, घुटन या घबराहट महसूस न हो। फिसलन भरी जगह या संकरे मार्ग भी दुर्घटना की वजह बनते हैं। अतः इस ओर भी ध्यान रखना चाहिए।

प्रायः ऐसा भी देखा जाता है कि धर्म स्थलों या आयोजन स्थलों पर विद्युत व्यवस्था के तार बेतरतीब तरीके से लगे होते हैं या लटके होते हैं। अत्यधिक भीड़ के अवसरों पर धर्मस्थलों अथवा कथा, प्रवचनों के आयोजन स्थलों पर प्रवेश व निर्गम द्वार की व्यवस्थाएं अलग-अलग की जानीचाहिए। इन स्थानों पर आपात स्थिति से निपटने के लिए फायर सेफ्टी सिस्टम व चिकित्सकों सहित एंबुलेंस की व्यवस्था भी महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में कोई दुर्घटना होने पर बड़ी जनहानि से बचा जा सकता है। ऐसा भी नहीं है कि किसी स्थल या आयोजन में जुटने वाली भीड़ की संख्या का पूर्वानुमान या आकलन सदैव सही साबित हो। भीड़ अनुमान से अधिक या अत्यधिक भी हो सकती है। अतः ऐसी स्थिति में 'रियल टाइम मॉनिटरिंग' की व्यवस्था महत्वपूर्ण हो जाती है। इससे भीड़ की वास्तविक संख्या या स्थिति का आकलन कर तत्काल निर्णय लेने में बहुत मदद मिलती है। सबसे महत्वपूर्ण लोगों का स्व अनुशासन, सावधानी व सजगता से भगदड़ जैसी दुर्घटनाओं पर काफी हद तक नियंत्रण पाया जा सकता है।

( लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

## सेहत
डॉ. रेनू यादव

# डीएनए की रक्षा: जीवन और स्वास्थ्य की आधारशिला

हम अक्सर मानते हैं कि हमारे जीवन के सबसे बड़े खतरे बाहर हैं, जैसे सड़क दुर्घटनाएं, संक्रमण या गंभीर बीमारियां। लेकिन लगातार और सबसे गहरा हमला हमारे शरीर के भीतर मौजूद हमारी कोशिकाओं में डीएनए पर होता है। यह हमला अदृश्य है, हमें दिखाई नहीं देता, लेकिन इसके परिणाम बेहद गंभीर हो सकते हैं। डीएनए हमारे शरीर की सबसे बुनियादी और आवश्यक संरचना है, जिसे जीवन की "निर्देश पुस्तिका" कहा जा सकता है। इसमें हमारे शरीर की बनावट, रंग-रूप, व्यवहार, मेटाबॉलिज़्म और स्वास्थ्य से जुड़ी सभी जानकारी सुरक्षित रहती है। हर कोशिका के केंद्र में मौजूद डीएनए ही यह तय करता है कि कौन-सी कोशिका क्या काम करेगी और शरीर का कौन-सा हिस्सा कैसे विकसित होगा। यदि डीएनए को नुकसान पहुंचता है, तो शरीर की कोशिकाएं गलत ढंग से काम करने लगती हैं, जिससे कैंसर, अल्ज़ाइमर, पार्किंसन, हृदय रोग और समय से पहले बुढ़ापा जैसी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। अधिकांश डीएनए क्षति की मरम्मत शरीर की प्राकृतिक रक्षा प्रणाली स्वयं कर लेती है, किन्तु जब ऐसे आक्रमण निरंतर होते रहते हैं, तो यह तंत्र भी अपनी कार्यक्षमता खोने लगता है। डीएनए को नुकसान पहुंचाने वाले प्रमुख कारक डीएनए पर सबसे बड़ा हमला सूर्य की पराबैंगनी किरणों से होता है। ये किरणें त्वचा की कोशिकाओं में प्रवेश कर उनके आनुवंशिक पदार्थ यानि डीएनए को क्षति पहुंचाती हैं। यदि लंबे समय तक इनसे बचाव न किया जाए, तो यह क्षति त्वचा कैंसर जैसी गंभीर स्थितियों का कारण बन सकती है। इसके अलावा, चिकित्सीय जांचों में प्रयुक्त एक्स-रे और सीटी स्कैन जैसी विकिरणें भी डीएनए को प्रभावित कर सकती हैं। यद्यपि इनका उपयोग चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुसार ही किया जाता है, परंतु बार-बार इनका संपर्क डीएनए क्षति के जोखिम को बढ़ा सकता है। प्रदूषित वायु भी डीएनए की एक गंभीर शत्रु है। यही कारण है कि बढ़ते प्रदूषण से जुड़ी बीमारियां आज विश्वभर में तेजी से बढ़ रही हैं। खानपान का प्रभाव भी कम नहीं है। अत्यधिक तेलयुक्त और प्रसंस्कृत, पैकेटबंद या मिलावटी भोजन शरीर में ऐसे प्रतिक्रियाशील रसायन उत्पन्न करता है जो कोशिकाओं को क्षति पहुंचाकर डीएनए की सुरक्षा प्रणाली को कमजोर करते हैं। लंबे समय तक ऐसा आहार अपनाने से कैंसर जैसी दीर्घकालिक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। कुछ वायरस भी सीधे डीएनए पर आक्रमण करते हैं।

उदाहरण के लिए, एचपीवी, वायरस गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का प्रमुख कारण है, जबकि हेपेटाइटिस बी वायरस लीवर कैंसर से जुड़ा हुआ है। इसके अलावा, तनाव और नींद की कमी भी डीएनए के लिए हानिकारक मानी जाती है। तनाव के दौरान बनने वाले हार्मोन कोशिकाओं की मरम्मत क्षमता को घटा देते हैं, वहीं नींद की कमी से शरीर की प्राकृतिक "रिपेयर प्रणाली" सुचारू रूप से कार्य नहीं कर पाती। धूम्रपान और शराब सेवन ऐसे कारक हैं जो डीएनए को सीधे क्षति पहुंचाते हैं, जिससे कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। डीएनए की क्षति हृदय रोगों को भी बढ़ावा देती है। दिमाग़ी बीमारियाँ, जैसे अल्ज़ाइमर और पार्किंसन भी इसी से जुड़ी पाई गई हैं। समय से पहले बुढ़ापा, झुर्रियों का आना, बालों का झड़ना और शरीर का कमजोर होना भी डीएनए क्षति के संकेत हो सकते हैं। इसके साथ ही, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता घटने पर बार-बार संक्रमण होने लगता है। हालांकि यह अदृश्य हमला पूरी तरह रोका नहीं जा सकता, लेकिन कुछ सरल और सजग उपायों से इसके प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। डीएनए की सुरक्षा का सबसे प्रभावी उपाय है, संतुलित आहार और स्वच्छ वातावरण। ताज़े फल, हरी पत्तेदार सब्जियां, अंकुरित अनाज और दालें शरीर को एंटीऑक्सीडेंट्स प्रदान करती हैं, जो डीएनए की मरम्मत प्रक्रिया को सक्रिय रखते हैं। इसी प्रकार, आंवला, हल्दी, ग्रीन टी, अखरोट, बादाम और बेरीज़ का नियमित सेवन भी कोशिकाओं को सुरक्षा देने में सहायक है। स्वस्थ जीवनशैली डीएनए की रक्षा में अहम भूमिका निभाती है। विश्वभर में वैज्ञानिक डीएनए की सुरक्षा और उसकी मरम्मत के लिए निरंतर नए उपायों पर कार्य कर रहे हैं। किंतु जब तक ये खोजें आम जीवन का हिस्सा नहीं बनतीं, तब तक हमें स्वयं अपनी जीवनशैली, आदतों और परिवेश में सकारात्मक परिवर्तन लाने की आवश्यकता है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि हमारे जीवन की पूरी रूपरेखा हमारे डीएनए में ही दर्ज है। यदि यह सुरक्षित और संतुलित है, तो हमारा वर्तमान ही नहीं, बल्कि भविष्य भी सुदृढ़ और स्वस्थ रहेगा। इसलिए अब समय है कि हम इन अदृश्य हमलों के प्रति जागरूक हों और अपने डीएनए की सुरक्षा को जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता बनाएं क्योंकि सुरक्षित डीएनए ही एक सुरक्षित जीवन की नींव है।

( लेखिका पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में सीनियर डेमोंस्ट्रेटर हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

# जीवन मूल्यों का पाठ है योग

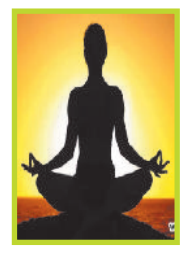



संकलित
## दर्शन

भारत ने जो विश्व को बहुमूल्य उपहार दिए हैं, योग उनमें से एक है। योग हमारी अंतर्जात क्षमताओं को जाग्रत करने और पूर्णता की उच्चतम स्थिति की प्राप्ति में सहायक है। लोहे का एक टुकड़ा चुंबक कैसे बन जाता है? जब लौह कण एक दिशा-विशेष में एकत्र हो जाते हैं, तब यह होता है। उसी प्रकार, यदि हम अपने मन को एक ही बिंदु पर-एक ही दिशा में एकाग्र करें तो हम असीम ऊर्जा उत्पन्न कर सकते हैं। हमारे प्राचीन ऋषि-मुनियों ने एकाग्रता के साथ तप किया और इतनी शक्ति अर्जित की। जैसे सूर्य की किरणों को आवर्धक लेंस द्वारा एक बिंदु पर एकत्रित करें, तो रुई जल सकती है। यही बात हमारी आंतरिक शक्तियों पर भी लागू होती है। हम निष्ठापूर्ण एकाग्रता-शक्ति अर्थात योग द्वारा इनका आह्वान कर सकते हैं। योग हो या कोई अन्य साधना, सम्यक ज्ञान और मार्गदर्शन बहुत आवश्यक है। साथ ही, बाहरी व भीतरी अनुशासन भी बरतना चाहिए।बुरे कर्मों से बच कर, हम स्वस्थ विचार और दृष्टिकोण बनाएं और धर्मोचित कर्म करें। मूल्यों पर आधारित जीवन जिएंगे, तभी हमें योगाभ्यास का पूरा-पूरा लाभ प्राप्त होगा। योग हमारी बुद्धि,भावनात्मक मन एवं शरीर के लिए उपयोगी है। यह बिना दुखी हुए, हमें जीवन की समस्याओं से संतुलित रूप से निपटना सिखाती है। आइए, हम सब अपने प्राचीन ऋषि-मुनियों द्वारा सिखाई गई इस अमूल्य विद्या को प्रोत्साहन देने एवं इसे लोकप्रिय बनाने का प्रयत्न करें।

# जिन लोगों में मतभेद उन्हें सफलता मिलती हैं कम

संकलित
## प्रेरणा

महाभारत में पांडव कौरवों से जुएं में सब कुछ हार गए थे। इस हार के बाद ये तय हुआ था कि पांडव जब 12 वर्ष का वनवास और एक वर्ष का अज्ञातवास करके लौटेंगे तब कौरव पांडवों को इनका राज्य वापस लौटा देंगे। पांडवों ने अपना वनवास और अज्ञातवास पूरा कर लिया तो वे अपना राज्य वापस मांगने कौरवों के पास पहुंचे, लेकिन दुर्योधन ने पांडवों को राज्य देने से मना कर दिया। बहुत कोशिशों के बाद भी दुर्योधन पांडवों को एक गांव तक देने के लिए तैयार नहीं हुआ। इसके बाद पांडवों के सामने सिर्फ युद्ध करने का एक मात्र उपाय बचा था। पांडवों ने युद्ध के लिए तैयारी शुरू कर दी। कौरव सेना में भीष्म, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य, कर्ण जैसे योद्धा थे। विरोधी पक्ष में सभी पांडवों के रिश्तेदार ही थे। उनकी सेना बहुत बड़ी थी। पांडवों ने विचार किया कि हम तो सिर्फ पांच भाई ही हैं। हमारे पास सेना भी नहीं है, तो हम कौरवों की विशाल सेना का सामना कैसे करेंगे। श्रीकृष्ण ने पांडवों को समझाया कि कौरव पक्ष में भले ही बड़े-बड़े योद्धा हैं, लेकिन सभी के बीच मतभेद हैं। भीष्म कर्ण को पसंद नहीं करते, द्रोण दुर्योधन को पसंद नहीं करते। दुर्योधन भीष्म और द्रोण को अपमानित करते रहता है। जबकि आप पांचों भाई एक साथ हैं, आपके बीच एकता है। जहां एकता होती है, जीत भी वहीं होती है। श्रीकृष्ण ने संदेश दिया है कि जहां मतभेद होते हैं, वहां सफलता नहीं होती है। कौरव पक्ष में बड़े-बड़े योद्धा थे, विशाल सेना थी, लेकिन मतभेदों के चलते सभी एक मत होकर पांडवों से युद्ध नहीं लड़ सके और अंत में पांडवों की जीत हुई।

## अंतर्मन

## आज की पाती

### युवाओं के सपनों की तस्करी

भारत के अनेक इलाकों में, विशेषकर हरियाणा, पंजाब, गुजरात और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में, एक नया और खतरनाक चलन तेज़ी से फैल रहा है–डंकी रूट के ज़रिए विदेश पहुंचने का सपना। यह शब्द डंकी अंग्रेज़ी के शब्द से लिया गया है, जिसका मतलब है बिना अनुमति या अवैध रास्ते से जाना। सुनने में यह किसी फिल्मी कहानी जैसा लगता है, पर हकीकत इससे कहीं ज़्यादा भयावह है। इस रूट ने न केवल युवाओं के भविष्य को निगल लिया है, बल्कि समाज और प्रशासन के सामने एक गंभीर मानवीय और आर्थिक संकट भी खड़ा कर दिया है। भारत के ग्रामीण और अर्धशहरी इलाकों में विदेश जाना अब सिर्फ एक आकांक्षा नहीं, बल्कि सफलता का प्रतीक बन गया है। ऐसे में यह जाल तेजी से फैल रहा है। *– पवन कुशवाहा, बिलासपुर*

## ट्रेंड

### गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भारतीय विश्वविद्यालयों की संख्या में रिकॉर्ड वृद्धि देखकर प्रसन्नता हो रही है। हमारी सरकार अनुसंधान और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करते हुए, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।
**- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री**

### भारत-न्यूज़ीलैंड एफटीए

भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर चल रही बातचीत व्यापार, निवेश और नवाचार संबंधों के विस्तार का मार्ग प्रशस्त करेगी। इस साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के हमारे साझा संकल्प से हम उत्साहित हैं।
**-पीयूष गोयल, केंद्रीय उद्योग मंत्री**

### चुल्लू भर ही काफी

जो देश का अपमान करते हैं, विदेशों में जाकर भारत की बुराई करते हैं, सेना पर सवाल उठाते हैं, प्रभु श्री राम के अस्तित्व पर सवाल उठाते हैं, उन्हें तालाब भर पानी की जरूरत नहीं है, चुल्लू भर ही काफी है।
**- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली**

### राहुल का नाटक

न ईवीएम, न वोट चोरी और न संविधान। कड़वा सच यह है कि विरासत का दांव अब राहुल गांधी के लिए कभी ठीक न होने वाला एक घाव बन चुका है। इसलिए वह अपने को खबरों में बनाए रखने के लिए नाना प्रकार के नाटक करते रहते हैं। लेकिन अब उनका कोई दांव नहीं चलेगा।
**- केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, उप्र**

## करंट अफेयर

# अंतरिक्ष में चीन का चालक दल फंसा, वापसी टाली गई

चीन के अंतरिक्ष स्टेशन पर तैनात दल की बुधवार को निर्धारित वापसी को टाल दिया गया है। ऐसा संदेह है कि अंतरिक्ष यान पर सूक्ष्म अंतरिक्ष मलबे का प्रभाव पड़ा है। यह घोषणा 'चाइना मैन्ड स्पेस एजेंसी' (सीएमएसए) ने की। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि वापसी में देरी का निर्णय अंतरिक्ष यात्रियों की सुरक्षा और मिशन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए लिया गया है। चीन अपने अंतरिक्ष स्टेशन के दल को हर छह महीने में बदलता है। शनिवार को शेनझोउ-20 अंतरिक्ष यान ने शेनझोउ-21 दल के साथ कक्षा में कार्यभार हस्तांतरण पूरा किया था और उसका बुधवार को पृथ्वी पर लौटने का कार्यक्रम था। शेनझोउ-20 में वर्तमान अंतरिक्ष दल सवार है। मंगलवार को अंतरिक्ष स्टेशन पर तैनात तीन सदस्यीय दल ने कार्यभार हस्तांतरण समारोह आयोजित किया और औपचारिक रूप से स्टेशन की चाबियां नए दल को सौंप दीं। आधिकारिक मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, शेनझोउ-20 दल में शामिल चेन डोंग, चेन झोंगरुई और वांग जिए ने अपने सभी निर्धारित कार्य पूरे कर लिए हैं और उन्हें बुधवार को उत्तरी चीन के इनर मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र के डोंगफेंग लैंडिंग स्थल पर लौटना था। हालांकि, अब उनकी वापसी स्थगित कर दी गई है।

## ऑफ बीट

# कुत्ते पढ़ सकते हैं आपका दिमाग और चेहरा

जब आप रोते हैं तो आपका कुत्ता अपना सिर झुका लेता है, जब आप तनाव में होते हैं तो इधर-उधर टहलता है, और आपके सबसे बुरे पलों में किसी न किसी तरह आपके पास होता है। यह महज संयोग तो नहीं हो सकता।



हजारों सालों के सह-विकास ने कुत्तों को हमारी आवाजों, चेहरों और यहां तक कि मस्तिष्क के रसायन विज्ञान को समझने के खास तरीके दिए हैं। हमारी बातचीत को समझने वाले मस्तिष्क के क्षेत्रों से लेकर हमारी नजरें मिलाने पर बढ़ने वाले 'लव हार्मोन' या ऑक्सीटोसिन तक, आपके कुत्ते का दिमाग आपकी भावनाओं को समझने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस असाधारण भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रमाण मस्तिष्क में ही शुरू होता है। कुत्तों के मस्तिष्क में आवाज के प्रति संवेदनशील क्षेत्र होते हैं, जो इंसानों के समान होते हैं। एक 'ब्रेन इमेजिंग' अध्ययन में, अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि कुत्तों के 'टेम्पोरल कॉर्टेक्स' में आवाज को समझने वाले क्षेत्र होते हैं, जो ध्वनियों के जवाब में सक्रिय हो जाते हैं। कुत्ते न केवल किसी भी ध्वनि पर, बल्कि आपकी आवाज के भावनात्मक स्वर पर भी प्रतिक्रिया देते हैं। कुत्तों के मस्तिष्क के अध्ययन से पता चलता है कि भावनात्मक ध्वनियां, मसलन हंसी, रोना, गुस्से से चीखना उनके श्रवण और भावनाओं को समझने से संबंधित मस्तिष्क के एक हिस्से को सक्रिय करती हैं।

**हमारा पता**
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

# एनडीए सरकार ने बिहार में जंगलराज खत्म कर विकास को घर-घर पहुंचाया

**मोतिहारी।** *बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने पूर्वी चंपारण में अपनी ताकत का जबरदस्त प्रदर्शन किया। बुधवार को बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने मधुबन के गौशाला मैदान में विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भाजपा प्रत्याशी रणधीर सिंह के समर्थन में जनता से वोट देने की अपील की। अपने संबोधन में जेपी नड्डा ने लालू-राबड़ी के दौर की याद दिलाते हुए कहा कि एक समय था जब जंगल राज में बिहार के आम लोगों के लिए घर से निकलना भी मुश्किल था। लेकिन एनडीए सरकार ने वह दौर बदल दिया है। उन्होंने कहा आज बिहार का हर नागरिक सुरक्षित महसूस करता है। एनडीए सरकार ने विकास को घर-घर तक पहुंचाया है चाहे वह सड़क हो, शिक्षा हो या रोजगार के अवसर।*

**राज्य में गुरुवार को पहले चरण के लिए होना है मतदान**

**दूसरे चरण का मतदान होगा 11 को, नतीजे आएंगे 14 को**

### लालटेन युग खत्म अब एलईडी युग

जेपी नड्डा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जोड़ी की तारीफ करते हुए कहा कि इन दोनों नेताओं ने बिहार को लालटेन युग से निकालकर एलईडी युग में पहुंचा दिया है। उन्होंने कहा नीतीश कुमार ने लालटेन की रोशनी को पीछे छोड़ते हुए हर घर में उजाला पहुंचाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने हर वर्ग के उत्थान के लिए काम किया है। यह जोड़ी ही बिहार के विकास की गारंटी है।

## इंडिया गठबंधन अवसरवादी और दिशाहीन

नड्डा ने विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि एनडीए एक हीरा है हिम्मत, ईमानदारी, रफ्तार और आत्मविश्वास का प्रतीक। वहीं इंडिया गठबंधन अवसरवादी और दिशाहीन है। उन्होंने दावा किया कि आने वाले चुनाव में एनडीए प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगा, और यह सरकार बिहार को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। अपने भाषण में नड्डा ने केंद्र सरकार की उपलब्धियां भी गिनाईं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बिहार को नए हाईवे प्रोजेक्ट, शिक्षा में सुधार और रोजगार के अवसरों का लाभ मिल रहा है।

**बेतिया की चुनावी सभा में गरजीं प्रियंका**

# 'मोदी साम्राज्य में अदाणी-अंबानी का कर्ज माफ होता है, किसानों का नहीं'

एजेंसी ▶▶| बेतिया

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी बेतिया की चुनावी सभा में मोदी सरकार को जमकर निशाने में लिया। यहां चनपटिया की सभा में उन्होंने कहा, मोदी साम्राज्य में किसान कर्ज लेता है और ब्याज चुकाते-चुकाते उसकी कमर टूट जाती है। आपका कर्ज कभी माफ नहीं होता, लेकिन अंबानी-अदाणी का लाखों करोड़ों का कर्ज माफ हो जाता है। 20 साल में इस सरकार ने बस आपको संघर्ष करने की आदत डलवाई है। चंपारण की धरती से ही आजादी के आंदोलन की शुरुआत हुई। यहां के किसानों की आवाज महात्मा गांधी तक पहुंची और वो यहां तक आए। आज अंग्रेजों का नहीं मोदी का साम्राज्य है। इस राज में सब कुछ महंगा हो गया है। देश के प्रधानमंत्री बिहार के सीएम को अपने मंच पर नहीं लाते हैं। दूसरी पार्टी पर सवाल उठाते हैं। वो कहते हैं कि कांग्रेस के पोस्टर में तेजस्वी की तस्वीर छोटी है। उन्हें देश की नहीं राहुल गांधी और तेजस्वी के भविष्य की चिंता है।

**मकान सिंह, खदान सिंह, ठेकेदार सिंह आपको लूट रहे :** मंच से नेताओं ने कहा कि बीजेपी विधायक मकान सिंह ने चनपटिया को लूटा है। इस पर प्रियंका गांधी ने हंसते हुए कहा कि कैसे-कैसे नाम हैं। मकान सिंह। जैसा नाम, वैसा काम। लोगों को लूट-लूटकर अपने मकान बना रहे हैं। बिहार में पता नहीं कितने मकान सिंह, खदान सिंह और ठेकेदार सिंह होंगे जो आपको लूट रहे हैं। ऐसी सरकार को बदलने का वक्त आ गया है।

### बीजेपी वाले बिहारियों को घुसपैठिया बुलाते

इससे पहले उन्होंने वाल्मीकि नगर में चुनावी सभा में कहा था- मेरे भाई राहुल गांधी ने बिहार में वोट चोरी के खिलाफ यात्रा निकाली। बीजेपी वालों ने कहा कि घुसपैठियों की लिए यात्रा निकाली। मैं पूछना चाहती हूं कि क्या बिहार के लोग घुसपैठिए हैं। बीजेपी वाले नहीं चाहते हैं कि समाज के हित के लिए लड़ाई लड़ी जाए। समाज के हर वर्ग को मौका मिलना चाहिए। हर चुनाव में वोट चोरी हो रही है। पता नहीं आने वाले दिनों में चुनाव होगा या नहीं। देश से शिकायत ये है कि यहां के लोग चुप हैं। अपनी शक्ति को पहचानिए, इस सरकार को बदल दो। खदेड़ दो ऐसी सरकार को। ऐसी सरकार लाओ जो आपका विकास करे। हमारी शहादत को ये परिवारवाद कहते हैं। बिहार की धरती से स्वतंत्रता आंदोलन शुरू हुआ था।

# राजद कितनी भी बड़ी घोषणा करे कभी विश्वास नहीं करना : योगी

गयाजी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गयाजी के वजीरगंज में चुनावी जनसभा को संबोधित किया। योगी ने पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव पर निशाना साधते हुए कहा, पहले चरण में इन लोगों ने पशुओं का चारा खाया। दूसरे चरण में गरीबों का राशन हजम कर जाएंगे। अगर इन लोगों को अवसर दिया तो, मैं आपसे कहता हूं, फिर से जंगलराज आएगा। इसलिए एनडीए कैंडिडेट्स को वोट देकर जिताइए। राजद कितनी भी बड़ी घोषणा करे कभी विश्वास नहीं करना। जो राम का नहीं हुआ, वो हमारे किसी काम का नहीं होगा। जो राम द्रोही है, वो हमारा भी द्रोही है। ये लोग जंगलराज ही लाएंगे। आगे भी यही करेंगे।' योगी ने सभा में खड़े 7 बुलडोजर दिखाते हुए कहा- 'देख लीजिए यही आपके बिहार में भी चलने वाले हैं। बस हमारी सरकार बनवाइए।'

**बिहार में राजद व कांग्रेस का इलाज एनडीए है**

सभा को संबोधित करते हुए योगी ने कहा, 'राजद और कांग्रेस ने किसानों को लूटा। विकास का पैसा अपने परिवार के विकास में लगा दिया। उनके राज में सब चौपट था। नक्सलवाद फैलता गया। माफिया राज फैलता गया। सत्ता के समानांतर माफिया की सरकार चलने लगी। जिस बिहार ने देश को बनाया। इन लोगों ने उस बिहार के लोगों के सामने पहचान का संकट पैदा किया। किसानों को खुदकुशी करने पर मजबूर किया। बहन और बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ किया। व्यापारी पलायन करने लगा। पूरा विकास बाधित कर दिया। बिहार में राजद और कांग्रेस का इलाज एनडीए है।'

# 'अब बिहार को गुजराती नहीं, बल्कि बिहारी ही चलाएंगे'

**शिवहर।** नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बुधवार को शिवहर में बिहार की सत्ता को कुछ लोगों तक सीमित बताते हुए कहा कि अब हर परिवार सरकार चलाएगा। तेजस्वी यादव ने खचाखच भरी भीड़ के सामने कहा कि अगर उनकी सरकार बनी तो केवल 20 महीने में ही बिहार की तस्वीर बदल देंगे। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब बिहार को गुजराती नहीं, बल्कि बिहारी ही चलाएंगे। उन्होंने वर्तमान सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि 20 साल से चाचा सरकार चला रहे हैं, फिर भी बिहार में विकास नहीं हुआ। अपनी बात रखते हुए तेजस्वी यादव ने कहा, 'मेरी उम्र थोड़ी कच्ची है, लेकिन जुबान पक्की है।'

**महिलाओं को देंगे एकमुश्त 30,000 रुपए**

तेजस्वी ने महागठबंधन समर्थित राजद प्रत्याशी नवनीत कुमार झा के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि यदि उनकी सरकार बनती है, तो 14 जनवरी को महिलाओं को एकमुश्त 30,000 रुपए दिए जाएंगे।

**प्रकाश उत्सव पर गए थे दर्शन करने**

# भारत से पाकिस्तान गए 12 हिंदुओं को धर्म पूछकर लौटाया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

प्रकाश उत्सव के मौके पर पाकिस्तान जाकर गुरुद्वारों के दर्शन करने पहुंचे 14 हिंदू श्रद्धालुओं को पाकिस्तानी प्रशासन ने हिंदू होने का हवाला देकर वापस भेज दिया। ये श्रद्धालु दिल्ली के भाटी माइंस क्षेत्र के रहने वाले हैं और सिख जथे के साथ वीजा लेकर पाकिस्तान गए थे। उनका कहना है कि उन्हें पाकिस्तान में प्रवेश भी दिया गया और गुरुद्वारा कमेटी ने स्वागत भी किया। लेकिन बस में बैठने के बाद पाकिस्तानी सुरक्षा एजेंसियों ने उन्हें रोक दिया और कहा कि आप हिंदू हैं, क्यों जाएंगे।

जानकारी के अनुसार, श्रद्धालु पंजा साहिब, ननकाना साहिब, करतारपुर साहिब और सच्चा सौदा गुरुद्वारा में मत्था टेकने के लिए निकले थे। वे दिल्ली से गुरु नानक देव के प्रकाश उत्सव के मौके पर पाकिस्तान पहुंचे थे। जैसे ही वे पाकिस्तान में प्रवेश करने पहुंचे, वहां मौजूद अधिकारियों ने उनकी पहचान पूछी और हिंदू होने की बात सामने आने पर उन्हें रोक दिया।

### किराए के पैसे भी वापस नहीं

श्रद्धालुओं का कहना है कि पाकिस्तान प्रशासन ने उन्हें वापस लौटने को कहा और दर्शन की अनुमति नहीं दी। साथ ही उनके बस किराए के लगभग 13,000 रुपये भी वापस नहीं किए गए। श्रद्धालुओं ने बताया कि वे पूरी तैयारी और वीजा दस्तावेजों के साथ पहुंचे थे, लेकिन धर्म के आधार पर उन्हें रोका गया।

**अमेरिकी राजनीति में यह कॉकस बढ़ता जा रहा है तेजी से**

# ममदानी की जीत के बाद चर्चा में 'समोसा कॉकस'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय मूल के दो मुस्लिमों ने अमेरिका में चुनावों में जीत दर्जकर इतिहास रच दिया है। इनमें एक हैं गुजराती मूल के जोहरान ममदानी जो न्यूयॉर्क सिटी का मेयर चुने गए है। वहीं हैदराबाद मूल की मुस्लिम महिला गजाला हाशमी हैं, जिन्होंने वर्जीनिया के लेफ्टिनेंट गवर्नर का चुनाव जीता है। 34 साल के जोहरान ममदानी न्यूयॉर्क के सबसे कम उम्र के मेयर बनने वाले शख्स बन गए हैं। वह उस भारतीय-अमेरिकी समुदाय का सबसे नया चेहरा बन गए हैं, जिसने मात्र 12 वर्षों में अमेरिकी चुनावों में जीत दर्ज करने वालों की संख्या में पांच गुना इजाफा देखा है। उनकी जीत के बाद अमेरिकी राजनीति में अमेरिकी-भारतीय समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाले 'समोसा कॉकस' की चर्चा अब खूब हो रही है। अमेरिकी राजनीति में यह कॉकस लगातार तेजी से बढ़ता जा रहा है।

### इस समुदाय से जुड़े हैं 60 नाम

समोसा कॉकस में रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स दोनों शामिल हैं। एक दशक से थोड़ा ज़्यादा समय पहले, इस सूची में आधा दर्जन से भी कम नाम शामिल थे लेकिन आज लगभग 60 नाम इस समुदाय से जुड़े हैं। इनमें से यह तो अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सांसद हैं। इसमें विवेक रामास्वामी और एफबीआई निदेशक काश पटेल जैसे ट्रंप सरकार द्वारा नियुक्त व्यक्ति के नाम शामिल नहीं हैं।

### यह है 'समोसा कॉकस'

अमेरिका में चाहे राज्य स्तर पर हो या संघीय स्तर पर निर्वाचित पद संभालने वाले भारतीय-अमेरिकी समुदाय को ही 'समोसा कॉकस' कहा जाता है। यह अमेरिकी कांग्रेस में भारतीय-अमेरिकी सांसदों के एक समूह को दिया गया एक उपनाम है। यह दक्षिण एशियाई मूल के, विशेष रूप से भारतीय मूल के, भारतीय-अमेरिकी विधायकों की बढ़ती संख्या को दर्शाता है। यह नाम लोकप्रिय भारतीय नाश्ते "समोसा" का एक मजेदार संकेत है। यह शब्द 2018 के आसपास इलिनोइस के राजा कृष्णमूर्ति द्वारा अमेरिकी राजनीति में भारतीय-अमेरिकियों के बढ़ते प्रभाव का जश्न मनाने के लिए गढ़ा गया था। इस कॉकस में प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों के सदस्य शामिल होते हैं जिनकी जड़ें भारत या दक्षिण एशिया में हैं और जो अक्सर भारतीय-अमेरिकी समुदाय से संबंधित मुद्दों के साथ-साथ संयुक्त राज्य अमेरिका में दक्षिण एशियाई लोगों के हित के व्यापक मुद्दों पर मिलकर काम करते हैं।

### अमेरिका के केंटकी में कार्गो प्लेन क्रैश, 7 की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के केंटकी राज्य में बुधवार को लुईविल में एक कार्गो प्लेन क्रैश हो गया है। हादसे में 7 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कम से कम 11 के घायल होने की खबर है। फेडरल एविएशन अथॉरिटी (एफएए) के मुताबिक, यूपीएस कंपनी की फ्लाइट 2976 ने मोहम्मद अली इंटरनेशनल एयरपोर्ट से होनोलुलु (हवाई) के डेनियल इनौये इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरी थी।

### गुमशुदा की तलाश

आम जनता को सूचित किया जाता है। कि मेरे भाई बमबम सिंह पिता श्री नरेश प्रसाद सिंह उम्र 44 साल, वर्तमान निवासी गुलाबनगर, मोपका, जिला बिलासपुर 01 नवम्बर (शनिवार) से कहीं चला गया है। जिसकी हुलिया 5 फीट 6 इंच है, रंग सांवला है जो बोल व सून नहीं सकता, सफेद रंग का शर्ट एवं नीला रंग का पेंट पहना है, बायें हाथ में मोबाईल नं. 8235913658 लिखा हुआ है, जिस किसी भी सज्जन को मिलें अथवा दिखे कृपया सूचित करें, मिलने पर बताने वाले को उचित ईनाम दिया जायेगा।

पता-सूरज कुमार सिंह, गुलाबनगर, मोपका, मो. 8349600440, 9131620270

**अफसरों को नोटिस किया जारी**

# 'झूठा हलफनामा' एमपी पुलिस को सुप्रीम फटकार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले को लेकर मध्य प्रदेश पुलिस को कड़ी फटकार लगाई है। राज्य पुलिस ने एक जमानत याचिका का विरोध करते हुए झूठा हलफनामा पेश किया और एक आरोपी पर कई आपराधिक मामले दर्ज होने का आरोप लगाया, जबकि वह उनमें शामिल ही नहीं था। रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस संदीप मेहता की खंडपीठ ने कहा कि राज्य के पहले हलफनामे में दावा किया गया था कि याचिकाकर्ता के 'आठ अन्य आपराधिक रिकॉर्ड' हैं। हालांकि, याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि इनमें से चार मामलों में, जिनमें से एक आईपीसी की धारा 376 के तहत दर्ज है, याचिकाकर्ता आरोपी भी नहीं था। जब यह मामला उठा तो राज्य ने अपनी गलती को स्वीकार किया। इसके पीछे राज्य ने तर्क दिया यह गड़बड़ी इसलिए हुई क्योंकि याचिकाकर्ता और उसके पिता के नाम एक जैसे थे और जानकारी 'कम्प्यूटर द्वारा उत्पन्न' की गई थी।

### स्पष्टीकरण को किया खारिज

पीठ ने स्पष्टीकरण को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि हम प्राधिकरण की ओर से लिए गए इस तरह के रुख को सिरे से खारिज करते हैं। इसे जमानत के लिए उपयुक्त मामला पाते हुए कोर्ट ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता अनवर हुसैन को ट्रायल कोर्ट द्वारा लगाई जाने वाली शर्तों के अधीन जमानत पर रिहा किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने अपने समक्ष दिए गए झूठे बयानों को गंभीरता से लेते हुए, विशेष रूप से एक नागरिक की स्वतंत्रता को प्रभावित करने वाले मामले में, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (प्रभारी अधिकारी) दिशेष अग्रवाल और संबंधित पुलिस थाने के अधिकारी इंद्रमणि पटेल को कारण बताओ नोटिस जारी किया।

**डॉक्टर्स सजेशन**

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

## जब बॉर्डर लाइन पर हो शुगर लेवल

**मेरी उम्र 52 वर्ष है। मेरा ब्लड शुगर लेवल बॉर्डर पर रहता है। मैं अपनी डाइट और लाइफस्टाइल कैसी रखूं, जिससे भविष्य में भी डायबिटीज से बचा रहूं?**

**-नामदेव, डोंगरगढ़**

इसके लिए आपके खान-पान में बदलाव सबसे ज्यादा जरूरी है। खाने में मीठा लेना बिल्कुल बंद कर दें। साथ ही चावल, आलू और मैदा की चीजें खाने से बिल्कुल बचें। तली-भुनी चीज भी कम से कम खाएं। सुबह-शाम नियमित रूप में आधे घंटे एक्सरसाइज करें। एक्सरसाइज ऐसी हो, जिससे आपको पसीना निकले। इस तरह बदलाव करके आपको राहत मिल सकती है।

**मेरी उम्र 44 वर्ष है। मैं दो वर्षों से बीपी की दवा ले रहा हूं। लेकिन फिर भी बीपी 90/140 रहता है। क्या यह नॉर्मल है? मुझे क्या करना चाहिए?**

**-विनीत, कुरुक्षेत्र**

वैसे इस बीपी रेंज को आजकल की लाइफस्टाइल में नॉर्मल बोला जाता है, लेकिन यह और कम हो तो ज्यादा बेहतर है। इसके लिए आप खाने में नमक की मात्रा कम करें। साथ ही ऊपर से नमक वाली चीजें जैसे अचार, चटनी, पापड़ खाने से परहेज करें। अधिक तला-भुना और बाहर की डिशेज भी खाना कम कर दें। इस तरह बदलाव से आपको और थोड़ी राहत मिल सकती है।

**मेरी उम्र 66 वर्ष है। मुझे दो-तीन महीने से दिन में किसी समय भूख नहीं लगती है। खाना ना खाने से कमजोरी महसूस होने लगी है, प्लीज बताएं मुझे क्या करना चाहिए?**

**-ओंकार, भोपाल**

भूख क्यों नहीं लगती, आप इस बात पर गौर करें। क्या आपका डाइजेशन सिस्टम ठीक नहीं है? अगर ऐसा है तो आपको पहले अपना डाइजेशन सिस्टम ठीक करना होगा। इसके लिए खाने में हल्की चीजों के साथ में दही और सलाद लेना होगा। अगर ऐसा नहीं है और भूख कम लगने के साथ सुस्ती भी महसूस होती है तो एक बार आपको डॉक्टर से संपर्क कर जांच करवा लेनी चाहिए।

**मेरी उम्र 39 वर्ष है। पिछले कुछ दिनों से मेरे पेट के निचले हिस्से में हल्का दर्द होता रहता है। खाने के बाद बढ़ जाता है। प्लीज बताएं ऐसा क्यों हो रहा है?**

**-चंदन, बिलासपुर**

आपको किसी डॉक्टर से संपर्क कर पेट का अल्ट्रासाउंड कराना चाहिए, जिससे पता चलेगा कि कारण क्या है? आप बता रहे हैं कि खाने के बाद दर्द निचले हिस्से में होता है। हालांकि कई बार संक्रमण की वजह से भी ऐसा होता है। लेकिन बगैर जांच किए कुछ भी कहना ठीक नहीं है। फिलहाल अधिक ऑयली खाना बिल्कुल बंद कर दें।

**मेरी उम्र 28 वर्ष है। मेरा वजन 90 किलो है। कृपया अपना वेट नॉर्मल करने का कोई कारगर उपाय बताएं।**

**-राजवीर, जबलपुर**

आपका वजन बहुत ज्यादा है। आपको एक बार अपनी बीएमआई यानी बॉडी मास इंडेक्स चेक करा लेना चाहिए। इसके साथ ही खाने-पीने में आपको ध्यान देना चाहिए। अधिक तला-भुना खाना और चावल, आलू, मैदा की चीजों के सेवन से बिल्कुल बचें। रात में हल्का खाना खाएं। कोशिश करें कि गेहूं के आटे की रोटी कम खाएं। इसकी जगह मिलेट्स का आटा खाएं। वह फायदेमंद रहेगा। खाने में फल और सलाद भी शामिल जरूर करें। *

**प्रस्तुतिः रिचा पांडे**

**पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल**
sehatharibhoomi@gmail.com **पर ई-मेल कर सकते हैं।**

**डॉक्टर्स एडवाइस**

डॉ. अशोक कुमार वैद
चेयरमैन-मेदांता कैंसर इंस्टीट्यूट
मेदांता-दि मेडिसिटी, गुरुग्राम

- *दुनिया भर में होने वाली मौतों में हृदय रोग के बाद, कैंसर दूसरा सबसे बड़ा कारण है।*
- *भारत में हर साल करीब 14 लाख नए कैंसर के मामले सामने आते हैं और लगभग 7.5 लाख लोगों की मृत्यु कैंसर से होती है।*
- *देश में लगभग 80% मरीजों का इलाज तब शुरू होता है, जब रोग तीसरे या चौथे चरण में पहुंच चुका होता है।*

कुछ समय पहले तक कैंसर को लाइलाज बीमारी माना जाता था। लेकिन अब ऐसा नहीं है। समय रहते अगर इसका पता चल जाए तो नई मेडिकल तकनीकों के जरिए पूरी तरह इसका ट्रीटमेंट संभव है। लेकिन इसके लिए अवेयर रहना बहुत जरूरी है। कैंसर अवेयरनेस मंथ (नवंबर) के अवसर पर कैंसर के कारण, उसके लक्षणों, उपचार और बचाव के बारे में यहां एक्सपर्ट डॉक्टर विस्तार से बता रहे हैं।

# बरतें सावधानी-रहें जागरूक संभव है कैंसर से बचाव-उपचार

अब वे दिन नहीं रहे, जब कैंसर को मौत की पूर्व चेतावनी माना जाता था। ऐसा इसलिए, क्योंकि पिछले दो दशकों में कैंसर की जांचों और इसके इलाज के क्षेत्र में जो अभूतपूर्व बदलाव हुए हैं, उनके कारण इससे छुटकारा पाने और पुनः स्वस्थ होने की संभावनाएं अतीत की तुलना में अब काफी हद तक बढ़ गई हैं। लेकिन ऐसा तभी हो सकता है, जब लोग इसको लेकर अवेयर रहें।

### क्यों होता है कैंसर

अमेरिकन कैंसर सोसायटी के अनुसार, कैंसर तब होता है जब शरीर की कोशिकाओं के डीएनए में बदलाव आ जाता है। यह बदलाव कोशिकाओं की सामान्य वृद्धि रोक देता है और वे अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं, जिससे ट्यूमर बनता है। धीरे-धीरे यह ट्यूमर आस-पास के ऊतकों या दूसरे अंगों में फैल सकता है।

### लक्षणों पर ध्यान दें

कैंसर के शुरुआती लक्षण इस प्रकार के हो सकते हैं-

- किसी मामूली से घाव या जख्म का लंबे समय तक न भरना।
- बिना किसी बीमारी या वजह के लगातार वजन घटना (6 महीनों में 10% से अधिक)।
- शरीर में किसी भी स्थान पर कोई कठोर या बढ़ती हुई गांठ महसूस होना।
- बिना कारण बार-बार बुखार या खून की कमी (एनीमिया) होना।
- मल या पेशाब में अकसर खून आना।
- लगातार थकान, भूख कम लगना या पेट में भारीपन।
- तिल या मस्से का आकार या रंग बदलना।

इनमें से कोई भी एक या अधिक लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श करें।

### जीवनशैली का कैंसर से संबंध

वैज्ञानिकों के अनुसार, सिर्फ 5-10% कैंसर ही आनुवंशिक कारणों से होते हैं। लगभग 30–50% कैंसर को रोका जा सकता है, अगर हम अपनी जीवनशैली की आदतों को सुधारें।

**जंक फूड्सः** अपने खान-पान में संतुलित आहार जैसे साबुत अनाज, दाल, दूध, हरी सब्जियों और मौसमी फलों आदि के स्थान पर जंक फूड्स और पैकेज्ड फूड को लंबे समय तक वरीयता देना कालांतर में पेट के किसी भाग में या फिर बड़ी आंतों (कोलन) के कैंसर के खतरे को बढ़ा देता है।

**धूम्रपानः** धूम्रपान से शरीर में ऐसे तमाम केमिकल्स, फेफड़ों में जाते हैं, जो कालांतर में जींस में गड़बड़ी उत्पन्न कर सकते हैं और यह स्थिति एक अर्से बाद कैंसर का जोखिम बढ़ा देती है। फेफड़ों के कैंसर का एक प्रमुख कारण धूम्रपान है।

**तंबाकू चबानाः** किसी भी रूप में तंबाकू उत्पादों का सेवन मुंह, गाल, जीभ के अलावा गले के कैंसर के जोखिम को बढ़ा देता है।

**शारीरिक श्रम-व्यायाम न करनाः** जो लोग अपनी दिनचर्या में शारीरिक श्रम और व्यायाम को नियमित रूप से शामिल नहीं करते, वे कालांतर में मोटापे से ग्रस्त हो जाते हैं। मोटापा कालांतर में कैंसर का एक प्रमुख कारण बन सकता है, क्योंकि यह शरीर की जेनेटिक संरचना और शरीर के कुछ अंगों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। सिटिंग जॉब या बैठकर काफी समय तक काम करना जैसे कंप्यूटर, लैपटॉप, स्मार्टफोन पर काफी वक्त बिताना आदि स्थितियां कालांतर में मोटापे का कारण बनती है। स्तन, गर्भाशय और बड़ी आंत के कैंसर का एक कारण मोटापा हो सकता है।

**वायु प्रदूषणः** इससे फेफड़ों के कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं। देश के अनेक महानगरों और छोटे नगरों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एयर क्वालिटी इंडेक्स) दिनोंदिन खराब होता जा रहा है जिस सूचकांक को 100 के अंदर होना चाहिए वह 300 के पार जा रहा है। यह लोगों के फेफड़ों पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है। यह स्थिति कालांतर में फेफड़ों के कैंसर के खतरे को बढ़ा देती है।

**शराब का सेवनः** अकसर शराब का सेवन करना, एक वक्त के बाद कैंसर के जोखिम को बढ़ा देता है।

### कैंसर ट्रीटमेंट के तरीके

पिछले दो दशकों में कैंसर के इलाज में जबरदस्त प्रगति हुई है। अब कई प्रकार के कैंसर शुरुआती चरण में पूरी तरह ठीक हो सकते हैं।

**सर्जरीः** ट्यूमर को निकालने के लिए इसे यूज करते हैं।

**कीमोथेरेपीः** नई दवाओं से अब इसके साइड इफेक्ट कम हुए हैं।

**रेडिएशन थेरपीः** अब गामा नाइफ और साइबर नाइफ जैसी आधुनिक तकनीकें मौजूद हैं।

**टारगेटेड थेरपीः** केवल कैंसर कोशिकाओं को निशाना बनाकर नष्ट किया जाता है, स्वस्थ कोशिकाएं सुरक्षित रहती हैं।

**इम्यूनोथेरेपीः** शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर कैंसर कोशिकाओं से लड़ने में मदद करती है। अगर पहले या दूसरे चरण में कैंसर का पता चल जाए, तो इन विधियों से लगभग 80% मामलों में सफल इलाज संभव है।

### इन बातों पर दें ध्यान

- ब्रेस्ट कैंसर की रोकथाम के लिए ब्रेस्ट सेल्फ एग्जामिनेशन स्क्रीनिंग और मैमोग्राफी 40 साल की उम्र के बाद साल में एक बार हर महिला को जरूर करवानी चाहिए।
- मुंह के कैंसर की जांच साल में एक बार डॉक्टर से परामर्श लेकर वे लोग अवश्य करवाएं, जो किसी भी रूप में तंबाकू का सेवन या धूम्रपान करते हैं।
- प्रोस्टेट कैंसर (जो पुरुषों में होता है) की जांच के लिए पीएसए नामक ब्लड टेस्ट कराया जाता है। आमतौर पर 65 वर्ष के ऊपर के व्यक्तियों को इस टेस्ट को डॉक्टर के परामर्श से कुछ अंतराल पर कराते रहना चाहिए।
- शरीर में किसी भी स्थान पर और खासतौर पर महिलाओं के ब्रेस्ट्स में गांठ या अन्य प्रकार की असामान्यता महसूस होने पर शीघ्र अपने डॉक्टर से परामर्श लें। इसमें देर करना ट्रीटमेंट के प्रोसेस को बढ़ा सकता है। *

**प्रस्तुतिः विवेक शुक्ला**

### कैंसर से जुड़ी गलतफहमियां

कैंसर के बारे में कई मिथ्स प्रचलित हैं। इनकी सच्चाई जानना सभी के लिए जरूरी है।

**मिथकः** कैंसर छूने से फैलता है।
**फैक्टः** कैंसर कोई संक्रामक रोग नहीं है। यह एक व्यक्ति से दूसरे में नहीं फैलता।

**मिथकः** सर्जरी से कैंसर फैल जाता है।
**फैक्टः** वैज्ञानिक रूप से यह बिल्कुल गलत है। सर्जरी करवाने से कैंसर नहीं फैलता।

**मिथकः** बच्चों को कैंसर नहीं होता है।
**फैक्टः** दुर्लभ होते हुए भी बच्चों में भी कैंसर हो सकता है, प्रायः आनुवंशिक कारणों से।

**निष्कर्षः** कैंसर अब लाइलाज नहीं रहा। समय पर जांच, सही इलाज और स्वस्थ जीवनशैली से इसे हराया जा सकता है।

बचाव के लिए धूम्रपान छोड़ें, नियमित व्यायाम करें, संतुलित आहार लें और स्वास्थ्य जांच को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है।

**अवेयरनेस**

## स्पेशलः वर्ल्ड इम्यूनाइजेशन डे, 10 नवंबर

जिस तरह बचपन में कई बीमारियों से बचाव के लिए वैक्सीनेशन किया जाता है, उसी तरह मिड एज के बाद और ओल्ड एज के लोगों को भी कुछ बीमारियों से बचने के लिए वैक्सीनेशन जरूर करवाना चाहिए। इस बारे में यूजफुल सजेशंस।

# बच्चों-बड़ों दोनों के लिए जरूरी है इम्यूनाइजेशन

हर साल 10 नवंबर को विश्व टीकाकरण दिवस (वर्ल्ड इम्यूनाइजेशन डे) मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य लोगों को टीकाकरण के महत्व के बारे में जागरूक करना है, ताकि हर व्यक्ति संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित रह सके। आमतौर पर लोग समझते हैं कि टीके सिर्फ बच्चों के लिए जरूरी होते हैं, लेकिन चिकित्सा विशेषज्ञ मानते हैं कि बड़ों और बुजुर्गों को भी कुछ आवश्यक टीके लगवाने चाहिए, जिससे कई गंभीर बीमारियों से बचाव हो सके।

बच्चों को जीवन के शुरूआती वर्षों में जरूरी टीके लगवाना जितना अहम है, उतना ही जरूरी है कि वयस्क और बुजुर्ग भी समय-समय पर अपने टीकाकरण की जांच कराएं। 40 वर्ष की उम्र के बाद शरीर की प्रतिरक्षा क्षमता धीरे-धीरे कमजोर होती जाती है, ऐसे में फ्लू, निमोनिया, टिटनेस, हेपेटाइटिस और शिंगल्स जैसी बीमारियों से बचाव के लिए टीके बहुत फायदेमंद होते हैं।

डॉक्टर्स के अनुसार, बड़ी उम्र के लोगों को कुछ टीके अवश्य लगवाने चाहिए।

### इंफ्लूएंजा (फ्लू) वैक्सीन

इंफ्लूएंजा या फ्लू एक संक्रामक श्वसन रोग है, जो इसके वायरस से होता है। यह वायरस हर साल अपने रूप बदलता रहता है, इसलिए फ्लू वैक्सीन हर साल एक बार लगवाना जरूरी होता है। यह वैक्सीन शरीर में ऐसे एंटीबॉडी बनाती है, जो इस वायरस से बचाव करते हैं। खासतौर पर बुजुर्गों, गर्भवती

महिलाओं, बच्चों, डायबिटीज, हृदय या फेफड़ों के रोगियों के लिए यह टीका बहुत फायदेमंद होता है, क्योंकि इनकी प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। फ्लू वैक्सीन से संक्रमण की संभावना लगभग 40-60 प्रतिशत तक कम हो जाती है और इससे गंभीर जटिलताओं जैसे निमोनिया का खतरा भी घटता है।

### टिटनेस, डिप्थीरिया, परट्यूसिस (टीडीएपी)

टीडीएपी वैक्सीन एक ऐसा टीका है, जो शरीर को तीन खतरनाक बीमारियों से बचाता है- टिटनेस, डिप्थीरिया और परट्यूसिस (काली खांसी)। इसे हर 10 साल में एक बार लगवाना चाहिए ताकि शरीर की सुरक्षा बनी रहे। टिटनेस अकसर जंग लगे लोहे या गंदी चोट से होने वाला संक्रमण है, जो मांसपेशियों को अकड़ा देता है। डिप्थीरिया गले में झिल्ली बनाकर सांस लेने में परेशानी पैदा कर सकता है, जबकि काली खांसी से कई हफ्तों तक तेज खांसी आती रहती है और फेफड़ों पर असर पड़ता है। यह वैक्सीन सिर्फ बच्चों के लिए नहीं, बल्कि हर वयस्क के लिए जरूरी है। कई लोग सोचते हैं कि टिटनेस का टीका केवल चोट लगने पर लगता है, जबकि सही यह है कि हर 10 साल में टीडीएपी लगवाने से शरीर इन तीनों बीमारियों से लंबे समय तक सुरक्षित रहता है।

### हेपेटाइटिस-बी वैक्सीन

हेपेटाइटिस-बी एक खतरनाक वायरस जनित बीमारी है, जो हमारे लीवर (यकृत) को नुकसान पहुंचाती है। यह वायरस संक्रमित खून, सुई या असुरक्षित यौन संपर्क के जरिए फैलता है। शुरुआत में इसके लक्षण बहुत हल्के होते हैं, लेकिन समय के साथ यह लीवर इंफेक्शन, सिरोसिस या लीवर कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। हेपेटाइटिस-बी वैक्सीन इस संक्रमण से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। इसे आमतौर पर तीन डोज में दिया जाता है। डायबिटीज मरीज और कमजोर इम्यूनिटी वाले बुजुर्ग लोगों को, हेपेटाइटिस-बी वैक्सीन जरूर लगवानी चाहिए। यह सुरक्षित है और लंबे समय तक लीवर को संक्रमण से बचाती है।

### निमोनिया वैक्सीन

निमोनिया, फेफड़ों का गंभीर संक्रमण है, जो न्यूमोकॉकस नामक बैक्टीरिया के कारण होता है। यह संक्रमण फेफड़ों में सूजन, तेज बुखार, सांस लेने में कठिनाई और सीने में दर्द पैदा करता है। खासतौर पर 50 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों, कमजोर इम्यूनिटी, डायबिटीज, हृदय रोग या फेफड़ों की बीमारी (जैसे अस्थमा या सीओपीडी) वाले लोगों में इसका खतरा ज्यादा होता है। निमोनिया वैक्सीन शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाकर इस संक्रमण से सुरक्षा देती है। डॉक्टर आमतौर पर दो प्रकार की वैक्सीन की सलाह देते हैं पीसीवी और पीपीएसवी, जिन्हें उम्र और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार लगाया जाता है।

### शिंगल्स वैक्सीन

शिंगल्स (हरपेस जोस्टर) एक दर्दनाक त्वचा रोग है, जो वेरिसेला-जोस्टर वायरस के कारण होता है। यही वायरस बचपन में होने वाली चेचक (चिकनपॉक्स) का भी कारण होता है। चेचक के ठीक होने के बाद यह वायरस शरीर में लंबे समय तक छिपा रहता है और उम्र बढ़ने या इम्यूनिटी कमजोर होने पर दोबारा सक्रिय होकर शिंगल्स का कारण बनता है। इस बीमारी में शरीर या चेहरे के किसी हिस्से पर दाने, जलन और तेज दर्द होता है, जो कई हफ्तों तक परेशान कर सकता है। शिंगल्स वैक्सीन खासकर 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों के लिए बहुत फायदेमंद है। यह शरीर में वायरस की पुनः सक्रियता को रोकने में मदद करती है और अगर संक्रमण हो भी जाए, तो लक्षण हल्के रहते हैं। एक बार लगने वाला यह टीका लंबे समय तक सुरक्षा देता है और बुजुर्गों को दर्द और असुविधा से बचाता है। इस विश्व टीकाकरण दिवस पर संकल्प लें कि टीका केवल बच्चों के लिए नहीं, सबके लिए उपयोगी है। इसलिए बच्चों समेत सभी को वैक्सीनेशन कराना जरूरी है। *

**(अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-इंटरनल मेडिसिन डॉ. अली शेर से बातचीत पर आधारित)**

### एसबीआई ने अपनी 'द ग्रेट ग्लोबल गोल्ड रश' रिपोर्ट में कहा

# भारत के लिए यही एक व्यापक स्वर्ण नीति अपनाने का समय : एसबीआई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सोने की कीमतों के नई ऊंचाइयों पर पहुंचने के बीच इसके लिए एक व्यापक नीति की आवश्यकता है क्योंकि भारत दुनिया के सबसे बड़े सर्राफा बाजारों में से एक है जो इस पीली धातु के प्रति सांस्कृतिक लगाव व निवेश मांग से प्रभावित है। बुधवार को जारी एक अध्ययन में यह बात कही गई।

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के आर्थिक अनुसंधान विभाग द्वारा जारी 'कमिंग ऑफ (ए टर्बुलेंट) एजः द ग्रेट ग्लोबल गोल्ड रश' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक तनाव, आर्थिक अनिश्चितता और कमजोर अमेरिकी डॉलर के कारण सोने की कीमत नई ऊंचाइयों पर पहुंच रही है। वर्ष 2025 में अब तक की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।



## वर्ष 2025 में अब तक की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई

### भारत की उपभोक्ता मांग 802.8 टन

भारत में सोने की कुल उपभोक्ता मांग 2024 में बढ़कर 802.8 टन हो गई जो वैश्विक स्वर्ण मांग का 26 प्रतिशत है। इससे भारत, चीन के बाद दूसरे स्थान पर आ गया। चीन की उपभोक्ता मांग 815.4 टन थी। एसबीआई अध्ययन में कहा गया कि चीन की सोने पर एक राष्ट्रीय नीति है, जिसका एक विशिष्ट उद्देश्य है।

***भारत के स्वर्ण भंडार में 27 अरब डॉलर की वृद्धि :*** *भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वित्त वर्ष 2025-26 (10 अक्टूबर तक) में अपने भंडार का 15.2 प्रतिशत सोना रखा जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 13.8 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2023-24 में 9.1 प्रतिशत था। आरक्षित निधि में परिवर्तन के संदर्भ में, आरबीआई के स्वर्ण भंडार में वित्त वर्ष 2024-25 में 25 अरब अमेरिकी डॉलर और वित्त वर्ष 2026 में 10 अक्टूबर 2025 तक 27 अरब अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई है जिसका मुख्य कारण मूल्यांकन में वृद्धि है।*

### भारत में घरेलू आपूर्ति मात्र एक फीसदी

अक्टूबर में कुछ दिन के लिए कीमतें 4,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस से नीचे आ गईं लेकिन नवंबर में फिर से 4,000 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस से पार चली गईं। रिपोर्ट कहती है कि सोने की घरेलू आपूर्ति भारत में कुल सोने की आपूर्ति का केवल एक अंश है।

***कुल आपूर्ति में आयात का योगदान 86 प्रतिशत***
*विश्व स्वर्ण परिषद के अनुमान के अनुसार, 2024 में कुल आपूर्ति में आयात का योगदान लगभग 86 प्रतिशत होगा। इसमें कहा गया कि भारत सबसे बड़े स्वर्ण बाजारों में से एक है जो सोने के प्रति सांस्कृतिक आकर्षण, निवेश की मांग और मुद्रास्फीति से बचाव तथा सुरक्षित निवेश सहित अन्य आर्थिक कारकों से प्रभावित है।*

***अमेरिका व जर्मनी भंडार में 77 फीसदी से अधिक सोना :*** *यह कई आर्थिक एवं भू-राजनीतिक प्राथमिकताओं को एक साथ संबोधित करने के लिए एक समन्वित दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है। रिपोर्ट में कहा गया कि अमेरिका और जर्मनी जैसे देश अपने कुल भंडार का 77 प्रतिशत से अधिक सोने के रूप में रखते हैं।*

## सन फार्मा के मुनाफे में तीन फीसदी का इजाफा

**नई दिल्ली।** दवा कंपनी सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 2.56 प्रतिशत बढ़कर 3,118 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को यह जानकारी दी। दवा कंपनी ने वित्त वर्ष 2024-25 की जुलाई-सितंबर तिमाही में 3,040 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। सन फार्मा ने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 14,405 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 13,264 करोड़ रुपये थी।

## टीमलीज़ सर्विसेज का मुनाफा 12 फीसदी बढ़ा

**मुंबई।** स्टाफिंग कंपनी टीमलीज़ सर्विसेज का सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही के दौरान एकीकृत शुद्ध मुनाफा एक साल पहले की तुलना में 12 प्रतिशत बढ़कर 27.52 करोड़ रुपये हो गया। टीमलीज़ सर्विसेज़ ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में कंपनी का शुद्ध मुनाफा 24.58 करोड़ रुपये था।

# जीएसटी में समाहित करों से राज्यों का राजस्व घटा: रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जीएसटी में समाहित करों से ज्यादातर मामले में राज्यों को प्राप्त कुल राजस्व कम हुआ है, जबकि कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में जीएसटी-पूर्व व्यवस्था की तुलना में उनके कर-जीएसडीपी अनुपात में सुधार देखा गया है।

एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च की रिपोर्ट के अनुसार, जीएसटी लागू होने के बाद से, इसमें शामिल करों से राज्यों का कुल राजस्व 2023-24 में घटकर सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 5.5 प्रतिशत रहा। जबकि 2015-16 (जीएसटी-पूर्व व्यवस्था में) में यह जीडीपी का 6.5 प्रतिशत था। कर सुधार के रूप में 2017 में लागू माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में केंद्र और राज्य स्तर पर कई कर और शुल्क समाहित हुए। इनमें मूल्य वर्धित कर (वैट), केंद्रीय बिक्री कर, उत्पाद शुल्क और प्रवेश कर शामिल हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी के सात वर्षों में जीडीपी के प्रतिशत के रूप में औसत एसजीएसटी (2.6 प्रतिशत)



■ कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में अनुपात में सुधार देखा गया

जीएसटी से पहले के चार पूर्ण वर्षों में सम्मिलित औसत करों से कम रहा है। राज्यों को पहले पांच वर्षों के दौरान एसजीएसटी राजस्व में 14 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि की गारंटी दी गई थी। जिन राज्यों के राजस्व में यह वृद्धि नहीं हो पाई, उन्हें जून, 2022 तक जीएसटी क्षतिपूर्ति उपकर से प्राप्त राजस्व के माध्यम से क्षतिपूर्ति प्रदान की गई। वित्त वर्ष 2015-16 से पहले के चार वर्षों में, राज्यों को उन करों से सकल घरेलू उत्पाद का औसतन 2.8 प्रतिशत प्राप्त हुआ, जिन्हें बाद में जीएसटी में समाहित कर दिया गया। जीएसटी के पहले पूर्ण वर्ष में राजस्व घटकर 2.7 प्रतिशत रह गया और कोविड-19 के वर्ष 2020-21 में और घटकर 2.3 प्रतिशत रह गया।

### छत्तीसगढ़, पंजाब, कर्नाटक के राजस्व में गिरावट

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि राज्यों के बीच महत्वपूर्ण भिन्नता है। मेघालय, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड और सिक्किम जैसे कुछ पूर्वोत्तर राज्यों में जीएसटी-पूर्व व्यवस्था की तुलना में उनके कर-जीएसडीपी अनुपात में सुधार देखा गया है। रिपोर्ट के अनुसार, इसकी तुलना में पंजाब, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, मध्य प्रदेश और ओडिशा जैसे अन्य राज्यों के जीएसडीपी के प्रतिशत के रूप में सम्मिलित करों से राजस्व में अपेक्षाकृत बड़ी गिरावट आई है।

## बीईएमएल का लाभ 5.8% घटकर 48.03 करोड़ रुपए

**नई दिल्ली।** सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी बीईएमएल का जुलाई-सितंबर तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 5.8 प्रतिशत घटकर 48.03 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी का एक साल पहले इसी तिमाही में मुनाफा 51.03 करोड़ रुपये रहा था। आय सालाना आधार पर 874.70 करोड़ रुपये से घटकर 846.13 करोड़ रुपये रह गई। बीईएमएल रक्षा, रेल और खनन जैसे प्रमुख क्षेत्रों को सेवाएं प्रदान करती है। यह तीन प्रमुख कार्यक्षेत्रों रक्षा एवं वैमानिकी, खनन एवं निर्माण और रेल एवं मेट्रो में कार्य करती है।

## पारादीप फॉस्फेट्स ने द्रविड़ को बनाया ब्रांड एम्बैसडर

**नई दिल्ली।** उर्वरक बनाने वाली कंपनी पारादीप फॉस्फेट्स लिमिटेड (पीपीएल) ने भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ को अपने ब्रांड एम्बैसडर के रूप में नियुक्त किया है। द्रविड़ का काम कंपनी के नैनो उर्वरक और ऑर्गेनिक (जैविक) उर्वरक उत्पादों को बढ़ावा देना होगा।



# मारुति ने बनाया नया रिकॉर्ड, बेच डाली तीन करोड़ गाड़ियां, सबसे ज्यादा बिकी ऑल्टो

*एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली*

मारुति सुजुकी ने भारत में 3 करोड़ कारों की बिक्री का एक बड़ा माइलस्टोन हासिल किया है, जो शायद किसी भी और कंपनी के लिए भारतीय बाजार में नामुमकिन है। पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट में किसी भी कंपनी द्वारा ऐसा पहला रिकॉर्ड बना है। कंपनी ने यह ऐतिहासिक उपलब्धि महज 42 वर्षों में हासिल की है। जिससे पता चलता है कि मारुति हर महीने क्यों सबसे ज्यादा कारें बेचती हैं और इसे ग्राहकों ने लंबे समय से क्यों नंबर 1 बना रखा है। मौजूदा समय में मारुति सुजुकी अपने एरिना और नेक्सा शोरूम पर 19 अलग-अलग मॉडल बेचती है, जिनमें कई तरह के इंजन और गियरबॉक्स ऑप्शन मौजूद हैं।

***मारुति कारों की बिक्री का इतिहास :*** *मारुति सुजुकी को पहली 1 करोड़ गाड़ियों की बिक्री तक पहुंचने में 28 साल और 2 महीने का समय लगा था।*



*इसके बाद अगली 1 करोड़ गाड़ियां बेचने में कंपनी को सिर्फ 7 साल और 5 महीने लगे। सबसे दिलचस्प आंकड़ा 2 से 3 करोड़ पहुंचने में है। मारुति सुजुकी ने बीते महज 6 साल और 4 महीने में एक करोड़ कारें बेच डालीं और कुल आंकड़ा अब 3 करोड़ कारों का हो गया है, जो कि डोमेस्टिक मार्केट में अपने आप में एक ऐसा रिकॉर्ड है, जिससे तोड़ना आसान नहीं है।*

***14 दिसंबर 1983 को मारुति ने पहली कार बेची थी :***
*मारुति की पहली गाड़ी मारुति 800 थी, जिसे 14 दिसंबर 1983 को पहले ग्राहक को सौंपी गई थी। इसी के साथ भारत में गाड़ियों के मामले में एक क्रांति की शुरुआत हुई थी। ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करती हैं। आज मारुति सुजुकी 19 अलग-अलग मॉडल्स में 170 से ज्यादा वेरिएंट्स बेचती है। जिससे ग्राहकों को चुनने के लिए बहुत सारे विकल्प मिलते हैं।*

***जरूरतों का रखा ध्यान :***
*उल्लेखनीय है कि मारुति सुजुकी की यह सफलता भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर के लिए एक माइलस्टोन है। कंपनी ने हमेशा से ही आम आदमी की जरूरतों को ध्यान में रखकर किफायती और भरोसेमंद गाड़ियां पेश की हैं। मौजूदा समय में कंपनी एसयूवी सेगमेंट में भी मजबूत स्थिति में है।*


**कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)**
**जोन क्र.04 नेहरु काम्पलेक्स व्यापार विहार**

**द्वितीय निविदा विज्ञप्ति**

नि.क्र.21/न.पा.नि./जोनकार्य-4/2025-26 बिलासपुर दिनांक 04/11/2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल निविदा दिनांक 20/11/2025 को सायं 4.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है :-

| क्र. | कार्य का विवरण | प्राक्कलन राशि (लाख में) |
|---|---|---|
| 01 | वार्ड क्र. 28 विनोबा नगर में आर.के गुप्ता के घर के पास बी.टी. रिनिवल कार्य। | 3.36 |

**शर्तें:–** निविदा से संबंधित अन्य जानकारी जोन क्र. 04 व्यापार विहार नेहरु काम्पलेक्स नगर पालिक निगम बिलासपुर से अथवा निगम की वेबसाईट www.bilaspurnagarnigam.com से प्राप्त की जा सकती है।

**कार्यपालन अभियंता**
जोन क्र.04, नेहरु काम्पलेक्स व्यापार विहार बिलासपुर (छ.ग.)

**पर्यावरण संरक्षण हेतु पॉलीथीन का उपयोग न करें।**



**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे**
**ई-निविदा सूचना**

**निविदा सूचना क्र. : सीनियर डी.ई.ई. (आर.एस.&जी.) बी.एस.पी./ओ.टी.पी./25-26-27 Dtd : 31.10.2025**
**कार्य का नाम :** विद्युत भाग का कार्यः करकेली, रूपौंद और बधवाबारा रेलवे स्टेशनों के प्लेटफॉर्म का अपग्रेडेशन/सुधार
**निविदा मूल्य :** रू. 1,15,24,000.2/- **अमानत राशि :** रु. 2,07,600/- **निविदा बंद होने की तिथि व समय :** दिनांक 27/11/2025, 15:00 बजे
विस्तृत जानकारी /निविदा दस्तावेज का विक्रय पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण निविदा दस्तावेज जो हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर / देख सकते है।

**वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (आर. एस. एवं सामान्य) द.पू.म.रे., बिलासपुर**
सीपीआर/10/AM/425
South East Central Railway @secrail



**दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे**
**प्रेस अधिसूचना**
**भारत सरकार**
**नागरिक उड्डयन मंत्रालय**
**रेल संरक्षा आयुक्त**

**श्री बी. के. मिश्रा**, रेल संरक्षा आयुक्त (नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधीन), **दक्षिण पूर्वी सर्किल, कोलकाता**, दिनांक **6 और 7 नवम्बर 2025 को प्रातः 09:00 बजे से सायं 17:30 बजे तक, भारतीय रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 113** के अंतर्गत एक **वैधानिक जांच** करेंगे। यह जांच दिनांक **04 नवम्बर 2025** को **बिलासपुर मंडल** के **गतौरा-बिलासपुर** खंड में हुई **गेवरारोड-बिलासपुर मेमू लोकल (68733)** की **मालगाड़ी (N/MDIT)** के साथ हुई **पीछे से टक्कर** से संबंधित है।

यह जांच **मंडल रेल प्रबंधक, बिलासपुर** के कार्यालय में प्रारंभ होगी और जांच पूरी होने तक जारी रहेगी।

इस दुर्घटना एवं इससे संबंधित तथ्यों के संबंध में जानकारी रखने वाला तथा साक्ष्य प्रस्तुत करने का इच्छुक कोई भी व्यक्ति उपर्युक्त तिथि एवं स्थान पर उपस्थित होकर साक्ष्य दे सकता है या निम्न पते पर लिखित रूप में सूचना भेज सकता है -

**रेल संरक्षा आयुक्त, दक्षिण पूर्व सर्किल, न्यू कोइलाघाट बिल्डिंग (12वाँ तल), 14, स्ट्रैंड रोड, कोलकाता - 700001.**
ईमेल: crssec@er.railnet.gov.in

**जारी कर्ता**
**(मंडल रेल प्रबंधक) बिलासपुर मंडल**


## एवरेडी इंडस्ट्रीज को 7.9 करोड़ रुपए का घाटा

**नई दिल्ली।** बैटरी और फ्लैशलाइट बनाने वाली कंपनी एवरेडी इंडस्ट्रीज इंडिया को चालू वित्त वर्ष की सितंबर तिमाही में एकीकृत आधार पर 7.91 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज हुआ है। यह घाटा कर्मचारियों को अनुग्रह राशि के भुगतान और मध्यस्थता कार्यवाही के निपटान के रूप में असाधारण खर्चों के कारण हुआ। बर्मन परिवार द्वारा प्रवर्तित फर्म की एक नियामकीय सूचना के अनुसार, कंपनी ने एक साल पहले जुलाई-सितंबर की अवधि में 29.56 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था।


**HDFC BANK**

**एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड**
शाखाः अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर, फोन : 0771-4243149/240
CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

**मांग–सूचना**

वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (अधिनियम) की धारा 13 (2) के तहत, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ें। जबकि अधोहस्ताक्षरी प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का माननीय एनसीएलटी–मुंबई द्वारा दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश द्वारा अनुमोदित समामेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) का प्राधिकृत अधिकारी है। वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 13 (2) के तहत मांग नोटिस जारी किए गए। , यहां नीचे सूचीबद्ध उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों से संबंधित नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिनों के भीतर संबंधित मांग नोटिस/नोटिस में उल्लिखित राशि का भुगतान करने का आह्वान किया गया है। नीचे दिए गए विवरण के अनुसार. अधोहस्ताक्षरी ने इन नोटिसों को उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों के अंतिम ज्ञात संबंधित पते के परिसर में चिपकाया है। उक्त नोटिस की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध हैं, और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि, यदि चाहें तो, किसी भी कार्य दिवस पर संबंधित प्रति अधोहस्ताक्षरी से प्राप्त कर सकते हैं। सामान्य कार्यालय समय.

उपरोक्त के संबंध में, एक बार फिर उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों को नोटिस दिया जाता है कि वे इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर एचडीएफसी को भुगतान करें। यहां नीचे दी गई राशियां उनके संबंधित नामों में अतिरिक्त ब्याज के साथ दी गई हैं। जैसा कि उक्त डिमांड नोटिस में बताया गया है, नीचे कॉलम (सी) में उल्लिखित संबंधित तारीखों से लेकर भुगतान और/या वसूली की तारीख तक, ऋण समझौते और उक्त उधारकर्ता द्वारा निष्पादित अन्य दस्तावेजों/लेखों, यदि कोई हो, के साथ पढ़ा जाए। . ऋण के उचित पुनर्भुगतान के लिए सुरक्षा के रूप में, निम्नलिखित सुरक्षित संपत्ति को क्रमशः उक्त उधारकर्ता द्वारा एचडीएफसी के पास गिरवी रखा गया है।

सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

| क्रं. | ऋणी/जमानतदार का नाम एवं पता | बकाया राशि | मांग सूचना तिथि | बंधक संपत्ति का विवरण |
|---|---|---|---|---|
| (अ) | (ब) | (स) | (द) | (इ) |
| 1. | **श्रीमती सोनी आरती** फ्लैट–नं.–सी–503, मंजिल–5वीं, ऋषभ ओनिक्स ब्लॉक सी, ऋषभ ग्रीन सिटी, स.क्र., ख.नं. 148/5-24-9-10, 210/1-2-3,211(भाग), प.ह.नं.18, ग्राम फुलगांव, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 491001.<br>**श्रीमती सोनी आरती** मै. अदिति कंस्ट्रक्शन, एनआर. हनुमान मंदिर, गंज पारा, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 491001.<br>**श्री सोनी दिनेश** पुत्र स्व. चिरंजीलाल जी सोनी, फ्लैट–नं.–सी–503, मंजिल–5वीं, ऋषभ ओनिक्स ब्लॉक सी, ऋषभ ग्रीन सिटी, स.क्र., ख.नं. 148/5-24-9-10, 210/1-2-3,211(भाग), प.ह.नं.18, ग्राम फुलगांव, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 491001.<br>**श्री सोनी दिनेश** मै. प्रथम कंस्ट्रक्शन, एनआर. हनुमान मंदिर, गंज पारा, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 491001. | ₹ 28,55,120/- as on 30-सितंबर-25 | 25 अक्टूबर-2025 | समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली आवासीय फ्लैट संख्या सी–503, पांचवीं मंजिल, ऋषभ ग्रीन सिटी, ओनिक्स ब्लॉक सी, ख.नं..–148/5, 148/24, 210/1, 210/2, 210/3 भाग मौजा–फूलगांव, प.ह.नं.–18, वार्ड–54– आरआईसी–दुर्ग–1, तह. एवं जिला–दुर्ग छत्तीसगढ़. |
| 2. | **श्री पांडे छोटे लाल** प्लॉट नंबर 65, मकान प.ह. नंबर 20, पानी टंकी के पास, मौजा लिंगियाडीह, राजकिशोर नगर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ 495001.<br>**श्री पांडे छोटे लाल** शासकीय विद्यालय, शासकीय. हायर सेकेंडरी स्कूल, बिलासपुर, छ.ग. – 495001.<br>**श्रीमती पांडे विजय लक्ष्मी** प्लॉट नं. 65, मकान प.ह.नं. 20, पानी टंकी के पास, मौजा लिंगियाडीह, राजकिशोर नगर, बिलासपुर छत्तीसगढ़ 495001. | ₹ 7,37,845/- as on 30-सितंबर-25 | 25 अक्टूबर-2025 | समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली पट्टा एवं पार्सल, प्लॉट नं. 65, मकान प.ह.नं.20, मौजा लिंगियाडीह,प.ह.नं.–20, राजकिशोर नगर, आरआईसी–बिलासपुर, तह. एवं जिला–बिलासपुर छत्तीसगढ़। |
| 3. | **श्री सरवैया धर्मेश कुमार** एलआईजी–287, पं.दीन दयाल आवास योजना, खसरा नं. 247, 248, 250 एवं 258, प.ह.नं. 79/12, ग्राम धनसुली, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, आर.एन. मंडल मंदिर हसुद, रायपुर छत्तीसगढ़ 493441.<br>**श्री सरवैया धर्मेश कुमार** कशिश ब्यूटी पार्लर के पास, अरिहंत हॉस्पिटल के पास, प्र.सं. पी–5, बालाजी हॉस्पिटल रोड, दुबे कॉलोनी मोवा, बालाजी हॉस्पिटल रोड, रायपुर छत्तीसगढ़, 492014.<br>**श्री सरवैया धर्मेश कुमार** कार्यालय कमांडेंट टी.एन. स्पेशल पुलिस बटालियन, तीसरी बटालियन कैफे महादेव घाट, रायपुर छत्तीसगढ़ 492013.<br>**श्रीमती सरवैया रचना** कशिश ब्यूटी पार्लर के पास, अरिहंत हॉस्पिटल के पास, पी 5, वार्ड नंबर 27, पंढरी बालाजी हॉस्पिटल रोड, मोवा सड्डू, बालाजी हॉस्पिटल रोड, रायपुर–छत्तीसगढ़, 492014.<br>**श्रीमती सरवैया रचना** एलआईजी–287, पं. दीनदयाल आवास योजना, ख.नं. 247, 248, 250 एवं 258, प.ह.नं. 79/12, ग्राम. धनसुली, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, आरएन. मंडल मंदिर हसौद, रायपुर छत्तीसगढ़ 493441. | ₹ 8,54,871/- as on 30-सितंबर-25 | 25 अक्टूबर-2025 | समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली मकान, एलआईजी–287, पं. दीन दयाल आवास योजना, खसरा नं. 247, 248, 250 एवं 258 प.ह.नं. 79/12, ग्राम धनसुली हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी आर.एन. मंडल मंदिर हसौद,तह.–आरंग, जिला–रायपुर, छत्तीसगढ़। |
| 4. | **श्री सेन फिंगेश प्रसाद** फ्लैट–नं.–एलआईजी–310-ब्लॉक–बी, मंजिल–3, स.क्र., ग्राम– रायपुरा, प.ह.नं. 104, इंद्रप्रस्थ आवास योजना, रायपुर छत्तीसगढ़ 492013.<br>**श्री सेन फिंगेश प्रसाद** पंकज गार्डन के पीछे, खोखोपारा, शिव मंदिर के पास, रायपुर छ.ग., 492001.<br>**श्री सेन फिंगेश प्रसाद** मीनाक्षी ब्यूटी एंड एकेडमी प्राइवेट लिमिटेड, फरिश्ता नर्सिंग होम के पास, कटोरा तालाब, रायपुर छत्तीसगढ़ 492001.<br>**श्रीमती सेन तरनी** पंकज गार्डन के पीछे, खोखोपारा, शिव मंदिर के पास, रायपुर छत्तीसगढ़, 492001.<br>**श्रीमती सेन तरनी** फ्लैट–नं.–एलआईजी–310-ब्लॉक–बी, मंजिल–3, स.क्र., ग्राम– रायपुरा, प.ह.नं. 104, इंद्रप्रस्थ आवास योजना, रायपुर छत्तीसगढ़ 492013. | ₹ 5,60,874/- as on 30-सितंबर-25 | 25 अक्टूबर-2025 | समस्त भाग एवं आंशिक भाग युक्त फ्लैट संख्या–एलआईजी–310–ब्लॉक–बी, तल–3, इंद्रप्रस्थ अपार्टमेंट, स.क्र., ग्राम–रायपुरा, प.ह.नं. 104, इंद्रप्रस्थ आवास योजना, फेस 2, तहसील एवं जिला– रायपुर, छत्तीसगढ़. |
| 5. | **श्री बंजारे कमल प्रसाद,** तृतीय तल, यूनिट–नंबर–414, लैंडमार्क, स.क्र., ख.नं. 428/3, 428/8, प.ह.नं. 22, मौजा – जूना, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ 495001.<br>**श्री बंजारे कमल प्रसाद** मकान नं. 159/2, बख्शीस हाउस के पास, ओम नगर, जरहाभाटा, बिलासपुर छत्तीसगढ़, 495001.<br>**श्री बंजारे कमल प्रसाद** मेसर्स. कमल प्रसाद 159, जरहाभाठा, ओम नगर, बिलासपुर छत्तीसगढ़ 495001.<br>**श्रीमती बंजारे हेम कुमारी** मकान नं. 159/2, बख्शीस हाउस के पास, ओम नगर, जरहाभाटा, बिलासपुर छत्तीसगढ़, 495001.<br>**श्रीमती बंजारे हेम कुमारी** तृतीय तल, यूनिट–नंबर–414, लैंडमार्क, स.क्र., ख.नं. 428/3, 428/8, प.ह.नं. 22, मौजा – जूना, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ 495001. | ₹ 9,65,590/- as on 30-सितंबर-25 | 25 अक्टूबर-2025 | समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली कार्यालय, यूनिट क्रमांक 414, तीसरी मंजिल, परिसर लैंडमार्क स.क्र., ख. नं. 428/3, 428/8, प.ह.नं. 22, मौजा– जूना, प.ह.नं.– 22/34, वार्ड–25, संत रविदास नगर वार्ड, आरआईसी–बिलासपुर विकासखंड–बिल्हा तह. एवं जिला–बिलासपुर छत्तीसगढ़. |
| 6. | **श्री कामदानी कमल** फ्लैट–604, फ्लोर–6, अविनाश प्राइड, ब्लॉक सी, स.क्र., ख.नं. 230/1-2-3-4-5-7-8-9, 231/1-2-3-4, 613/1, प.ह.नं.103/34, ग्राम– हीरापुर, रायपुर छत्तीसगढ़ 492099.<br>**श्री कामदानी कमल** मकान नंबर ए/39, वार्ड नंबर 04, अशोक विहार, रिंग रोड नंबर 2, दीक्षित डुआर्स के पास, रायपुर छत्तीसगढ़, 492001.<br>**श्री कामदानी कमल** श्री तिरुमाला ट्रेडर्स, ए–09, अशोक विहार कॉलोनी, रिंग रोड 02, गोंदवारा, रायपुर छत्तीसगढ़, 492001.<br>**श्रीमती कामदानी इंजाना** मकान नंबर ए39, वार्ड नंबर 04, अशोक विहार रिंग रोड नंबर 2, दीक्षित डुआर्स के पास, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001.<br>**श्रीमती कामदानी इंजाना** फ्लैट–604, फ्लोर–6, अविनाश प्राइड, ब्लॉक सी, स.क्र., ख.नं. 230/1-2-3-4-5-7-8-9, 231/1-2-3-4, 613/1, प.ह.नं.103/34, ग्राम– हीरापुर, रायपुर छत्तीसगढ़ 492099. | ₹ 18,32,744/- as on 30-सितंबर-25 | 25 अक्टूबर-2025 | समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली अविभाजित भूमि युक्त रिहायशी फ्लैट, जिसका फ्लैट नंबर –604, 6वीं मंजिल, ब्लॉक –सी 'अविनाश प्राइड' खसरा नं.–230/5, 230/7, 230/08, 231/2, 613/1, 23/1-3-4, 230/1-2-3, 230/4 और 230/9 का भाग मौजा–जर्वे उर्फ, हीरापुर, प.ह.नं.–34/103, वार्ड –01, वीर सावरकर तह. पाटन एवं जिला रायपुर, छत्तीसगढ़। |
| 7. | **श्री कांची जग्गा राव** खसरा नया नंबर 330/2, खसरा पुराना नंबर 330(भाग), प.ह.नं.57, मौजा चरोदा, कॉलोनी पंचशील नगर, नगर निगम, पश्चिम चरोदा–क्रमांक 19, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 493449.<br>**श्री कांची जग्गा राव** 230, पंचशील नगर पश्चिम, वार्ड 17, चरोदा, बीएमवाई, धमधा – दुर्ग, छत्तीसगढ़, 491331.<br>**श्री कांची जग्गा राव** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बीएमवाई (भिलाई मार्शलिंग यार्ड) चरोदा, भिलाई 03 – दुर्ग छत्तीसगढ़, 490026.<br>**श्रीमती कांची लक्ष्मी** 230, पंचशील नगर पश्चिम, वार्ड 17, चारोधा बीएमवाई, धमधा – दुर्ग, छत्तीसगढ़, 491331.<br>**श्रीमती कांची लक्ष्मी** खसरा नया नंबर 330/2, खसरा पुराना नंबर 330(भाग), प.ह.नं. 57, मौजा चरोदा, कॉलोनी पंचशील नगर, नगर निगम पश्चिम चरोदा–क्रमांक 19, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 493449. | ₹ 12,07,619/- as on 30-सितंबर-25 | 25 अक्टूबर-2025 | समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली प्लॉट जिसका खसरा नया नंबर 330/2, पुराना खसरा नंबर 330 (भाग), प.ह.नं. पर स्थित प्लॉट 02/57, मौजा चरोदा कॉलोनी, पंचशील नगर, नगर पालिका क्रमांक पश्चिम चरोदा–19, एनपीएन–चरोदा भिलाई तह. पाटन एवं जिला–दुर्ग छत्तीसगढ़। |
| 8. | **श्री पंजा मेघनाथ** फ्लैट–ब्लॉक–ए–101-पहली मंजिल, राज टावर, स.क्र., खसरा नं. 1912/10, 1912/13, प.ह.नं. 106ए, ब्रम्हपुरी दंतेश्वरी मंदिर के पास, आंगनवाड़ी कार्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492001.<br>**श्री पंजा मेघनाथ** द्वारा मणिमोहन पांजा, मकान नंबर 21, चंगोरा भाटा, शीतला मंदिर के पास, पुरानी बस्ती ब्रम्हपुरी, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492001.<br>**श्री पंजा मेघनाथ** मै. जय मां काली चिलई सेंटर, दुकान नंबर–04, दानी बढ़ा, बूढ़ापारा, रायपुर छत्तीसगढ़। 492001.<br>**श्री मंडल आशीष** मारुति नगर, मालासे तालाब के सामने, प्रोफेसर कॉलोनी, वार्ड नंबर 64, रायपुर छत्तीसगढ़, 492001. | ₹ 24,23,985/- as on 30-सितंबर-25 | 25 अक्टूबर-2025 | समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली रिहायशी फ्लैट ए, ब्लॉक 101, प्रथम तल, राज टॉवर, स.क्र., खसरा नं. 1912/10, 1912/13, प.ह.नं. 106 ए, महामाया मंदिर वार्ड 62, ब्रम्हपुरी, दंतेश्वरी मंदिर के पास, आंगनवाड़ी कार्यालय के सामने, आरआईसी–रायपुर 1, तह. और जिला– रायपुर छत्तीसगढ़. |
| 9. | **श्री नायक प्रदीप कुमार** ख.नं.–977/1,978/1, 979/1(भाग), प.ह.नं.–17, मौजा– खमतराई, गीतांजलि सिटी के पास, प.ह.नं.–2, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ 495001.<br>**श्री नायक प्रदीप कुमार** पुत्र स्व. श्री गोरेलाल नायक, मकान नंबर ए–27, गीतांजलि सिटी, फेस–2, बहतरी रोड लिंगियाडीह, बहतराई रोड, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001.<br>**श्री नायक प्रदीप कुमार** हिंद एनर्जी एंड कोल बेनेफिकेशन (इंडिया) लिमिटेड, प्रथम तल, श्री साई परिसर, वाणिज्यिक परिसर, श्री कांत वर्मा मार्ग, बिलासपुर – छत्तीसगढ़ 495001.<br>**श्रीमती नायक नमिता** मकान नं. 383, गीतांजलि सिटी, फेस 2, बहतराई रोड, बहतराई रोड, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001.<br>**श्रीमती नायक नमिता** ख.नं.–ख.नं.–977/1,978/1, 979/1(भाग), प.ह.नं.–17, मौजा– खमतराई, गीतांजलि सिटी के पास, प.ह.नं.–2, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ 495001. | ₹ 2,74,030/- as on 30-सितंबर-25 | 25 अक्टूबर-2025 | समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली परिवर्तित रिहायशी भूमि खसरा नं.– 977/24, 978/24, 979/24, 977/1, 978/1, 979/1(भाग), गीतांजलि सिटी के पास, फेस–2., भूखंड क्रमांक– 109/123 मौजा–खमतराई, प.ह.नं.– 17, आरआईसी–बिलासपुर, तह. एवं जिला–बिलासपुर, छत्तीसगढ़ |
| 10. | **श्री प्रसाद प्रियदर्शी,** प्लॉट 13, खसरा 351/6, मकान प.ह.नं.43, मौजा जुनवानी, आनंद नगर, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 490020.<br>**श्री प्रसाद प्रियदर्शी** प्लॉट नंबर 13, श्री श्याम वाटिका, गली 25, महर्षि विद्या मंदिर स्कूल के पीछे, स्मृति नगर, मोतीलाल नेहरू नगर भिलाई, दुर्ग–छत्तीसगढ़ 490020.<br>**श्री प्रसाद प्रियदर्शी** आराध्या इंटरप्राइजेज, प्लॉट नंबर–13, श्री श्याम वाटिका भिलाई, दुर्ग, छ.ग., 490020.<br>**श्रीमती प्रसाद विभूति** प्लॉट 13, खसरा 351/6, मकान प.ह.नं. 43, मौजा जुनवानी, आनंद नगर, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 490020.<br>**श्रीमती प्रसाद विभूति** प्लॉट 13, खसरा 351/6, मकान प.ह.नं. 43, मौजा जुनवानी, आनंद नगर, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 490020.<br>**श्री सौरभ शैलेन्द्र मिश्रा** पुराने आरटीओ कार्यालय के पीछे, नेहरू वार्ड, सिविल लाइन, गोंदिया, महाराष्ट्र, 441601. | ₹ 66,37,373/- as on 30-सितंबर-25 | 25 अक्टूबर-2025 | समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली रिहायशी मकान, प्लॉट नंबर 13, खसरा 351/6, प.ह.नं.43, आनंद नगर, मौजा जुनवानी, आरआईसी– दुर्ग 1, तह. एवं जिला– दुर्ग छत्तीसगढ़ पर स्थित है। |
| 11. | **श्री साहू पुनित राम** प्लॉट 32, खसरा 1057/5(भाग), प.ह.नं. 13/18, वार्ड क्रमांक 16/18, मौजा जामुल, जिला दुर्ग, छ.ग. 491001.<br>**श्री साहू पुनित राम** वार्ड नंबर 17, एसीसी जामुल वार्ड, जामुल सीमेंट वर्क्स, महाराणा प्रताप नगर, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 490024.<br>**श्री साहू पुनित राम** मेसर्स जय भवानी जनरल स्टोर, वार्ड नंबर 17, जामुल सीमेंट वर्क्स, दुर्ग, छत्तीसगढ़– 490024.<br>**श्रीमती साहू भुनेश्वरी** महाराणा प्रताप नगर, एसीसी जामुल वार्ड नंबर 17, जामुल सीमेंट वर्क्स, महाराणा प्रताप नगर, दुर्ग, छत्तीसगढ़ 490024.<br>**श्रीमती साहू भुनेश्वरी** प्लॉट 32, खसरा 1057/5(भाग), प.ह.नं. 13/18, वार्ड क्रमांक 16/18, मौजा जामुल, जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़ 491001. | ₹ 14,24,813/- as on 30-सितंबर-25 | 25 अक्टूबर-2025 | समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली रिहायशी प्लॉट, प्लॉट संख्या 32, खसरा 1057/5 (भाग), प.ह.नं. 13/18, महाराणा प्रताप वार्ड नं. 16/18, मौजा जामुल, आरआईसी–दुर्ग 1, तहसील एवं जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़. |
| 12. | **श्री शिवहरे राजेंद्र कुमार** खसरा नं. 147/1(भाग), प.ह.नंबर 110 (नया 110/40), डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड नंबर 27, मौजा–शंकर नगर, रायपुर, छत्तीसगढ़ 492007.<br>**श्री शिवहरे राजेंद्र कुमार** द्वारा–हर्ष लता तिवारी, सी– 3, गायत्री विहार कॉलोनी, साई प्रोविजन स्टोर के पास, महावीर नगर, रायपुर छत्तीसगढ़, 492006.<br>**श्री शिवहरे राजेंद्र कुमार** इनविडा इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, बी–801, सफल पेगासस, प्रहलाद नगर, आनंद नगर, अहमदाबाद – गुजरात– 380007. | ₹ 12,49,355/- as on 30-सितंबर-25 | 25 अक्टूबर-2025 | समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली प्लॉट खसरा नंबर 147/1 (भाग), ग्राम–शंकर नगर, डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड नंबर 27, प.ह.नं. 110/40, आरआईसी– रायपुर–1, तह. एवं जिला– रायपुर छत्तीसगढ़. |
| 13. | **श्री उपाध्याय सत्येश कुमार** खसरा नं. 15/1650, पुराना ख नं.–15/70 (भाग), प.ह.नं.–31, प्लॉट 1/4, हाउस शीट नं. 7, मौजा लिंगियाडीह, सर्किल आरआईसी– मोपका, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ 495001.<br>**श्री उपाध्याय सत्येश कुमार** 2015 वार्ड 48, गली नंबर 02, रामेश्वरम मंदिर के पहले, गुलाब नगर मोपका, मोपका – बिलासपुर छत्तीसगढ़, 495006.<br>**श्री उपाध्याय सत्येश कुमार** मे. गुरुकृपा मेडिकल स्टोर्स, भीमसेन चौक, गौतोरा, मस्तूरी, बिलासपुर–छत्तीसगढ़, 495001.<br>**श्रीमती उपाध्याय प्रीति** 2015 वार्ड 48, गली नंबर 02, रामेश्वरम मंदिर के पहले, गुलाब नगर मोपका, मोपका – बिलासपुर छत्तीसगढ़, 495006.<br>**श्रीमती उपाध्याय प्रीति** खसरा नं. 15/1650, पुराना ख नं.–15/70 (भाग), प.ह.नं.–31, प्लॉट 1/4, हाउस शीट नं. 7, मौजा लिंगियाडीह, सर्किल आरआईसी– मोपका, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ 495001.<br>**श्री शर्मा प्रियम** 2015 वार्ड 48, गली नंबर 02, रामेश्वरम मंदिर के पहले, गुलाब नगर मोपका, मोपका – बिलासपुर छत्तीसगढ़, 495006.<br>**श्री शर्मा प्रियम** खसरा नं. 15/1650, पुराना ख नं.–15/70 (भाग), प.ह.नं.–31, प्लॉट 1/4, हाउस शीट नं. 7, मौजा लिंगियाडीह, सर्किल आरआईसी– मोपका, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ 495001. | ₹ 32,85,734/- as on 30-सितंबर-25 | 25 अक्टूबर-2025 | समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली मकान, प्लॉट 1/4, खसरा 15/1650, पुराना खसरा नं.–15/70 (भाग), प.ह.नं.–31, हाउस शीट नंबर 7, मौजा लिंगियाडीह, सर्कल आरआईसी–मोपका विकासखंड–बिल्हा तह. एवं जिला–बिलासपुर, छत्तीसगढ़. |
| 14. | **श्री पांचाल शरद कुमार** फ्लैट–पी–4, फ्लोर–7, शुभकामना हाइट्स, ब्लॉक बी, स.क्र., खसरा नंबर 280/5, 280/7 280/8, 280/9; प.ह.नंबर 22 ग्राम–रिसाली ; तहसील– दुर्ग, छत्तीसगढ़ 490006.<br>**श्री पांचाल शरद कुमार** 13/डी, रुआबांधा सेक्टर, भिलाई सिविक सेंटर, सिविक सेंटर भिलाई – भिलाई, दुर्ग, छ.ग. 490006.<br>**श्री पांचाल शरद कुमार** भिलाई स्टील प्लांट, भिलाई–छत्तीसगढ़ 490006.<br>**श्रीमती पांचाल विनीता** 13/डी रुआबांधा सेक्टर, भिलाई सिविक सेंटर, सिविक सेंटर भिलाई – भिलाई, दुर्ग, छ.ग. 490006.<br>**श्रीमती पांचाल विनीता** फ्लैट–पी–4, फ्लोर–7, शुभकामना हाइट्स, ब्लॉक बी, स.क्र., खसरा नंबर 280/5, 280/7 280/8, 280/9; प.ह.नंबर 22 ग्राम–रिसाली ; तहसील– दुर्ग, छत्तीसगढ़ 490006. | ₹ 31,72,650/- as on 30-सितंबर-25 | 25 अक्टूबर-2025 | समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली रिहायशी फ्लैट,नंबर पी–4, पेंट हाउस, सातवीं मंजिल, शुभकामना हाइट्स, ब्लॉक बी, प.ह.नं. 19/22, खसरा नंबर–280/5, 280/7, 280/8, 280/9, प्रगति नगर, रिसाली, दुर्ग छत्तीसगढ़। |
| 15. | **श्री खत्री सुनील कुमार** खसरा भाग {692/1, 693/1 एवं 700}, प.ह.नं. 108/38, मौजा गोंदवारा, शिवानंद नगर, वीर शिवाजी वार्ड नंबर 07, रायपुर छत्तीसगढ़ 492008.<br>**श्री खत्री सुनील कुमार** नगर निगम मकान नंबर 07/नया, शिवानंद नगर, वीर शिवाजी वार्ड–07, गोंदवारा, रायपुर छ.ग.492008.<br>**श्री खत्री सुनील कुमार** शाय वासन डेली नीड्स एंड प्रोविजन स्टोर, गोंदवारा रोड, शिवानंद नगर, रायपुर छत्तीसगढ़ 492008.<br>**श्रीमती किरण** नगर निगम मकान नंबर 07/नया, शिवानंद नगर, वीर शिवाजी वार्ड–07, गोंदवारा, रायपुर छत्तीसगढ़, 492008.<br>**श्रीमती किरण** खसरा भाग {692/1, 693/1 एवं700}, प.ह.नं. 108/38, मौजा गोंदवारा, शिवानंद नगर, वीरशिवाजी वार्ड नंबर 07, रायपुर छत्तीसगढ़ 492008. | ₹ 12,09,522/- as on 30-सितंबर-25 | 25 अक्टूबर-2025 | समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली मकान {692/1, 693/1 एवं 700}, प.ह.नं. 108/38, नगर निगम मकान नं. 7/नया खाता नं. 1036, भाग 1, मौजा गोंदवारा, शिवानंद नगर वीर शिवाजी वार्ड नं. 07, आरआईसी– रायपुर तह. एवं जिला– रायपुर छत्तीसगढ़. |
| 16. | **श्री पासवान सुनील कुमार** यूनिट सं.–एन–9, क्लासिक सिटी, स.क्र., ख.नं.170/2,171/2-5, 172/1-3-4, 177/2, 178/3, 179,180, 182/7-8-13, 248/1-2; प.ह.नं. 23/11;, ग्राम– परसुलीडीह, रायपुर छत्तीसगढ़ 493661.<br>**श्री पासवान सुनील कुमार** क्वार्टर सं. 154/4 टाइप–III, डब्ल्यूआरएस कॉलोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492008.<br>**श्री पासवान सुनील कुमार** दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, डब्ल्यूआरएस कॉलोनी, डीएलएस. डब्ल्यूआरएस कॉलोनी कापा, रायपुर छ.ग.. 492008.<br>**श्रीमती देवी प्रतिमा** यूनिट सं.–एन–9, क्लासिक सिटी, स.क्र., ख.नं.170/2,171/2-5, 172/1-3-4, 177/2, 178/3, 179,180, 182/7-8-13, 248/1-2; प.ह.नं. 23/11;, ग्राम– परसुलीडीह, रायपुर छत्तीसगढ़ 493661.<br>**श्रीमती देवी प्रतिमा** क्वार्टर सं. 154/4 टाइप–III, डब्ल्यूआरएस कॉलोनी, रायपुर, छत्तीसगढ़, 492008.<br>**श्रीमती देवी धूरोपति** यूनिट सं.–एन–9, क्लासिक सिटी, स.क्र., ख.नं.170/2,171/2-5, 172/1-3-4, 177/2, 178/3, 179,180, 182/7-8-13, 248/1-2; प.ह.नं. 23/11;, ग्राम– परसुलीडीह, रायपुर छत्तीसगढ़ 493661.<br>**श्रीमती देवी धूरोपति** बोकना राहुल, मोरतालाब – नालन्दा, ग्राम बोकना, नालन्दा–गिरियक, बिहार, 803118. | ₹ 9,13,593/- as on 30-सितंबर-25 | 24 अक्टूबर-2025 | समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली परिवर्तित प्लॉट संख्या एन–09, 'क्लासिक सिटी' खसरा संख्या 170/2 (भाग), 171/2-5, 172/1-3-4, 177/2, 178/3, 179, 180, 182/7-8-13, 248/1-2; प.ह.नं.–23/11, ग्राम–परसुलीडीह, आरआईसी–धरसींवा–1, विकासखंड –धरसींवा तह. एवं जिला–रायपुर, छत्तीसगढ़. |
| 17. | **श्री श्रीवास्तव तरूण** फ्लैट–नं.–ब्लॉक–79/615, 6वां तल, प्रधानमंत्री आवास योजना एलआईजी फ्लैट्स, स.क्र., 210, 308, सेक्टर 16, नया रायपुर, रायपुर छत्तीसगढ़ 492002.<br>**श्री श्रीवास्तव तरुण** एच 20, राजीव नगर, पोस्ट शंकर नगर, शिव मंदिर के पास, रायपुर छ.ग., 492008.<br>**श्री श्रीवास्तव तरुण** आर्सन मोटर्स, आरसन हीरो, लोधी पारा चौक, विधानसभा रोड, रायपुर – छत्तीसगढ़ 492001.<br>**श्रीमती श्रीवास्तव रीता** फ्लैट–नं.–ब्लॉक–79/615, 6वां तल, प्रधानमंत्री आवास योजना एलआईजी फ्लैट्स, स.क्र., 210, 308, सेक्टर 16, नया रायपुर, रायपुर छत्तीसगढ़ 492002.<br>**श्रीमती श्रीवास्तव रीता** एच 20, राजीव नगर, पोस्ट शंकर नगर, शिव मंदिर के पास, रायपुर छ.ग., 492008. | ₹ 4,29,382/- as on 30-सितंबर-25 | 25 अक्टूबर-2025 | समस्त भाग एवं आंशिक भाग वाली एलआईजी नंबर ब्लॉक 79/615, फ्लोर–6, सेक्टर 16/6 एफ प्रधानमंत्री आवास योजना, एलआईजी फ्लैट्स, स.क्र. 210, 308, सेक्टर 16, नया रायपुर, रायपुर, छत्तीसगढ़। |

*अतिरिक्त ब्याज के साथ। भुगतान और/या वसूली की तारीख तक किए गए आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क जैसा लागू हो आदि।
यदि उक्त उधारकर्ता उपर्युक्त के अनुसार एचडीएफसी को भुगतान करने में विफल हो जाते हैं, तो एचडीएफसी उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) और लागू नियमों के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्ति/अचल संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई करेगा, जो पूरी तरह से जोखिम में है। उक्त उधारकर्ता(ओं)/कानूनी वारिस(ओं)/कानूनी प्रतिनिधियों(ओं) की लागत और परिणाम के बारे में।
उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि को उक्त अधिनियम के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्ति/अचल संपत्ति को हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है, चाहे वह बिक्री, पट्टे या अन्यथा के माध्यम से हो। एचडीएफसी की पूर्व लिखित सहमति। कोई भी व्यक्ति जो अधिनियम या उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है या उल्लंघन के लिए उकसाता है, वह अधिनियम के तहत प्रावधान के अनुसार कारावास और/या दंड के लिए उत्तरदायी होगा।

स्थान : बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर,
दिनांक : 06.11.2025
पंजीकृत पता– एचडीएफसी बैंक हाऊस, सेनापती बापट मार्ग, लोवर परेल (पश्चिम), मुंबई–400020
कृते / प्राधिकृत अधिकारी
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड

## जारी हुआ टोकन तुंहर हाथ एंड्रॉइड एप, सत्यापित बैंक खाते के बिना टोकन नहीं

# धान खरीदी सॉफ्टवेयर का ट्रायल रन शुरू, 9 से एप डाउनलोड तक किसान हासिल कर सकते हैं टोकन

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में खरीफ सीजन 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य पर धान खरीदी शुरू होने से पहले खाद्य विभाग ने धान खरीदी सॉफ्टवेयर का ट्रायल रन शुरू कर दिया है। इसके साथ ही 15 नवंबर से खरीदी शुरू करने की तैयारी करते सरकार ने तुंहर टोकन एप लांच कर दिया है। इसके माध्यम से किसान अपना धान बेचने के लिए टोकन हासिल कर सकते हैं। टोकन की व्यवस्था 9 नवंबर से शुरू हो रही है। खास बात ये है कि सीजन में धान बेचने के लिए 26 लाख 49 हजार से अधिक किसान पंजीकृत हो चुके हैं। पिछले सीजन के मुकाबले यह संख्या एक लाख अधिक है।

राज्य में किसानों से धान खरीदी शुरू करने के सिलसिले में खाद्य विभाग ने तैयारियां तेज कर दी है। इस संबंध में खरीदी सॉफ्टवेयर का ट्रायल रन शुरू कर दिय गया है। बताया गया है कि 5 से 7 नवंबर तक होने वाले इस तकनीकी काम के लिए खाद्य अफसरों ने अपने अपने क्षेत्र में ट्रायल रन किया है। 7 तारीख को यह काम होने के बाद 9 नवंबर से किसानों को ऑनलाइन टोकन मिलने शुरू हो जाएंगे।

पंजीकृत किसानों को धान खरीदी के लिए टोकन जारी करने की प्रक्रिया के सुव्यवस्थित प्रबंधन के लिए टोकन तुंहर हाथ एंड्रॉइड एप विकसित किया गया है। इस एप की सहायता से प्रत्येक किसान अपने संबंधित उपार्जन केंद्र में, स्वयं द्वारा निर्धारित तिथि पर धान विक्रय हेतु टोकन प्राप्त कर सकता है। इस एप के माध्यम से किसान को समिति द्वारा दर्ज उसकी जानकारी, भूमि विवरण, बैंक खाता, टोकन तथा धान खरीदी से संबंधित सभी नवीनतम जानकारियां उपलब्ध होंगी। आप 'टोकन तुंहर हाथ' एप गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं। इस एप का उपयोग करने के लिए किसानों को समिति के पंजीयन क्रमांक के आधार पर पंजीयन अनिवार्य है। एप को पहली बार रन करने पर पंजीकरण पृष्ठ प्रदर्शित होगा। धान बेचने के लिए किसानों को आवश्यक है कि उनके पास बैंक खाता होना चाहिए। इससे भी महत्वपूर्ण बात ये है कि किसान का वह बैंक खाता सत्यापित भी होना चाहिए। सरकार ने ये साफ किया है कि बैंक खाता सत्यापित नहीं हुए किसानों का टोकन जारी करने की अनुमति नहीं है।

धान खरीदी के संबंध में राज्य सरकार द्वारा जारी महत्वपूर्ण निर्देश में कई अहम बिंदु शामिल हैं। यदि कृषक द्वारा अंतिम टोकन में प्रविष्ट की गई धान की मात्रा उपार्जन केंद्र में निर्धारित खरीदी लिमिट से अधिक होती है, तो उस स्थिति में उक्त उपार्जन केंद्र में खरीदी लिमिट के 30 प्रतिशत तक का अधिक का उपार्जन किया जा सकेगा। सीमांत कृषक (2.5) एकड़ एवं लघु कृषक (2.5 से 5) एकड़ का अधिकतम 2 टोकन एवं दीर्घ कृषक (5) एकड़ का अधिकतम 3 टोकन बनाने की अनुमति है जिसमें निरस्त किये गये टोकन भी शामिल होंगे।

### धान के बोरे में भरती होगी 40 किलो

सरकार ने ये भी साफ किया है कि किसान को जारी सभी टोकनों का योग किसान से धान खरीदी योग्य मात्रा के बराबर या कम होना अनिवार्य है। टोकन में धान की मात्रा 0.40 क्वि. प्रति बोरा (यानी 40 किलो भरती) के अनुपात में प्रविष्ट करना अनिवार्य है। नया टोकन बनाने हेतु रविवार से शुक्रवार तक 9:30 सुबह से 5 बजे शाम की समय सीमा निर्धारित है। टोकन में तौल हेतु दिनांक में आज के दिनांक की अनुमति नहीं है। टोकन में तौल के लिए शनिवार, रविवार एवं शासकीय अवकाश के दिनांकों के चयन की अनुमति नहीं है।

# हाईकोर्ट का फैसला- ज्वाइन करने के बाद ट्रांसफर आर्डर को नहीं दे सकते चुनौती

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति अमितेंद्र किशोर प्रसाद की खंडपीठ ने कहा है कि कर्मचारी के स्थानांतरित पद पर कार्यभार ग्रहण करने के बाद स्थानांतरण आदेश को चुनौती देना सामान्यतः स्वीकार्य नहीं होता है।

■ युक्तियुक्तकरण में अतिशेष के बाद व्याख्याता का हुआ था तबादला

याचिकाकर्ता संजय कुमार यादव शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अभनपुर में व्याख्याता (इतिहास) के पद पर थे। इन्हें अतिशेष घोषित कर राजपुर स्थित हाईस्कूल में स्थानांतरित कर दिया गया था। बाद में वे काउंसलिंग के लिए उपस्थित हुए, लेकिन उनके विषय में कोई रिक्त पद नहीं होने के कारण उन्हें संभागीय काउंसलिंग में उपस्थित होने का निर्देश दिया गया। इसके बाद उनकी पदस्थापना जिला बस्तर में कर दी गई। इधर प्रभारी प्राचार्य की पदोन्नति के बाद, व्याख्याता के मूल विद्यालय अभनपुर में व्याख्याता (इतिहास) का पद रिक्त हो गया।

### एकलपीठ से खारिज होने के बाद डीबी में अपील

व्याख्याता का तर्क था कि उन्हें इस पद पर अभनपुर में ही रखा जाना चाहिए था। उन्होंने अपना स्थानांतरण रद्द करने के लिए आवेदन प्रस्तुत किए। इसके बावजूद, उन्होंने नए पदस्थापन स्थान पर कार्यभार ग्रहण कर लिया। उन्होंने स्थानांतरण आदेश को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर की। एकल पीठ ने इसे खारिज कर दिया। इस निर्णय से व्यथित होकर, उन्होंने डीबी में अपील दायर की। इसमें कहा गया कि अभनपुर स्कूल के प्रधानाचार्य ने अनुरोध किया था कि व्याख्याता को अधिशेष घोषित नहीं किया जाए। व्याख्याता ने यह भी तर्क दिया कि यह स्थानांतरण राज्य की युक्तिकरण नीति का उल्लंघन करता है, क्योंकि अभनपुर स्कूल में इतिहास का कोई व्याख्याता नहीं बचा है, जो शिक्षकों के युक्तिकरण आवंटन के मूल उद्देश्य को ही कमजोर करता है।

### कानून और प्रशासनिक नीति के अनुसार तबादला

याचिका में कहा गया कि अधिकारियों ने काउंसलिंग प्रक्रिया के दौरान अभनपुर में इतिहास व्याख्याता पद सहित उपलब्ध रिक्तियों की जानकारी छिपाई, जिससे उन्हें विचार के लिए उचित अवसर नहीं मिल पाया। राज्य सरकार की ओर से इसमें कहा गया कि स्थानांतरण आदेश कानून और प्रशासनिक नीति के अनुसार जारी किया गया था। राज्य सरकार ने यह भी तर्क दिया कि अपीलकर्ता पहले ही नए पद पर कार्यभार ग्रहण कर चुका था इसलिए, स्थानांतरण अधिशेष शिक्षकों के युक्तिकरण और परामर्श प्रक्रिया के बाद किया गया था।

# नियमितीकरण और स्थायीकरण सहित 5 सूत्रीय मांग, अनियमित कर्मचारी करेंगे प्रदर्शन

## मांगों की अनदेखी से प्रदेशभर के अनियमित कर्मचारी नाराज, अनियमित कर्मचारी फेडरेशन की बैठक में हुआ निर्णय

हरिभूमि न्यूज : रायपुर।

■ दिसंबर में धरना प्रदर्शन का ऐलान

छत्तीसगढ़ अनियमित कर्मचारी फेडरेशन प्रदेशभर के विभिन्न विभागों में कार्यरत अनियमित कर्मचारियों की 5 सूत्रीय मांगों को लेकर आंदोलन करेगा। दिसंबर में बड़े पैमाने पर धरना प्रदर्शन करने का निर्णय फेडरेशन की बैठक में लिया गया है। कर्मचारियों की प्रमुख मांगों में प्रदेश के शासकीय कार्यालयों में कार्यरत अनियमित कर्मचारियों के नियमितीकरण, स्थायीकरण, निकाले गए कर्मचारियों की बहाली, कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन दिए जाने और अंशकालीन कर्मचारियों को पूर्णकालीन करने की मांग शामिल है। इसी तरह आउट सोर्सिंग के माध्यम से नियोजन सिस्टम को बंद करने की मांग प्रमुख रूप से उठाई जाएगी।छत्तीसगढ़ प्रगतिशील अनियमित कर्मचारी फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष गोपाल प्रसाद साहू का कहना है, प्रदेश के विभिन्न शासकीय कार्यालयों में एक अरसे से सेवा देने वाले अनियमित कर्मचारी शासन की जनहितकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, इसके बाद भी उन्हें सम्मानजक वेतन नहीं दिया जा रहा है। मांगों की अनदेखी से नाराज अनियमित कर्मचारी दिसंबर में फेडरेशन के आव्हान पर आंदोलन करेंगे।



### प्रमुख मांगें इस तरह

0 नियमितीकरण की मांग।

0 निकाले गए कर्मचारियों की बहाली जल्द हो।

0 न्यून मानदेय पाने वाले कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन दिया जाए।

0 अंशकालीन कर्मचारियों को पूर्णकालीन करने की मांग।

0 आउट सोर्सिंग/ठेका/सेवा प्रदाता/समूह-समिति के माध्यम से नियोजन सिस्टम बंद कर विभाग में समायोजन।

## आने वाली नमी कम होने से बढ़ेगी ठंड, तीन से चार डिग्री तक गिरोगा रात का पारा

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी की मात्रा में कमी आने से राज्य में ठंड बढ़ने का दौर शुरू होने की संभावना है। राज्य में 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे जा चुके न्यूनतम तापमान में 3 से 4 डिग्री की गिरावट आने के आसार हैं। दूसरी ओर बाहरी इलाकों में देर रात के बाद ठंड महसूस होने लगी है। उत्तरी इलाके में ठंड का प्रभाव साफ नजर आने लगा है।

आने वाले दिनों में रात का तापमान और कम होगा, जिससे ठंड बढ़ेगी, मगर दिन के टेंप्रेंचर और बेचैन करने वाली तेज धूप से अभी राहत मिलने की संभावना नहीं है। अभी ठंडी गर्मी के मौसम की वजह से लोगों के स्वास्थ्य पर भी इसका विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि अभी एक निम्न दाब का क्षेत्र उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी और उससे लगे मध्य पूर्व बंगाल की खाड़ी-म्यांमार के ऊपर स्थित है। इसके साथ ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण विस्तारित है। इसके धीरे-धीरे कमजोर होने के कारण बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी की मात्रा में कमी हो रही है, जिससे राज्य के न्यूनतम तापमान में गिरावट का दौर प्रारंभ होने की संभावना है। उत्तरी भाग से अगले चौबीस घंटे तथा मध्य और दक्षिण भाग अगले 48 घंटे बाद तीन दिनों में न्यूनतम यानी रात के तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने का अनुमान है। पिछले चौबीस घंटे में अंबिकापुर का न्यूनतम पारा 12.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं माना में सर्वाधिक तापमान 32.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था।

## भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण सनातन हिन्दू एकता पदयात्रा में शामिल होने दिल्ली गए

**रायपुर।** हिन्दू एकता और सनातन रक्षा के पावन संकल्प को साकार करने के लिए बागेश्वर धाम पीठाधीश्व पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज द्वारा 7 से 16 नवंबर तक आयोजित होने वाली सनातन हिन्दू एकता पदयात्रा में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ से भक्तों का जत्था दिल्ली के लिए रवाना हो गया है। यह ऐतिहासिक पदयात्रा दिल्ली से वृंदावन तक निकाली जाएगी, जिसमें देशभर से हजारों धर्मप्रेमी शामिल होंगे। भाजपा युवा नेता व समाज सेवी बसंत अग्रवाल के नेतृत्व में बागेश्वर धाम शिष्य मंडल, छत्तीसगढ़ द्वारा इस धार्मिक यात्रा में शामिल होने के लिए भक्तों के लिए निशुल्क बसें उपलब्ध कराई गई हैं। बुधवार की सुबह 7:30 बजे रायपुर के गुढ़ियारी स्थित हनुमान मंदिर, मच्छी तालाब से चार बसें दिल्ली के लिए रवाना हुईं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, राजीव लोचन दास, बसंत अग्रवाल, पूर्व पार्षद विनोद अग्रवाल, श्रवण शर्मा, प्रकाश माहेश्वरी, आज़ाद गुर्जर, पुष्पेंद्र उपाध्याय, विवेक अग्रवाल और कई संतजनों ने भगवा ध्वज दिखाकर बसों को रवाना किया। इस दौरान पूरा गुढ़ियारी क्षेत्र जय श्री राम के नारों से गूंज उठा, जो भक्तों के उत्साह और आस्था को प्रदर्शित कर रहा था। इस अवसर पर बसंत अग्रवाल ने कहा कि, यह पदयात्रा सनातन संस्कृति, राष्ट्र चेतना और सामाजिक एकता का संदेश लेकर आगे बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि गुरुदेव पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री महाराज का मुख्य उद्देश्य सनातन धर्म की रक्षा और हिन्दू समाज की एकजुटता के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपना योगदान देने हेतु प्रेरित करना है। यह पदयात्रा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चेतना का आह्वान है।

# अब प्राइवेट वेंडर हटाएंगे बैनर-पोस्टर नगर निगम ने जारी किया टेंडर

हरिभूमि न्यूज : रायपुर।

राजधानी में अवैध बैनर, पोस्टर और फ्लैक्स से शहर को मुकत कराने नगर निगम ने बड़ा कदम उठाया है। अब सड़कों, स्ट्रीट पोल, डिवाइडर और सरकारी संपत्ति पर लगे बैनर पोस्टर हटाने का काम प्राइवेट वेंडर करेंगे। इसके लिए नगर निगम की ओर से टेंडर जारी किया गया है। इसमें ठेकेदारों को 20 नवंबर तक आवेदन जमा करने होंगे। टेंडर 21 नवंबर को खोला जाएगा। दरअसल शहर की सुंदरता को बिगाड़ रहे अवैध बैनर, पोस्टर और फ्लैक्स को हटाना नगर निगम के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। बार-बार मनाही के बाद भी अनाधिकृत रूप से प्रचार-प्रसार के लिए स्ट्रीट पोल, डिवाइडर, सरकारी संपत्ति की दीवारों पर बैनर चिपकाने से लोग बाज नहीं आ रहे। इससे एक ओर जहां शहर की खूबसूरती प्रभावित होती है, वहीं दूसरी ओर यातायात व्यवस्था पर भी असर पड़ता है। हालत ये है कि नगर निगम का जोन अमला आए दिन इन अवैध बैनर-पोस्टरों को हटाने में व्यस्त रहता है। अब यह जिम्मेदारी प्राइवेट वेंडरों को सौंपी जाएगी, ताकि शहर को साफ-सुथरा बनाया जा सके। निगम प्रशासन इस व्यवस्था पर सालाना करीब 10 लाख रुपए खर्च करेगा। शहर में ऐसा पहला मौका है, जब नगर निगम ने बैनर, पोस्टर और अवैध फ्लैक्स हटाने टेंडर प्रक्रिया अपनाई है। इससे नगर निगम के कर्मचारियों को रोजाना इस कार्य में नहीं लगना पड़ेगा, साथ ही शहर की सफाई व्यवस्था में सुधार होगा। शहरभर में अलग-अलग जगहों पर करीब 60 हजार से अधिक स्ट्रील पोल लगाए गए हैं, जिन पर हर समय विज्ञापन, धार्मिक, शैक्षणिक, राजनीतिक, व्यावसायिक बैनर-पोस्टर चिपकाने से पोल की सुंदरता प्रभावित होती है। इसके साथ ही सार्वजनिक संपत्ति की दीवारों, डिवाइडर और चौराहे अवैध बैनर, पोस्टर से पटे पड़े हैं।

## शीतकालीन सत्र में सरकार पेश करेगी अनुपूरक बजट, विभागों से राशि के प्रस्ताव, अनुपूरक राशि के प्रस्ताव

**रायपुर।** राज्य सरकार दिसंबर में होने वाले राज्य विधानसभा के शीतकालीन सत्र में अनुपूरक बजट पेश करेगी। इस संबंध में वित्त विभाग ने सरकार के सभी विभागों से अनुपूरक राशि के प्रस्ताव मंगाए हैं, इस काम के लिए 6 नवंबर तक का समय दिया गया है।

वित्त विभाग द्वारा इस संबंध में जारी आदेश में कहा गया है कि वर्ष 2025-2026 का अनुपूरक अनुमान आगामी विधानसभा सत्र दिसबर-2025 में प्रस्तुत किया जाना है। अनुपूरक अनुमान से संबंधित प्रस्ताव निर्धारित प्रारूप में 6 नवंबर तक वित्त विभाग को उपलब्ध कराएं। प्रस्ताव इस आधार पर होंगे। आकस्मिकता निधि अदिन प्रतिपूर्ति संबंधी प्रस्ताव। बजट सत्र के पश्चात केंद्र सरकार से प्राप्त राशि के परिप्रेक्ष्य में अनुपूरक प्रस्ताव। मुख्यमंत्री की विगत वित्तीय वर्ष की घोषणा संबंधी प्रस्ताव। वर्ष 2025-26 ने मुख्य बजट अनुमान में शामिल वे योजनाएं जिनमें अतिरिका राशि की आवश्यकता हो। ऐसी सभी मदों का जिनमें 31 मार्च, 2025 तक अतिरिक्त राशि की आवश्यकता है ।

## राशिफल

**मेष** किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकता है। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी।

**वृष** बातचीत में सन्तुलित रहें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। अनियोजित खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**मिथुन** मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। क्रोध से बचें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।

**कर्क** परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जाना हो सकता है। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे।

**सिंह** मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। अफसरों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। सफलता के योग बन रहे हैं।

**कन्या** पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सुस्वादु खान-पान में रुचि बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

**तुला** शैक्षिक कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

**वृश्चिक** किसी पैतृक सम्पत्ति के लिए विवाद की स्थिति बन सकती है। वाहन के रख-रखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

**धनु** मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। लाभ के अवसर मिल सकते हैं। परिवार में सद्भाव बनाये रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

**मकर** मन अशान्त रहेगा। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चिकित्सीय खर्च बढ़ेंगे। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

**कुंभ** मन शान्त रहेगा। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। जीवनसाथी के परिवार के किसी बुजुर्ग से धन की प्राप्ति हो सकती है।

**मीन** संयत रहें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है।नए कारोबार की शुरुआत हो सकती है।

# जिला पंचायत सदस्य के साथ रेप, फूड इंस्पेक्टर को उम्रकैद

हरिभूमि न्यूजःरायपुर

जिला पंचायत की महिला सदस्य को शादी करने का झांसा देकर प्रेम जाल में फंसाने और उसके बाद उसका अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर रेप करने के आरोपी को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। घटना खम्हारडीह थाना क्षेत्र में दो वर्ष पूर्व की है। मामले की सुनवाई पंकज सिन्हा की स्पेशल कोर्ट में हुई है। जिला पंचायत सदस्य बलौदाबाजार की है।

विशेष लोक अभियोजक उमाशंकर वर्मा के अनुसार कोर्ट ने प्रहलाद राठौर को कैद की सजा सुनाई है। महिला ने प्रहलाद राठौर के खिलाफ 28 फरवरी 2023 को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि बलौदाबाजार में पदस्थ फूड इंस्पेक्टर प्रहलाद राठौर के साथ काम के सिलसिले में जान पहचान हुई थी। दोनों ने एक दूसरे का मोबाइल नंबर शेयर किया था। प्रहलाद ने अपने आपको अविवाहित बताते हुए जिला पंचायत सदस्य को शादी करने का झांसा देकर प्रेम जाल में फंसाया। दोनों डेढ़ साल तक एक दूसरे के साथ रिलेशन में रहे। इस दौरान महिला को फूड इंस्पेक्टर के विवाहित होने की जानकारी मिली। विवाहित होने की जानकारी मिलने पर महिला ने फूड इंस्पेक्टर से ब्रेकअप कर लिया।

**पांच अन्य दोषमुक्त, जिला पंचायत सदस्य को बंधक बनाकर फूड इंस्पेक्टर ने किया था रेप**

### वीडियो वायरल करने की धमकी देकर रेप

महिला ने कोर्ट में बयान दिया है कि 31 जनवरी 2023 को वह अपने किसी काम से दुर्ग गई थी। इस दौरान फूड इंस्पेक्टर ने महिला को उसके अश्लील वीडियो होने की बात कह कर पचपेड़ी नाका के पास बुलाया। इसके बाद महिला को अपने साथ कार में बैठाकर कचना स्थित ओयो होटल में ले गया। होटल के कमरे में महिला को उसका अश्लील वीडियो दिखाकर उसके स्कार्फ से महिला का हाथ मुंह बांधकर रेप किया। दूसरे दिन महिला को सारंगढ़ रोड स्थित बलौदाबाजार, भठगांव के पास एक तालाब किनारे ले जाकर कार में महिला के साथ जबरदस्ती की।

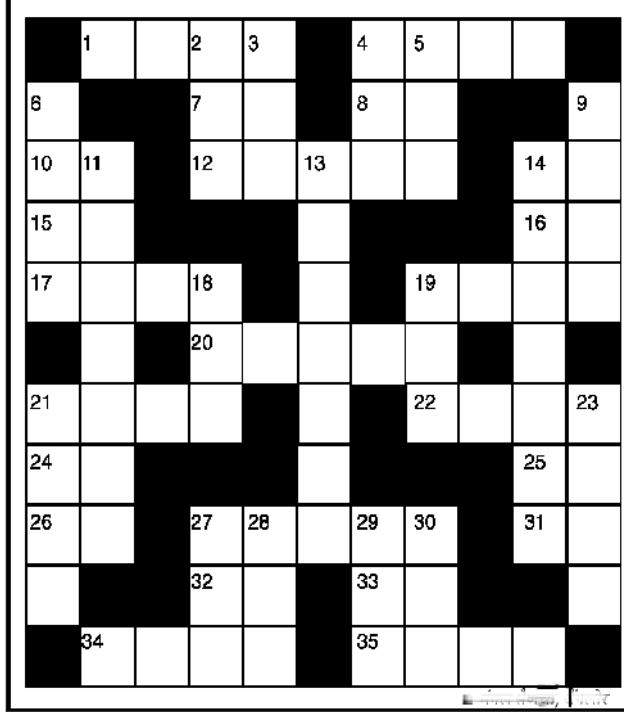

## शब्द पहेली - 6039



**बाएँ से दाए-**

1. एक असुर जिसे शिव ने वरदान दिया था -4
4. दान देने वाला-4
7. सवारी गाड़ी-2
8. संख्या, रत्न-2
10. जाप, मंत्र पाठ-2
12. आक्रमणकारी-5
14. अपशिष्ट पदार्थ-2
15. दिन, प्रहार-2
16. भीगा हुआ-2
17. शिशु, पैदा हुआ बच्चा-4
19. कीमती-4
20. आलसी, निष्ठाहीन-5
21. जिसे दीक्षा नहीं दी गई हो-5
22. गारंटी, मुचलका-4
24. रिश्तेदार-2
25. शेर, नाहर-2
26. पिटाई, चोट-2
27. निम्नता, न्यूनता-5
31. परिणाम, निष्कर्ष-2
32. महेंद्रसिंह धोनी को इस नाम से भी जानते हैं-2
33. मूल, कंद-2
34. उदाहरणार्थ-4
35. पितृपक्ष-4

**ऊपर से नीचे**

2. सवेरा, भोर-3
3. सांभर जैसा आहार -3
4. दैत्य, असुर-3
5. शहर-3
6. तरुण, जवान-4
9. एक महीन व कीमती कपड़ा-4
11. ईश्वर, रब-7
13. डांट, फटकार, भर्त्सना -3,4
14. भारत के पुर्व प्रधानमंत्री-5,2
18. अधीन-3
19. निवेदन, प्रार्थना-3
21. असमतल-4
23. धमाका, सनसनी-4
27. करिश्मा-3
28. बारीक-3
29. कपड़े धोनेवाला-3
30. पिटाई करना, भांपना-3

**शब्द पहेली - 6038 का हल**



## सूडोकु नवताल - 6049

★★★★★ कठिनतम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 4 | | | 9 | | | |
| | 2 | | | 8 | 4 | | | |
| 8 | | | | | | 3 | | |
| | | | | | | | 9 | 4 |
| | 3 | | | | | | 7 | |
| 5 | 6 | | | | | | | |
| | | 7 | | | | | | 9 |
| | | | 2 | 5 | | | 8 | |
| | | | 6 | | | 2 | | |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल - 6048 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 9 | 1 | 2 | 8 | 4 | 3 | 6 | 7 |
| 6 | 4 | 2 | 3 | 5 | 7 | 9 | 1 | 8 |
| 8 | 3 | 7 | 9 | 6 | 1 | 4 | 2 | 5 |
| 4 | 7 | 5 | 8 | 2 | 6 | 1 | 9 | 3 |
| 3 | 6 | 9 | 7 | 1 | 5 | 8 | 4 | 2 |
| 1 | 2 | 8 | 4 | 3 | 9 | 7 | 5 | 6 |
| 7 | 5 | 6 | 1 | 9 | 8 | 2 | 3 | 4 |
| 9 | 8 | 3 | 5 | 4 | 2 | 6 | 7 | 1 |
| 2 | 1 | 4 | 6 | 7 | 3 | 5 | 8 | 9 |

## नेता प्रतिपक्ष ने राज्यपाल को लिखा पत्र

# धान खरीदी में गड़बड़ी, भ्रष्टाचार से 11 हजार करोड़ से अधिक की हानि

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने छत्तीसगढ़ के राज्यपाल को पत्र भेजकर कहा है कि समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की योजना के संचालन में व्याप्त कुप्रबंधनों तथा भ्रष्टाचार के कारण राज्य को होने वाली 11,000 करोड़ से अधिक की हानि के मामले में जांच होनी चाहिए।

■ महंत का आरोप, राज्यपाल से की जांच की मांग

नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने कहा कि समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन की योजना राज्य सरकार की सबसे बड़ी योजना है, इसके अंतर्गत 25 लाख से अधिक किसानों का धान प्रतिवर्ष खरीदा जाता है। दिसम्बर 2023 से राज्य में विष्णुदेव साय की सरकार है। इस सरकार ने समर्थन मूल्य पर खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में 145 लाख मीट्रिक टन तथा 2024-25 में 149 लाख मीट्रिक टन धान खरीदा है। धान की खरीदी से निराकरण करने तक में व्याप्त कुप्रबंधनों और भ्रष्टाचार के कारण राज्य को 11000 करोड़ रुपयों से अधिक की हानि होने जा रही है। इस हानि की प्रतिपूर्ति राज्य के बजट से की जाती है, इसलिए राज्य के व्यापक हित में यह आवश्यक है कि कुप्रबंधन तथा भ्रष्टाचार की जांच कराई जाए, दोषियों को दंडित किया जाए तथा व्यवस्था में सुधार किया जाए।



नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने कहा कि, खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर खरीदी में अनियमितता खरीदे गये धान का समय पर निराकरण करने में असफल रहने, समुचित रख-रखाव नहीं करने तथा भ्रष्टाचारों के कारण धान खरीदी केन्द्रों पर 3,94,480 क्विंटल धान लागत मूल्य रू. 158 करोड़ की तथा धान संग्रहण केन्द्रों पर 2,24,234 क्विंटल धान लागत मूल्य रू. 90 करोड़ की क्षति हो चुकी है। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में धान खरीदी केन्द्रों पर 6,85,291 क्विंटल लागत मूल्य रू. 274 करोड़ की क्षति हो चुकी है। धान संग्रहण केन्द्रों पर दिनांक 04.11.2025 की स्थिति में 24,09,979 क्विंटल धान लागत मूल्य रू. 964 करोड़ का शेष है, जो खराब हो चुका है।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने कहा कि, खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में केंद्रीय पूल में सम्पूर्ण अतिशेष चावल नहीं लिये जाने के कारण 2,20,00,000 क्विंटल धान का विक्रय लागत से अधिक मूल्य पर करना पड़ा है जिसमें कम से कम रू. 4400 करोड़ की हानि होगी।

नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने कहा कि, समर्थन मूल्य पर खरीदे गये धान पर कई मदों में भारत सरकार से कम दर पर राशि प्राप्त होने के कारण तथा केंद्रीय पूल में भारतीय खाद्य निगम द्वारा अत्यधिक धीमी गति से चावल उपार्जन करने के कारण अनिराकृत धान पर ब्याज तथा रख-रखाव आदि का अतिरिक्त आर्थिक भार राज्य पर आता है। इन कारणों से भी प्रति क्विंटल लगभग रू. 200.00 की हानि होती है। इस प्रकार विगत दो वर्षों की हानि की राशि रू. 5,400 करोड़ होगी। नेता प्रतिपक्ष डॉ. महंत ने कहा कि, इस प्रकार होने वाली कुल हानि 11,286 करोड़ में से अधिकांश हानि कुप्रबंधनों तथा भ्रष्टाचार के कारण हो रही है। व्यापक जांच करवाने का आदेश करे तथा आने वाले वर्षों में कुप्रबंधनों तथा भ्रष्टाचारों की पुनरावृत्तियों को रोके जाने के उपाय करने हेतु राज्य सरकार को निर्देशित करें।

# 5 हजार करोड़ रिलीज, छत्तीसगढ़ में 5 करोड़, बिहार में सबसे ज्यादा 100 करोड़ से अधिक राशि निवेशकों को लौटाई

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

देशभर के सहारा इंडिया के निवेशकों को उनके डूबे पैसे सहारा रिफंड पोर्टल के माध्यम से लौटाए जा रहे हैं। इसके लिए लगातार निवेशकों को राशि लौटाने के लिए फंड भी जारी किया जा रहा है। बीते अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में 5 हजार करोड़ रुपए की राशि सभी राज्यों के निवेशकों के लिए जारी की गई है, लेकिन इस राशि में से छत्तीसगढ़ के निवेशकों को लगभग 8 से 10 करोड़ रुपए की राशि लौटाई गई है, वहीं बिहार के निवेशकों को लगभग 100 करोड़ रुपए से अधिक की राशि लौटाई गई है। हालांकि यह संभावित आंकड़ा है। छत्तीसगढ़ सहारा इंडिया ब्रांच के कुछ प्रमुख लोगों ने इस आंकड़े के अनुसार राशि लौटाए जाने की संभावना जताई है। उनका कहना है कि पांच हजार करोड़ की राशि रिलीज जरूर हुई है, लेकिन चुनाव के मद्देनजर सबसे ज्यादा राशि बिहार के निवेशकों को लौटाई गई है। यही वजह है कि इतनी बड़ी राशि रिलीज होने के बाद भी छत्तीसगढ़ में बहुत कम निवेशकों को डूबी राशि मिल पा रही है।

सहारा इंडिया रिफंड पोर्टल के माध्यम से अक्टूबर में रिलीज हुई राशि के बाद अब निवेशकों को 30 हजार से लेकर 50 हजार रुपए तक राशि लौटाई जा रही है। इससे पहले निवेशकों को 10 हजार से राशि लौटाने की शुरुआत की गई थी। इसके बाद इस राशि को 20 हजार रुपए किया था। जैसे-जैसे निवेशकों को राशि लौटाए जाने के लिए फंड रिलीज किया जा रहा है, वैसे-वैसे लौटाई जाने वाली राशि में भी वृद्धि की जा रही है। सहारा इंडिया ब्रांच के सूत्रों के अनुसार अक्टूबर में रिलीज हुई राशि के बाद अब निवेशकों को 30 हजार से लेकर 50 हजार रुपए तक लौटाई जा रही है। बताया जा रहा है कि वर्ष 2026 से इस राशि को बढ़ाकर सीधे 5 लाख रुपए तक किया जाएगा। इस तरह नववर्ष से सहारा में 50 लाख से अधिक डूबी राशि वाले निवेशकों को भी 5 लाख रुपए तक राशि लौटाई जाएगी।

### 30 से 50 हजार रुपए तक मिल रही राशि, नववर्ष से 5 लाख तक मिलेगी

छत्तीसगढ़ में 25 लाख से ज्यादा परिवारों ने सहारा इंडिया के विभिन्न स्कीमों में 20 हजार करोड़ से अधिक की राशि फंसी हुई है। बताया गया है कि इनमें से अब तक 35 हजार के करीब निवेशकों को 40 करोड़ रुपए से अधिक की राशि लौटाई जा चुकी है। जिन निवेशकों को राशि लौटाई है, वे सभी छोटे निवेशक हैं। बड़े निवेशकों को राशि मिलना अभी तक शुरू नहीं हुआ है। संभवतः वर्ष 2026 से बड़े निवेशकों को भी राशि मिलनी शुरू हो जाएगी। प्रदेश में रिफंड की गई राशि में सबसे ज्यादा दुर्ग जिले के निवेशक हैं। इस जिले में सात करोड़ से अधिक राशि लौटाई जा चुकी है। इसके अलावा रायपुर, बिलासपुर, गरियाबंद, मुंगेली, भाटापारा-बलौदाबाजार, रायगढ़, महासमुंद, धमतरी, जांजगीर-चांपा, अंबिकापुर, राजनांदगांव, कवर्धा सहित अन्य कई जिलों में 50 लाख से लेकर 5 करोड़ रुपए तक राशि निवेशकों को लौटाई गई है।

### सहारा इंडिया के मुख्य सहित सभी कार्यालयों के कर्मचारी हड़ताल पर

सहारा इंडिया ब्रांच रायपुर के कुछ प्रमुख लोगों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि दीपावली से पहले सहारा इंडिया के अन्य सभी कार्यालयों के साथ लखनऊ मुख्य ब्रांच कार्यालय भी बंद हो गया है। इस कार्यालय के सभी कर्मचारी दीपावली के पहले ही वेतन नहीं मिलने के कारण हड़ताल पर चले गए हैं। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां पोर्टल के माध्यम से निवेशकों को उनके डूबे पैसे वापस किए जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कर्मचारियों को ही वेतन नहीं दिया जा रहा है। ऐसे में देशभर में सहारा इंडिया के ब्रांचों के बंद होने के बाद भी संभाले हुए हैं, उन्हें अब अपनी चिंता सताने लगी है, क्योंकि सैलेरी के साथ उनके भी लाखों-करोड़ रुपए सहारा में फंसे हुए हैं।

### अक्टूबर में पांच हजार करोड़ रिलीज

जानकारी मिली है कि अक्टूबर में पांच हजार करोड़ रुपए रिलीज हुए हैं, लेकिन चुनाव के कारण बिहार के निवेशकों को अन्य राज्यों की तुलना में सबसे ज्यादा राशि लौटाई गई हैं। छत्तीसगढ़ में बहुत कम निवेशकों को राशि लौटाई गई है।

**- विनय सिंह राजपूत,** प्रदेश अध्यक्ष, सहारा पीड़ित जमाकर्ता-कार्यकर्ता कल्याण संघ

## हर साल खुले कुंए में गिरने से 15 से 20 वन्यजीवों की होती है मौतें

# वनक्षेत्र से सटे गांवों में कितने खुले कुंए और दलदली जमीन, विभागीय अफसरों को नहीं है जानकारी

हरिभूमि न्यूजःरायपुर

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर भी वन विभाग के अफसर ओपन वेल (खुला कुंआ) में सुरक्षा दीवार खड़ी करने गंभीर नहीं हैं। विभागीय अफसरों को राज्य के अलग-अलग वनमंडल के वनक्षेत्र में कितने खुले कुंआ होने के साथ दलदली जमीन है, इसकी जानकारी नहीं है। साथ ही वनक्षेत्र के गैर जरूरी कुंओं को पाटने का काम विभागीय अफसरों को कराना है। वह भी इनके द्वारा नहीं किया जा रहा है। इसके कारण मूक वन्यजीव खुले कुंए मे गिर रहे हैं। यही कारण है कि बलौदाबाजार वनमंडल के बारनवापारा के खुले कुंए में एक साथ एक शावक सहित तीन हाथी गिर गए, जिसे रेस्क्यू कर निकालना पड़ा।



कांकेर तथा भानुप्रतापपुर के वनक्षेत्र में 20 हजार के करीब खुला कुंआ है। इसी तरह से जशपुर, तथा सरगुजा क्षेत्र के वनक्षेत्र में रहने वाले ज्यादातर ग्रामीण बोरवेल की जगह कुंए से पानी लेते हैं, सभी कुंए ओपन हैं। वन्यजीव पानी की तलाश में कुंआ में कूद जाते हैं या शिकार के दौरान गिर जाते हैं। रहवासी क्षेत्र के कुंए में गिरे वन्यजीव को रेस्क्यू कर लिया जाता है। वनक्षेत्र में गिरे वन्यजीवों की खुले कुंए में गिरने की जानकारी नहीं मिलने पर वन्यजीवों की डूबने से मौत हो जाती है। बारनवापारा में जिस खुले कुंए में हाथी गिरे थे, उन हाथियों की चिंघाड़ की वजह से लोगों को कुंए में हाथी गिरने की जानकारी मिली।

किस वनक्षेत्र में कितना कीचड़ युक्त दलदली जमीन के साथ खुले कुंए हैं, इसकी जानकारी जीपीएस की मदद से जुटाई जा सकती है। इसके बाद कार्ययोजना बनाकर खुले कुंओं के ऊपर कवर ढकने से लेकर सुरक्षा दीवार खड़ी करने की बात जानकार बता रहे हैं। जानकार सवाल उठा रहे हैं कि बलौदाबाजार वनमंडल हाथी प्रभावित क्षेत्र है। जिस कुंए में शावक सहित तीन हाथी गिरे, उस कुंए की चौड़ाई कितनी रही होगी। ऐसे कुओं में जानकार तत्काल सुरक्षा दीवार खड़ी करने की बात कह रहे हैं।

खुले कुंओं में अब तक कितने वन्यजीव गिरे, इसकी जानकारी विभागीय अफसरों को भी नहीं है। खुले कुंए में गिरने से वन्यजीव की मौत होने पर विभागीय अफसर पीओआर दर्ज कर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो जाते हैं। खुले कुंए में गिरे वन्यजीव की मौत की जानकारी लोगों तक नहीं पहुंचती, उसकी विभागीय अफसर पीओआर भी दर्ज नहीं करते। चालू वित्त वर्ष में अलग-अलग वनमंडल में 1068 कुंओं में सिक्यूरिटी वाल खड़ी करने कैंपा मद से साढ़े 34 करोड़ रुपए मिले हैं। उक्त राशि में से कांकेर वनमंडल के छोड़ अन्य वनमंडल के अफसरों ने अपने क्षेत्र के खुले कुंओं में सुरक्षा दीवार खड़ी करने कोई रुचि नहीं दिखाई। कैंपा मद ने सभी वनमंडलों को राशि भी जारी कर दी है।

### गणना हो चुकी है

ओपन वेल की गणना हो चुकी है, सुरक्षा दीवार खड़ी करने पैसा मिलने लगा है। वन तथा वनक्षेत्र से सटे गांव के ओपन वेल में जल्द ही सुरक्षा दीवार खड़ी की जाएगी।

**- अरुण कुमार पाण्डेय,** पीसीसीएफ, वाइल्ड लाइफ

## पुस्तक और कला प्रदर्शनी में झलकी छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक धरोहर

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के अवसर पर हिदायतुल्लाह राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय (एचएनएलयू) द्वारा विश्वविद्यालय पुस्तकालय में एक विशेष पुस्तक एवं कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस बार प्रदर्शनी का उद्देश्य राज्य स्थापना दिवस को संस्कृति और कला के दृष्टिकोण से मनाना था। यह कार्यक्रम लर्निंग रिसोर्सेज कमेटी एलआरसी और एचएनएलयू के छात्रों के संयुक्त प्रयासों से प्रो. डॉ. विष्णु कोनूरायर, फैकल्टी संयोजक, एलआरसी के मार्गदर्शन में हुआ। इसी दौरान छात्रों ने कहा कि यह प्रदर्शनी न केवल सुसंगठित और सूचनाप्रद थी, बल्कि इससे उन्हें छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत के प्रति नई समझ और सम्मान प्राप्त हुआ। प्रदर्शनी में स्थानीय कलाकारों की चित्रकृतियों का मनमोहक प्रदर्शन किया गया, जिनमें छत्तीसगढ़ की जनजातीय परंपराओं और सांस्कृतिक विविधता को जीवंत रूप में चित्रित किया गया था। प्रदर्शनी में कुलपति प्रो. डॉ. वीसी विवेकानंदन, कुलसचिव डॉ. दीपक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. डॉ. विष्णु कोनूरायर एवं अन्य प्राध्यापकों की उपस्थिति रही।

**Home First Finance Company India Limited**
CIN: L65990MH2010PLC240703,
Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

**धारा 13 (2) के तहत मांग सूचना**

आप, नीचे उल्लिखित ऋणधारकों ने अनुसूची में उल्लिखित संपत्ति को बंधक रखकर ऋण लिया है और आप, नीचे उल्लिखित ऋणधारक ऋण समझौते के लिए ऋणधारक/सह-ऋणधारक जमानतदार के रूप में खड़े हैं। आपके द्वारा किए गए चूक के परिणामस्वरूप, आपके ऋण खाते को वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (संक्षेप में सरफेसी अधिनियम) के प्रावधानों के तहत 03-11-2025 को गैर-निष्पादित परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया गया है। हम, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड ने आपके द्वारा दिए गए पते पर सरफेसी अधिनियम की धारा 13(13) के साथ धारा 13(2) के तहत मांग नोटिस जारी किया है। उक्त नोटिस 03-11-2025 को जारी किए गए हैं और इन नोटिसों में कहा गया है कि आपने आपको स्वीकृत विभिन्न ऋणों के भुगतान में चूक की है। इसलिए, वर्तमान प्रकाशन सरफेसी अधिनियम की धारा 13(2) के प्रावधान और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3(1) के प्रावधान के अनुसार नोटिस देने के लिए किया गया है:

| क्र. सं. | खाते, ऋणधारक (ओं) व जमानतदार (ओं) का नाम और पता | लागू की जाने वाली सुरक्षा का विवरण | मांग सूचना की तिथि तक कुल बकाया राशि तथा अतिरिक्त ब्याज और अन्य व्यय (रुपये में) |
|---|---|---|---|
| 1 | अजीत कुमार यादव, बृहस्पति यादव, हेम कुँवर | ख.नं. 365/2, मौजा मुढ़ीपार, प. ह. नं. 09, रा. नि. मं. व तह. बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि, पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-निस्तारी रास्ता। | 4,84,182 |
| 2 | सूरज सिंह ठाकुर, कांति ठाकुर | प्लाट नं. 24, शीट नं. 36, ख. नं. 480/15, प. ह. नं. 41/37, मौजा सिरगिट्टी, तहसील एवं विकासखंड-बिलासपुर, जिला बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-सड़क, पश्चिम-महेश कामड़ी की भूमि, उत्तर-बसंत लाल की भूमि, दक्षिण-रमेश पांडे की भूमि। | 5,12,030 |
| 3 | दीपक तंबोली, अनिता तंबोली | ख. नं. 47/5 का भाग, पटवारी हलका संख्या 41, ग्राम सैदा म. नं. -06, राजस्व निरीक्षक अमसेना, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495004 चौहद्दी: उत्तर-20 फीट चौड़ी सड़क, दक्षिण-संतोष दुबे की भूमि, पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-राजकुमारी की भूमि। | 5,82,938 |
| 4 | सूरज कुमार राठौड़, कृष्ण चंद राठौड़ | ख. नं. 45/10 (भाग), मौजा कादर, म. नं. 02, प. ह. नं. 07, रा. नि. मं. बोदरी, तहसील बोदरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-विक्रेता का प्लाट, उत्तर-सड़क, दक्षिण-विजय का प्लाट। | 6,16,691 |
| 5 | ओम प्रकाश केंवट, अघनिया बाई | ख. नं. 248/3 (भाग), सैदा म. नं. 06, प्लाट नंबर-13/1, प.ह.नं. 41, शीट नंबर-14, अमसेना बिलासपुर, तहसील-सकरी व जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-रामेश्वर सोनी का प्लॉट, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-दिनेश तिवारी का प्लॉट। | 7,49,181 |
| 6 | वीरेंद्र लहरे, सुनीता लहरे | ख. नं.-33/6, मौजा गनियारी, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, विकासखंड तखतपुर तह. सकरी व जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: उत्तर-विक्रेता की शेष भूमि, दक्षिण-बिल्लू की भूमि, पूर्व-आशीष व दुजेराम की भूमि, पश्चिम-सड़क। | 7,61,696 |
| 7 | संतोषी यादव, रमेश यादव | ख. नं. 451/13, मौजा बहतराई, प.ह.नं. 48, रा.नि.मं. मोपका, विकासखंड बिल्हा, तहसील व जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी:पूर्व- चंदू गुप्ता का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-श्याम कुमारी राजपूत का प्लॉट। | 7,71,705 |
| 8 | खिलेश कुमार साहू, दुर्गा प्रसाद साहू, योगेश साहू, जलावती साहू | ख.नं. 519/19, मौजा तिलसरा, प.ह.नं. 09, रा.नि.मं. बिल्हा, ब्लॉक व तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि, पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-अन्य की भूमि। | 8,17,893 |
| 9 | जिज्ञासा नरेश कुमार गोंड, भगवती मरकाम | ख. नं.-957/1, प.ह.नं. 05, मौजा कोटा, ख.नं. 957/1, प.ह.नं.- 5, मौजा कोटा, तहसील कोटा, जिला बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-निस्तारी रास्ता, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट। | 8,18,107 |
| 10 | आयुष कुमार, अनिता यादव | ख.नं. 360/1, मौजा-मुढ़ीपार, प.ह.नं. 9, रा.नि.मं.-बिल्हा, तह. - बिल्हा, जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि, उत्तर-जगन्नाथ धुरी की भूमि, दक्षिण-निस्तारी रास्ता। | 8,27,467 |
| 11 | कृष्णा भारती, संतोष भारती, संतोषी बाई | ख.नं. 360/1भाग, प.ह.नं. 09, ग्राम मुढ़ीपारा, रा.नि.मं. बिल्हा, तहसील बिल्हा (नई बोदरी) जिला बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी : पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि, उत्तर-जगन्नाथ धुरी की भूमि, दक्षिण-निस्तारी रास्ता। | 8,41,657 |
| 12 | तिजिया साहू, बहरत लाल साहू | ख. नं. 360/1भाग, प.ह.नं. 09, ग्राम मुढ़ीपारा, रा.नि.मं. बिल्हा, तहसील बिल्हा (नई बोदरी) जिला बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी : पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि, उत्तर-जगन्नाथ धुरी की भूमि, दक्षिण-निस्तारी रास्ता। | 8,44,160 |
| 13 | मनीष प्रजापति, संदीप प्रजापति, आधीनिया बाई प्रजापति | ख. नं.-957/1, प.ह.नं.-5, मौजा कोटा, तहसील कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-सरकारी भूमि, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट। | 8,48,933 |
| 14 | नीलेश बंजारे, पूर्णिमा बंजारे | ख. नं. 217/1, मौजा उमरिया म.नं.02, प.ह.नं. 19, रा.नि.मं. बिल्हा विकास खंड, तह. बिल्हा व जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि, उत्तर-सड़क, दक्षिण-रामजीवन की भूमि। | 8,60,233 |
| 15 | विकास सोनी, भुनेश्वरी सोनी | ख.नं. 360/1 भाग, प.ह.नं. 09, ग्राम मुढ़ीपार, रा.नि.मं. बिल्हा, तहसील बिल्हा (नया बोदरी) जिला बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: उत्तर-निस्तारी रास्ता, दक्षिण-दीपक राठौर की भूमि, पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि। | 8,60,477 |
| 16 | रंजीता यादव, सुनील यादव | ख.नं.-957/1, प.ह.नं.-5, मौजा कोटा, तहसील कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-अन्य की भूमि, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-रवि शंकर की भूमि, दक्षिण-राजेश की भूमि। | 8,66,369 |
| 17 | कोमल माधवानी, सुरेश माधवानी | ख. नं.-957/10, प.ह.नं.-5, मौजा कोटा, तहसील-कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495006 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-निस्तारी मार्ग, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-निस्तारी रास्ता। | 8,79,698 |
| 18 | हार्दिक पटेल, कौशिल्या पटेल | ख.नं. 126/84, मौजा पत्थरखान, प.ह. नं. 16/30, रा.नि.मं. बिल्हा, विकासखंड व तहसील बिल्हा, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लाट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर- विक्रेता का प्लाट, दक्षिण-विक्रेता का प्लाट। | 8,80,877 |
| 19 | लता बाई, राजू बघेल | ख. नं.-957/1, प.ह.नं.-5, मौजा- कोटा, विकास खंड, तहसील-कोटा, जिला-बिलासपुर (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495006 चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-विक्रेता की भूमि, उत्तर-रघु यादव की भूमि, दक्षिण-निस्तारी रास्ता। | 8,89,091 |
| 20 | परदेशी कश्यप, रुखमणी बाई कश्यप | ख.नं. 360/1 भाग, मौजा मुढ़ीपार, प.ह.नं. 9, रा.नि.मं. बिल्हा, तह-बिल्हा, जिला - बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495006 चौहद्दी: उत्तर-जगनाथ धुरी की भूमि, दक्षिण-निस्तारी रास्ता, पूर्व-भरत साहू की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि। | 9,02,514 |
| 21 | ज्योति प्रकाश, सोनकली डहरिया | ख. नं.-126/55 भाग, मौजा पत्थरखान प.ह.नं.16/30, रा.नि.मं.-बिल्हा बिलासपुर, तहसील-बिल्हा, जिला-बिलासपुर, (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-शोमनाथ का प्लॉट, उत्तर-रामेश्वरी लहरे का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता प्लॉट। | 9,04,258 |
| 22 | श्याम सुन्दर यादव, लता यादव, अक्ता यादव | ख.नं. 360/1, मौजा-मुढ़ीपार, प.ह.नं. 9, रा.नि.मं.- बिल्हा, तहसील-बिल्हा, जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-राजेश ताम्रकार की भूमि, पश्चिम-विक्रेता की भूमि, उत्तर-निस्तारी रास्ता, दक्षिण-दीपक राठौड़ की भूमि। | 9,13,956 |
| 23 | चुम्मन सिंह राजपूत, चंद्रकली राजपूत, अनिल कुमार चुम्मन वर्मा | डायवर्टेड आवासीय भूमि, शीट नंबर 3, भूखंड नंबर 42, ख. नं. 33/6 का हिस्सा, (क्षेत्रफल 1001 वर्गफीट का विक्रय अनुबंध ,) पटवारी हलका नंबर 50, ग्राम गनियारी, राजस्व निरीक्षक गनियारी, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर छत्तीसगढ़, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495006 चौहद्दी: उत्तर-द्वारिका श्रीवास की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि, पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-निस्तारी रास्ता। | 9,15,724 |
| 24 | सुदीप्त कुमार गरनायक, रोमलिन राउत | ख. नं.1704/6, मौजा निरतू, प.ह.नं. 53, प्लॉट नंबर-11/4, शीट नंबर-31, रा.नि.मं. पेंडारी, विकासखंड तखतपुर, तहसील सकरी, जिला, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-अन्य की भूमि, दक्षिण-विक्रेता का प्लाट। | 9,28,444 |
| 25 | राजेश कसेर ताम्रकार, पुष्पा ताम्रकार | ख. नं. 360/1, मौजा-मुढ़ीपार, प.ह.नं. 9, रा.नि.मं.- बिल्हा, तह-बिल्हा, जिला-बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम -विक्रेता की भूमि, उत्तर-निस्तारी रास्ता, दक्षिण-दीपक राठौड़ की भूमि। | 9,36,851 |
| 26 | द्वारिका प्रसाद श्रीवास, सरिता श्रीवास | ख.नं. 33/6, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, विकासखंड तखतपुर तह सकरी, एवं जिला. बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: उत्तर-सुनील कोरी की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि, पूर्व-विक्रेता की भूमि, पश्चिम-निस्तारी रास्ता। | 9,49,508 |
| 27 | पोषण कुमार वर्मा, भारती वर्मा | ख. नं.-321/20 [भाग], मौजा बोदरी, प.ह.नं. 01, ग्राम बोदरी म.नं.-5, तहसील और जिला-बिल्हा, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: उत्तर-नीरज मानिकपुरी की भूमि, दक्षिण-नागेश्वर कश्यप की भूमि, पूर्व-निर्मलकर की भूमि, पश्चिम-सी.सी. रोड़। | 10,07,117 |
| 28 | ममता लाल वर्मा, रामरतन वर्मा, शुकवारा बाई वर्मा | ख. नं.-2302/4, मौजा चोरभट्टीकला, प.ह.नं. 50, रा.नि.मं. गनियारी, तह. सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-श्यामलाल का प्लाट, उत्तर-निस्तारी रास्ता, दक्षिण-विक्रेता का प्लाट। | 10,10,059 |
| 29 | अमित कुमार जाटवर, पूजा जाटवर | ख.नं. 278, मौजा निरतु, प.ह.नं. 53, रा.नि.मं. पेंड्री विकासखंड, तह. तखतपुर व जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-निस्तारी रास्ता, पश्चिम-विक्रेता का प्लाट, उत्तर-निस्तारी रास्ता, दक्षिण-विक्रेता का प्लाट। | 10,85,350 |
| 30 | राज यादव, संतोष कुमार यादव, सुशीला यादव | ख. नं.37/62, मौजा सैदा म.न.-07, प.ह.नं. 41, रा.नि.मं. अमसेना, विकासखंड तखतपुर, तहसील सकरी जिला बिलासपुर छ.ग., बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-विक्रेता का प्लाट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लाट, दक्षिण-विक्रेता का प्लाट। | 10,94,648 |
| 31 | राम कुमार कौशिक, सुनैना बाई कौशिक, विनय कौशिक | प्लॉट नंबर 6, ख. नं.83/1 भाग, खसरा नंबर 83/25, मौजा मंगला, प.ह.नं. 35, रा.नि.मं. बिलासपुर, विकासखंड बिल्हा, तह एवं जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-सत्यरानी सिंह का मकान, पश्चिम-25 फीट चौड़ी सड़क, उत्तर-हीरा बाई यादव का मकान, दक्षिण-प्रवीण यादव का मकान। | 11,20,356 |
| 32 | अच्छे कुमार, जयसिंह साहू, नाहर बाई, संगीता साहू | ख.नं.-126/94, प.ह.नं. 30, मौजा पत्थरखान, रा.नि.मं. बिल्हा विकासखंड, तह. बिल्हा एवं जिला. बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-गोलू और कोमली का प्लॉट, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-विक्रेता का प्लॉट, दक्षिण-विक्रेता का प्लॉट। | 11,72,856 |
| 33 | देशराज अहिरवार, मंजू अहिरवार | ख.नं. 1704/3/क/2, प.ह.नं. 53, प्लॉट नं.10, शीट नंबर 31, तुर्काडीह चौक के पास, मौजा निरतू, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-20 फीट सड़क, पश्चिम-भोला श्रीवास की भूमि, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-विक्रेता की भूमि। | 12,70,987 |
| 34 | मेघनाथ गोंड, पुष्पा मरावी | ख.नं. 1704/3/क/2, शीट नं. 31, प्लॉट नं. 10, प.ह.नं. 53, मौजा निरतू, तुर्काडीह चौक के पास, करहीपारा, तहसील सकरी, जिला बिलासपुर, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-20 फीट सड़क, पश्चिम-भोला श्रीवास की भूमि, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-आशीष टंडन की भूमि। | 14,00,753 |
| 35 | धरम महिलांगे, खुशबू महिलांगे | ख.नं. 147/1 (भाग), प.ह.नं. 42, शीट नं. 4, शिव मंडी के पास, मौजा मेंड्रा, तहसील सकरी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-25 फीट प्रस्तावित सड़क, पश्चिम-निर्मलकर की भूमि, उत्तर-विक्रेता की भूमि, दक्षिण-तीजन बाई की भूमि। | 22,79,366 |
| 36 | पारस राम यादव, लता यादव | ख. नं. 143/4, मौजा-मेंड्रा, शीट नं. 05, प.ह.नं. 42, तहसील-सकरी, रा.नि.मं.-पेंडारी जिला-बिलासपुर, (छ.ग.), बिलासपुर, छत्तीसगढ़, 495001 चौहद्दी: पूर्व-भोजराम की भूमि, पश्चिम-निस्तारी रास्ता, उत्तर-लालाराम की भूमि, दक्षिण-सोलोमन की भूमि। | 23,27,553 |

आपसे अनुरोध है कि आप इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को उपरोक्त राशि ब्याज और लागत के साथ चुकाएं, अन्यथा होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड ऋणधारकों, बंधककर्ताओं और जमानतदारों की सुरक्षित संपत्तियों को अपने कब्जे में लेने सहित सभी या किसी एक या अधिक सुरक्षित संपत्तियों के खिलाफ उक्त अधिनियम के प्रावधानों के तहत आवश्यक कार्रवाई करेगी। उक्त अधिनियम के तहत होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को उपलब्ध शक्तियों में शामिल हैं-(1) ऋणधारकों/जमानतदारों की सुरक्षित संपत्तियों को कब्जे में लेने की शक्ति जिसमें सुरक्षित संपत्तियों को जारी करने के लिए पट्टे, बिक्री के असाइनमेंट के माध्यम से हस्तांतरण के अधिकार शामिल हैं (2) पट्टे, असाइनमेंट या बिक्री के माध्यम से हस्तांतरण के अधिकारों सहित सुरक्षित संपत्तियों का प्रबंधन अपने हाथ में लेना और सुरक्षित संपत्तियों को प्राप्त करना।

उक्त अधिनियम की धारा 13(13) के प्रावधानों के अनुसार, आपको होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड की पूर्व सहमति के बिना, बिक्री, पट्टे या अन्यथा (आपके व्यवसाय के सामान्य क्रम के अलावा) किसी भी सुरक्षित संपत्ति को होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड को हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया जाता है।

स्थान: बिलासपुर
दिनांक: 06-11-2025

द्वारा हस्ताक्षरित: प्राधिकृत अधिकारी
होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड

**प्रथम पृष्ठ का शेष**

## विभूतियों का सम्मान,...

संस्कृति और इसके प्रभावशाली सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन की झलक देखी। कार्यक्रम में राज्यपाल रमेन डेका, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह समेत कई अतिथि मौजूद थे। उपराष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ की असाधारण 25 वर्षों की यात्रा की सराहना की और कहा कि छत्तीसगढ़ भारत के सबसे युवा राज्यों में से एक होने से लेकर सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक क्षेत्रों में प्रगति के एक मॉडल के रूप में उभरा है। **आधुनिकीकरण और सांस्कृतिक जड़ों के संरक्षण में संतुलन** -छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक जीवंतता का जश्न मनाते हुए, उपराष्ट्रपति ने क्षेत्र के पारंपरिक नृत्यों जैसे पंथी और कर्मा, और इसकी समृद्ध आदिवासी कलाओं और शिल्पों की सराहना की। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ विविधता में एकता की भारतीय भावना का उदाहरण है, जहाँ सांस्कृतिक संरक्षण और आधुनिकीकरण साथ-साथ चलते हैं। वास्तविक प्रगति के अर्थ पर ज़ोर देते हुए, श्री सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि /"प्रगति केवल सकल घरेलू उत्पाद से नहीं, बल्कि लोगों के चेहरों पर मुस्कान, शासन में उनके विश्वास और हर बच्चे की आँखों में चमकती आशा से भी मापी जाती है।

## नक्सलवाद को समाप्त...

वाले लोगों किसानों, आदिवासी समुदायों, उद्यमियों, शिक्षकों और युवाओं की सराहना की। उन्होंने विशेष रूप से राज्य की अनुकरणीय सार्वजनिक वितरण प्रणाली की सराहना की, जो 72 लाख से अधिक लाभार्थियों को मुफ्त खाद्यान्न प्रदान करती है, और सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह को बधाई दी।

## सूर्य किरण प्रदर्शनी...

अंलकरण समारोह के साथ हुआ। पांच दिनों में 100 से अधिक कलाकारों के दलों ने कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इनमें से 95 दल छत्तीसगढ़ और पांच दल मुंबई के थे। इस दौरान कई जाने माने कलाकारों ने भी प्रस्तुति दी।

## 41 को अलंकरण...

सुनील सोनी समेत 41 नाम विशेष योगदान करने वालों को छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वालों में सामाजिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक, कलात्मक, खेल, सहकारिता और महिला सशक्तिकरण जैसे अलग अलग क्षेत्रों में बेहतरीन काम करने वाले शामिल हैं।

## रेल हादसाः सीआरएस ...

के हिस्सों को एक स्थान पर लाने के उपरांत पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल और सिम्स भेजा। इस दौरान अधिकारी भी देर रात तक तक लाइन को व्यवस्थित करने के साथ यात्रियों को सही सलामत बाहर निकालने में डटे रहे।

## बच्चे के सिर...

कुछ दिनों से तबीयत खराब थी, जिसका उपचार कराने के लिए अर्जुन यादव अपनी पत्नी और सास व बच्चे को लेकर मंगलवार की सुबह बिलासपुर से चांपा गए हुए थे। दोपहर 3 बजे कोरबा से बिलासपुर आने वाली लोकल से पूरा परिवार हंसते खेलते हुए वापस आ रहा था। पूरा परिवार इंजन के पीछे लगे कोच में सफर कर रहा था। गतौरा स्टेशन से ट्रेन छूटने के बाद और बिलासपुर स्टेशन में ट्रेन के पहुंचने से पहले अचानक बहुत तेज आवाज आई और यात्रियों ने चिखना चिल्लाना शुरु कर दिया। इस दर्दनाक हादसे में अर्जुन यादव उनकी पत्नी शीला यादव और मानमती यादव की मौके पर मौत हो गई और ढ़ाई साल के बच्चे के सिर से मां-बाप का साया उठा गया। वहीं कोच गिरने के कारण ढ़ाई साल के बच्चे के सिर, हाथ, पैर में भी गंभीर चोट पहुंची। बच्चे को तत्काल अपोलो हास्पिटल में उपचार के लिए भेजा गया। इस संबंध में अर्जुन यादव की बहन पूजा यादव ने बताया कि तीनों का शव अलग-अलग हास्पिटल में रखा हुआ था। उनके भाई अर्जुन यादव, भाभी पूजा यादव और नानी मानमती यादव के मौत की सूचना एक्सीडेंट के बाद मिल गई थी, लेकिन उन्हें खोजबीन करने में काफी समय लग गया। अब बच्चे के पालन पोषण की सारी जिम्मेदारी वे निभाएंगी।

## दो घंटे चली जांच ...

ट्रेन का हादसा हुआ था। हादसे के दूसरे दिन जांच करने के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अधीन दक्षिण पूर्व सर्किल कोलकाता के रेल सुरक्षा आयुक्त बीके मिश्रा सुबह जांच करने के लिए बिलासपुर पहुंचे। वे बिलासपुर डिवीजन के अधिकारियों के साथ पहले गतौरा स्टेशन पहुंचे, गतौरा से लालखदान तक ट्राली वैन से जाकर उन्होंने चार खंभों के बीच चारों लाइन के साथ दुर्घटनाग्रस्त कोच का निरीक्षण किया। दो घंटे तक लाइन और सिग्नल सहित अन्य जांच करने के साथ अधिकारियों से चर्चा की और ट्राली वैन से बिलासपुर स्टेशन की ओर रवाना हो गए। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को रेल हादसे में चालक सहित 11 यात्रियों की मौत और 20 से अधिक यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का उपचार रेल अस्पताल, जिला अस्पताल, सिम्स, अपोलो सहित अन्य अस्पतालों में किया जा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए रेल मंत्रालय ने तत्काल जांच की जिम्मेदारी दक्षिण पूर्व सर्किल कोलकाता के रेल सुरक्षा आयुक्त बीके मिश्रा को दी।जांच के दौरान श्री मिश्रा के साथ डीआरएम राजमल खोईवाल, संरक्षा विभाग, इंजीनियरिंग विभाग, आपरेटिंग विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी व स्टाफ उपस्थित थे।

## एक साल में दूसरी ...

दुर्घटनाएक साल के अंतराल में बिलासपुर रेल मंडल में दो बड़ी दुर्घटना हो गई है। पहली दुर्घटना पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान नवम्बर दिसम्बर माह में खोंगसरा-भनवारटंक के बीच कोयले से लोडेड मालगाड़ी के बेपटरी होने के कारण रेल प्रशासन को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ था। इसकी जांच करने के लिए रेल मंत्रालय ने आयुक्त रेल सेफ्टी बीके मिश्रा को जिम्मेदारी दी थी, जिसकी जांच पिछले एक वर्ष में कम्पलीट नहीं हो सकी है। इससे पहले भी सीआरएस की जांच और उनकी दी गई रिपोर्ट का खुलासा अब तक नहीं हुआ है।

## हादसे में होनहार ...

की सुबह अपने गांव से बिलासपुर के लिए निकली थी और लोकल मेमू ट्रेन से सफर कर रही थी। दोपहर करीब 3 बजे बिलासपुर के पास ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने की खबर आई। हादसे की सूचना मिलते ही परिवारजन सकते में आ गए। परिजनों ने कई बार प्रिया के मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। आशंका से घबराए पिता अशोक चंद्रा बिलासपुर पहुंचे, जहां देर रात उन्होंने अपनी बेटी के शव की पहचान की। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद बुधवार 5 नवंबर को प्रिया का पार्थिव शरीर गृह ग्राम बहेराडीह लाया गया। पूरे गांव में शोक का माहौल था। गमगीन वातावरण में पिता ने नम आंखों से अपनी लाडली को अंतिम विदाई दी।

## अन्नाराम और ...

क्षेत्र में सक्रिय अभियान पर हैं। अभियान के दौरान फिलहाल स्थिति पूरी तरह सामान्य है उन्होंने कहा कि सुरक्षा कारणों से जानकारी शेयर नहीं की जा रही है। सुरक्षाबलों के लौटने पर ऑपरेशन से सबधिंत जानकारी शेयर की जाएगी।

## अनिल पर संकट,...

मंत्रालय की शुरुआती जांच में बड़े पैमाने पर फंड डाइवर्जन और कंपनी एक्ट के उल्लंघन के संकेत मिले हैं। इसके बाद मामला एसएफआईओ को सौंपा गया है ताकि फंड के फ्लो और जिम्मेदारी तय करने के लिए विस्तृत जांच की जा सके। **किन कंपनियों पर कार्रवाई**- जिन कंपनियों पर जांच का दायरा बढ़ाया गया है, उनमें रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर, रिलायंस कम्युनिकेशंस, रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस और सीएलई प्राइवेट लिमिटेड जैसी फर्में शामिल हैं। जांच एजेंसियों का मानना है कि समूह की कई कंपनियों के बीच पैसों का कृत्रिम लेन-देन किया गया, जिससे फंड को एक से दूसरे खाते में ट्रांसफर कर उसकी असली स्थिति छिपाई जा सके।

## परिजन ने जिस ....

की पहचान कराने में जुट गई है। घटना शनिवार की है, जहां चंदरपुर गांव के सीमा मानपुर के पास एक कुएं में अज्ञात युवक का शव मिला। पुलिस ने जब शव का शिनाख्त कराया तो चंदरपुर गांव के पुरुषोत्तम के रूप में परिजन ने पहचान की। परिजन घटना के दूसरे दिन रविवार को शव को ले जाकर दफन कर अंतिम संस्कार कर दिया। अंतिम संस्कार तीसरे दिन के कार्यक्रम की तैयारी परिजन कर रहे थे तभी पुरुषोत्तम खुद घर पहुंच गया। मृतक को जिंदा देख परिजन के साथ पूरा गांव हैरान रह गया। पुरुषोत्तम ने बताया कि वह परिजन को बिना बताए अंबिकापुर अपने रिश्तेदार के पास काम की तलाश में चला गया था। जब उसके रिश्तेदारों को पुरुषोत्तम के अंतिम संस्कार की बात पता चली तो उसे लेकर घर पहुंचे। फिलहाल अब कोतवाली पुलिस अज्ञात मृतक के परिजन की तलाश शुरू कर दी है। इस संबंध में एएसपी संतोष महतो ने बताया कि शनिवार को मानपुर गांव में एक व्यक्ति का शव मिला था। शव का शिनाख्त कराने पर चंदरपुर निवासी परिजन ने शव की पहचान पुरुषोत्तम के रूप में किया। परिजन शव लेकर चले गए और दफना कर अंतिम संस्कार किया। इसी बीच तीसरे दिन बाद पता चला कि पुरुषोत्तम को कहीं देखा गया है। इसी बीच पुरुषोत्तम घर आया गया और बताया कि वह काम की तलाश में गया था। पुलिस ने पास मृतक के पहचान के लिए फोटो सहित अन्य सामान है। अब नए सिरे से मृतक की पहचान कराई जा रही है।

## राहुल बोले-हरियाणा...

में से लगभग 25 लाख फर्जी वोट थे, यानी हर आठ में से एक मतदाता फर्जी था। साथ ही साढ़े तीन लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काट दिए गए। इसके बावजूद कांग्रेस सरकार बनाने के लिए जरूरी आठ अतिरिक्त सीटों पर केवल 22,779 वोटों से विधानसभा चुनाव हारी। जबकि पूरे राज्य में कांग्रेस और भाजपा के बीच कुल 1.18 लाख वोटों का अंतर रहा। **ब्राजील की छोरी पर सवाल** - एक ब्राजीलियन मॉडल की तस्वीर दिखाते हुए वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने बताया कि उसका नाम 22 बार हरियाणा के दस बूथों की वोटर लिस्ट में अलग-अलग नामों (सीमा, स्वीटी, सरस्वती) से दर्ज था। उन्होंने दो बूथों पर 223 बार एक ही महिला का फोटो दिखाया। उत्तर प्रदेश की सीमा से लगती हुई होडल विधानसभा सीट का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि एक घर में 500 से ज्यादा वोटर दर्ज मिले। भाजपा के जिला परिषद के वाइस चेयरमैन उमेश के घर के पते पर 66 वोट पाए गए। मौके पर जांच में वहां यह मतदाता नहीं मिले। चुनाव आयोग का नियम है कि अगर किसी घर में दस से ज्यादा मतदाता हों, तो जाकर जांच की जाती है। लेकिन कोई जांच नहीं हुई। **यूपी वाले हरियाणा में कैसे** - राहुल गांधी ने डालचंद नाम के व्यक्ति का उत्तर प्रदेश के मंत्री लक्ष्मीनारायण के साथ फोटो दिखाते हुए कहा कि वे उत्तर प्रदेश के साथ-साथ हरियाणा में भी वोटर हैं। डालचंद का पुत्र भी दोनों जगह वोटर है। मथुरा के एक गांव के सरपंच प्रह्लाद का नाम भी हरियाणा की वोटर लिस्ट में है। उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में ऐसे लोगों की तादाद हजारों में है, जिनका भाजपा से जुड़ाव है। उन्होंने हाउस नंबर ज़ीरो वाले पतों पर भी सवाल उठाए, जो चुनाव आयोग के अनुसार बेघर लोगों के लिए है। उन्होंने दिखाया कि इसका इस्तेमाल पहचान छुपाने के लिए किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि पूरे राज्य में 1,24,177 फर्जी ब्लर तस्वीरों वाले मतदाता मिले। **सीसीटीवी फुटेज क्यों नहीं देता आयोग** -कांग्रेस नेता ने कहा कि वोट चोरी को छुपाने के मकसद से ही चुनाव आयोग बूथों की सीसीटीवी फुटेज नहीं दे रहा है।

सुविधाएं
डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
• लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • लाइकोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

सभी प्रकार की एलर्जी डेंटल सुविधा भी उपलब्ध..
• जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग- • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना
• पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति बाई चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क: 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

असली दर-दाँत (गम पेंट) केंदवा मलहम
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये।
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com

# Classified

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

## आवश्यकता है

आवश्यकता है- अनुभवी साइट सुपरवाइजर, साइट इंजीनियर एवं साइट इंचार्ज की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार, बायोडाटा के साथ सम्पर्क करें- 8839455596 (39070)

आवश्यकता है- बिलासपुर के बहू प्रतिष्ठित संस्थानों में भारी मात्रा में सुरक्षागार्ड एवं पशु चिकित्सालय में काम करने, पशुओं की देखभाल करने हेतु 30 कर्मचारी की आवश्यकता है। पीएफ ईएसआईसी इत्यादि। सम्पर्क करें- रिलायबल सर्विसेज जी18 ग्राउण्ड फ्लोर, अम्बे प्लाजा हाईटेक बस स्टैण्ड के सामने तिफरा बिलासपुर 981614171, 9202580757, 9522250437 (39073)

आवश्यकता है- खेती बाड़ी का सभी काम करने हेतु परिवार वाले की आवश्यकता है जो वहां रहकर काम कर सके। दोनों मिलाकर तनख्वाह 13000 रूपए सम्पर्क करें- 9754293974 (39068)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में माल निकालने जमाने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन 8000 सम्पर्क करें- नितिन मेडिकल एजेन्सी 34, मेडिकल काम्पलेक्स तेलीपारा बिलासपुर 7430000011 (39065)

आवश्यकता है- सेल्समैन ,सेल्सगर्ल, रिसेप्शनिस्ट, कैशियर, सोशल मीडिया के कार्य हेतु लड़का या लड़की जिनको कम से कम 5वर्ष कार्य का अनुभव हो अपने बायोडाटा सहित मिलें- शिखा सिल्क बिलासपुर 99815531694 समय प्रातः 10:30 से दोपहर 12बजे तक (39060)

आवश्यकता है- प्लाईवुड शोरूम में आफिस कार्य, टेलीकॉलिंग,सेल्स हेतु स्मार्ट शिक्षित, अनुभवी लड़कियां चाहिए वेतन 7000 से 20000 योग्यता अनुसार बोनस कमीशन। रिज्यूम 9608777772 पर Whats App करें। अनुभवी लड़कियां सम्पर्क करें- SS Plywood महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9589687772 (39035)

आवश्यकता है- OMI कम्पनी में ऑफिस हेतु लड़के, लड़कियों की। योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट, उम्र 18 से 28, आय 8500 से 18000 रहना खाना, पता- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर 88188 77406, 9644433021 (39071)

आवश्यकता है- उमा एजेन्सी में कार्य करने हेतु अनुभवी सप्लायर की आवश्यकता है वेतन 9000 से 12000 सम्पर्क करें- उमा एजेन्सी, जेबीएस स्कूल के सामने बिलासपुर देवरीखुर्द 9644436669 (39061)

आवश्यकता है- एलआईसी में केवल महिलाओं के लिये पार्ट टाइम/ फुल टाइम बीमा सखी की भर्ती योग्यता 10वीं, 12वीं, स्नातक, 7000 प्रतिमाह छात्रवृत्ति, असीमित कमीशन आय सम्पर्क- आशीष अग्रवाल (विकास अधिकारी) 98939 61300 (39059)

आवश्यकता है-मेडिकल एजेन्सी में सेल्समेन (लोकल, टूर) कम्प्यूटर ऑपरेटर, पेमेन्ट कलेक्शन, आर्डर लेने, पैकिंग कार्य हेतु लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- सिटी केमिस्ट मेडिकल काम्प्लेक्स बिलासपुर (39047)

आवश्यकता है-शादी कार्ड शोरूम में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़कियों एवं स्क्रीन प्रिन्टिंग हेतु प्रिन्टर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- उपहार कार्ड कलेक्शन भाजपा कार्यालय के आगे करबला रोड बिलासपुर (39055)

आवश्यकता है- दवाई दुकान में काम करने के लिए लड़कों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मुरारका एजेन्सी काली मन्दिर के सामने तेलीपारा बिलासपुर (39064)

आवश्यकता है- डिजाइनर (फ्लेक्स शॉप के लिये) एवं कम्प्यूटर आपरेटर (फोटोकॉपी शॉप के लिए) लड़के की आवश्यकता है हिन्दी टाइपिंग अनिवार्य है संपर्क करें गगन फ्लैक्स 27 खोली चौक बिलासपुर (39056)

आवश्यकता है- वॉशिंग बॉय -3 पद, हेल्पर- 3 पद, मैकेनिक- 2 पद की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- लोकेश ऑटो तिफरा बिलासपुर 9303555032 (39062)

आवश्यकता है-BAMS ड्यूटी डॉक्टर- 1, BSc नर्सिंग- 2, GNM/ ANM- 2, लैब टेक्नीशियन-2 वेतन योग्यता अनुभव अनुसार पता- माँ अम्बे नर्सिंग होम एवं नेत्रालय, अम्बेडकर चौक के पास अकलतरा 9691636865 (39045)

आवश्यकता है-बिजी साफ्टवेयर अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर युवती एवं माल जमाने, दिखाने तथा पैकिंग कार्य के लिए मेहनती लड़कों/ लड़कियों की आवश्यकता है बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- आर.के. बूट हाउस तेलीपारा बिलासपुर (39022)

आवश्यकता है-ट्रेक्टर ट्राली कारखाना में वेल्डर, हेल्पर एवं ट्राली बनाने वाले ठेकेदार की आवश्यकता है सम्पर्क करें-98276 83510 (39054)

आवश्यकता है- दुकान में साफ सफाई कार्य हेतु युवक ऑफिस कार्य हेतु स्नातक युवक एवं कोरल में कार्य हेतु डिजाइनर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सुबह 11बजे से 2 बजे तक 8319819011 (39052)

आवश्यकता है- सर्वमंगला एजेंसी महाराणा प्रताप चौक में मर्चेन्टायजर, सुपरवाइजर एवं पान दुकान में सामान विक्रय हेतु लड़कों की आवश्यकता है तत्काल संपर्क करें 97523 94144, 9827976705 (39057)

आवश्यकता है-हॉस्टल में साफ सफाई हेतु पुरुष कर्मचारी एवं छोटे बच्चे की देखभाल हेतु महिला सहायक चाहिए सम्पर्क करें- पी.पुरी, मित्र विहार, नारायण प्लाजा के पास, लिंक रोड बिलासपुर 9340969592 7828803577 (39050)

आवश्यकता है-दो मिस्त्री सादा खाना बनाने वाले अनुभवी की आवश्यकता है सम्पर्क करें- राज होटल दयाल बंद बिलासपुर (39051)

आवश्यकता है-खमरिया काठाकोनी में बगीचे की देखरेख करने के लिए अनुभवी माली की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 8754507712, 7987309303 (39046)

आवश्यकता है-मंगला बिलासपुर में घरेलू कार्य करने हेतु महिला/ लड़की की आवश्यकता है। खाने, रहने की सुविधा उपलब्ध सम्पर्क करें- 7974217007, 91090 39790 (39040)

आवश्यकता है-बिलासपुर जांजगीर, खरसिया में सुरक्षा गार्ड, सुपरवाईजर, ड्राइवर की आवश्यकता है PF ESI मेडिकल आवास सुविधा फ्री सम्पर्क करें- सिद्धी विनायक सिक्युरिटी राजेंद्र नगर बिलासपुर 9111175190, 9098318675 (350)

आवश्यकता है-FMCG कम्पनी में सेल्समेन-3 (1वर्ष अनुभवी), कमर्शियल गाड़ी हेतु ड्राइवर-2, टीमलीडर-1 (2वर्ष अनुभवी) टेलीकालिंग हेतु लड़की-1 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- NT&S दीनदयाल गार्डन के पास व्यापार विहार बिलासपुर 07752411422 (39041)

आवश्यकता है-सिविल साइट सुपरवाइजर, इंजीनियर (autocad, structural knowledge साइट चलाने योग्य) एवं ऑफिस, साइड वर्क, रजिस्ट्री राजस्व विभाग डायवर्सन नामांतरण नगर निगम संबंधी कार्य हेतु अनुभवी मैनेजर चाहिए सम्पर्क- 97707 70000, 9827072000 (38934)

आवश्यकता है-औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षागार्ड वेतन 13000, सुपरवाइजर 16000, फील्ड ऑफिसर 15000, कंप्यूटर ऑपरेटर 3 वेतन योग्यता अनुसार (आवास फ्री) सम्पर्क करें-Alert Sgs Private Limited, FF-6 जे. शुक्ला कॉम्प्लेक्स पचपेड़ी नाका चौक रायपुर 77470 00019, 7747000016, 7746000016 (348)

आवश्यकता है-घर पर रहकर हमारे घर में घरेलू काम करने के लिए लड़का या लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- गोड़पारा गुरुद्वारा के बाजू में बिलासपुर 96692 11111, 9827175811 (39033)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 10वी, 12वी, पास लड़कों की अवसकता है जो कटनी दमोह ग्वालियर में काम कर सके वेतन- 12000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री, ट्रेनिंग बाद 12,000 से 20000 महीने। संपर्क करें- 8982690021, 9993911979 (511)

आवश्यकता है-काईनेटिक ग्रीन के नये शोरूम में सेल्स मैनेजर-1 सेल्स एक्जीक्यूटिव-4, सर्विस सुपरवाइजर- 1 ड्राइवर-1, बैकऑफिस एक्जीक्यूटिव-1 चाहिए सैलरी+, इंसेंटिव शोरूम आकर सम्पर्क करें-श्रीबजरंग ऑटोमोबाइल्स, अग्रवाल खाद भंडार के बाजू में पॉवर हाउस रोड तोरवा बिलासपुर 93025 69282, रिज्यूम मेल करें- shribajrangautomobiles bsp@gmail.com (39044)

आवश्यकता है-घरेलू कार्य करने हेतु महिला/ लड़की की आवश्यकता है रहने की सुविधा उपलब्ध बायोडाटा सहित सम्पर्क करें-पाटलिपुत्र कॉलोनी लोयला स्कूल के बाजू में वसंत विहार चौक बिलासपुर 7974770055, 88899 97826 (38966)

आवश्यकता है-दुकान में काम करने के लिए लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है वेतन 10000 तक सम्पर्क करें- श्री राम स्टोर कम्पनी गार्डन के सामने देवकीनन्दन चौक बिलासपुर (39043)

आवश्यकता है-टेली कॉलिंग हेतु युवतियों व महिलाओं की आवश्यकता है योग्यता 8वीं, 10वीं से ग्रेजुएशन वेतन- 5000+ कमीशन अनुभवी को प्राथमिकता संपर्क करें- गुरु नानक चौक तोरवा बिलासपुर 8224811325 (351)

आवश्यकता है-अम्माजी ट्रेडर्स मे प्रोडक्ट सेल्समेन फील्ड ऑफिसर बिलासपुर के बाहर क्षेत्र हेतु तत्काल भर्ती योग्यता- 12वीं पास, स्वयं का वाहन व सेल्स अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन+ इंसेंटिव+ पेट्रोल, सम्पर्क करें- व्यापार विहार बिलासपुर 62667 32985, 9685138652 (346)

आवश्यकता है- जिले अनुसार 875 लड़के लड़कियों की आवश्यकता है पढ़ाई 8वीं से ग्रेजुएशन ड्राइवर माली गार्ड सफाई कर्मचारी रहने खाने की सुविधा सैलरी 26500 से 58500 इच्छुक व्यक्ति अपना आधार कार्ड मार्क शीट पासपोर्ट साइज फोटो व्हाट्सएप करें 7054311719 (1211)

## बेचना

बेचना है- बिलासपुर में खमतराई अशोक नगर प्रत्यक्षा विहार में डबल रोड से लगा डायवर्टेड प्लाट 2200 वर्गफीट 65 का फ्रंट है बेचना है संपर्क करें भूमि स्वामी 95898 48485, 9300482613 (39067)

बेचना है- रामा लाईफ सिटी सकरी बिलासपुर में प्लाट 1763, कंस्ट्रकशन ग्राउंड फ्लोर 1000, फर्स्ट फ्लोर 766 कुल बिल्टअप 1766. कार पार्किंग, आंगन, गार्डन सहित मकान बेचना है। सम्पर्क करें- 8452911557 (39069)

बेचना है- बिलासपुर सिरगिट्टी में गोविन्द नगर में 3225 वर्गफीट प्लाट और व्यापार विहार में एक कमर्शियल प्लॉट साईज 375 वर्गफीट कीमत 1600 रूपए प्रति वर्गफुट में बेचना है संपर्क 9630083740, 97706 76030 (39066)

बेचना है-अशोक नगर परिवार कालोनी में 20×59= 1180 वर्गफुट पश्चिम मुखी डायवर्टेड एवं सकरी ग्लोबल सिटी में 1000 वर्गफुट के दो डायवर्टेड प्लाट 25×40, 25×40 बेचना है। सम्पर्क करें- 70005 89595, 8103693750 (39072)

बेचना है-हर्षफिनिक्स सिटी पूर्ण विकसित कालोनी वार्ड49 बीआर यादव नगर, बिजौर बिलासपुर विभिन्न साइज लेआउट प्लाट, 2/3/4BHK डुप्लेक्स बंगलो, 2/3BHK अफोर्डेबल फ्लैट टाउनकंट्री रेरा रजिस्टर्ड। सम्पर्क- एसके बिल्डर्स & डेवलपर्स 88394 55596, 7697644444 (38649)

बेचना है- बिलासपुर सिम्स रोड, गोड़पारा में स्थित कॉम्प्लेक्स में दो एयर कंडिशन दुकानें लेट्रिन बाथरूम अटेच, पार्किंग सुविधा उपलब्ध बेचना है। बिचोलिए या एजेन्ट फोन ना करें। केवल स्वयं के उपयोग हेतु इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 7974357958 (39028)

बेचना है- विकसित T&C अप्रूव्ड आवासीय कालोनी आर. के. रेसीडेन्सी तिफरा में दो स्वतंत्र मकान बेचना है कीमत 2BHK 45 लाख एवं 3BHK 80 लाख सम्पर्क करें- 93009 89627 (39017)

बेचना है- बिलासपुर प्राइम लोकेशन महाराणा प्रताप चौक साईं बाबा हॉस्पिटल के पास 2 BHK स्वतंत्र मकान बेचना है (फाइनेंस सुविधा उपलब्ध) संपर्क करें मोबाइल नंबरः- 6265041277, 84619 97770 (353)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

## किराया

किराया-खमतराई रोड बिलासपुर रामा ग्रीन सिटी के आगे, गोल्डन पेटल्स में 2BHK मकान किराए पर उपलब्ध है। किराया 8000/- प्रतिमाह अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें- 9425546633, 7489163282 (39048)

## व्यापार

व्यापार-जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित सम्पर्क करें- APS इंटरप्राइजेस रायपुर- 91117 60925, 9977676447, बिलासपुर, कोरबा, रायगढ़, अंबिकापुर- 8827848099 (302)

Advertisement Booking Time 10.30 AM to 4.00 PM

## फाइनेंस

फाइनेंस-राज्य ग्रामीण बैंक द्वारा सभी प्रकार के लोन, बिजनेस मार्कशीट आधारकार्ड प्रॉपर्टी कृषि होम लोन 1% सालाना ब्याज, 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करे, नोट धोखेबाजों से सावधान हेड ऑफिस लोन डिपार्टमेंट हेल्प लाइन नंबर- 9350674841, 7494964768 (349)

### सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

### हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबाः- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेलीः- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटीः- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयासः- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्सः- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटीः- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्सः- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्सः- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्सः- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्सः- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटीः- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटीः- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशनः- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवाः- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनीः- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्सः- मो. 9827466133, 9907047586

## खबर संक्षेप

### जिम्बाब्वे की टीम से बाहर हुए पूर्व कप्तान विलियम्स

**हरारे।** जिम्बाब्वे के पूर्व कप्तान सीन विलियम्स अब कभी अपनी राष्ट्रीय क्रिकेट टीम की तरफ से नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि उन्होंने खुलासा किया है कि नशे की लत के कारण उन्होंने कुछ मैच नहीं खेले थे। जिम्बाब्वे क्रिकेट के अनुसार विलियम्स को राष्ट्रीय टीम से हमेशा के लिए बाहर कर दिया गया है। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने इस बात की जांच की कि सितंबर में टी-20 विश्व कप क्वालीफाइंग प्रतियोगिता की पूर्व संध्या पर विलियम्स ने अचानक टीम से नाम वापस क्यों ले लिया था। जिम्बाब्वे क्रिकेट ने कहा, 'जांच के दौरान विलियम्स ने खुलासा किया कि वह नशे की लत से जूझ रहे हैं और स्वेच्छा से रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया से गुजरना चाह रहे हैं।'

### पाकिस्तान ने द. अफ्रीका को दो विकेट से हराया

**फैसलाबाद।** पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका की अपेक्षाकृत कमजोर टीम के खिलाफ कुछ विषम परिस्थितियों से गुजरने के बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों के सहयोग से पहले एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दो विकेट से जीत दर्ज की। पाकिस्तान के सामने 264 रन का लक्ष्य था लेकिन अच्छी शुरुआत के बावजूद उसकी पारी लड़खड़ा गई और आखिर में वह अंतिम ओवर में आठ विकेट खोकर लक्ष्य तक पहुंच पाया। इस बीच दक्षिण अफ्रीका ने अंतिम पांच ओवरों में चार विकेट लेकर पाकिस्तान को मुश्किल में डाल दिया था।

### वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड को 7 रन से हराया

**आकलैंड।** वेस्टइंडीज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए कम स्कोर वाले पहले टी20 मैच में न्यूजीलैंड को सात रन से हरा दिया। कप्तान शाई होप ने 39 गेंद में 53 रन बनाए। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी के लिए भेजे जाने पर छह विकेट पर 164 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने दसवें ओवर तक दो विकेट खोकर 70 रन बना लिए थे लेकिन इसके बाद सात विकेट 37 रन के भीतर गिर गए और 17वें ओवर में स्कोर नौ विकेट पर 107 रन था । न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनेर ने ऐसे में 28 गेंद में 55 रन बनाकर उम्मीद जगाई। उन्होंने 18वें ओवर में मैथ्यू फोर्डे को चार चौके और एक छक्का लगाया। इसके बाद 19वें ओवर में जैसन होल्डर को पहली तीन गेंदों पर चौके लगाए।

# बांग्लादेश महिला टीम में बवाल, गेंदबाज जहांआरा ने कहा- कप्तान करती हैं जूनियरों की पिटाई

एजेंसी ▸▸ ढाका

बांग्लादेश की महिला टीम से बाहर चल रही तेज गेंदबाज जहांआरा आलम ने आरोप लगाया है कि कप्तान निगार सुल्ताना जूनियर क्रिकेटरों की पिटाई करती हैं। देश के क्रिकेट बोर्ड ने हालांकि इस आरोप को निराधार और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए खारिज कर दिया है। बांग्लादेश के अखबार 'कलेर कांथो' को दिए साक्षात्कार में आलम ने भारत और श्रीलंका में हुए महिला वनडे विश्व कप में टीम के सातवें स्थान पर रहने के बाद मौजूदा कप्तान, कुछ साथियों, कोचिंग स्टाफ और टीम प्रबंधन पर कई चौंकाने वाले आरोप लगाए।

### माफी मांगने पर की जाती पिटाई

आलम ने कहा, 'यह कोई नई बात नहीं है। निगार जूनियर खिलाड़ियों को बहुत पीटती है। यहां तक कि विश्व कप के दौरान भी जूनियर खिलाड़ियों ने मुझे बताया कि माफी मांगने पर भी उनकी पिटाई की जाती थी। मुझे कुछ खिलाड़ियों ने बताया कि उनकी पिटाई हुई थी। यहां तक कि दुबई दौरे के दौरान भी, उसने एक जूनियर को कमरे में बुलाया और उसे थप्पड़ मार दिया।'

### टीम के अंदर माहौल बहुत खराब

जहांआरा ने आरोप लगाया कि टीम के अंदर माहौल बहुत खराब है और इसीलिए उन्हें मानसिक स्वास्थ्य कारण से ब्रेक लेना पड़ा था। आलम ने कहा, 'मैं अकेली नहीं हूं, बांग्लादेश टीम में हर कोई कमोबेश पीड़ित है। हर किसी की पीड़ा अलग है। टीम में केवल एक या दो खिलाड़ियों को ही अच्छी सुविधा मिलती हैं।'

### बीसीबी ने किया आरोपों को खारिज

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने आरोपों को तुरंत खारिज कर दिया। बीसीबी ने एक बयान में कहा, 'बीसीबी इन आरोपों का स्पष्ट तौर पर और दृढ़ता से खंडन करता है, जो निराधार, मनगढ़ंत और सच्चाई से परे हैं।'

## आज दोपहर 1:45 बजे से चौथा टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच

# ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत का पलड़ा भारी, बड़े स्कोर पर गिल की निगाह

एजेंसी ▸▸ कैराहा (गोल्ड कोस्ट)

अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले शुभमन गिल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार 6 नवंबर को होने वाले चौथे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में बड़ा स्कोर बनाने की कोशिश करेंगे, जिसमें भारतीय टीम जीत के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत करेगी। तीन मैचों के बाद श्रृंखला 1-1 से बराबर है लेकिन ऑस्ट्रेलिया की टीम कुछ प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में थोड़ा कमजोर नजर आ रही है। पिछले मैच में जोश हेजलवुड की अनुपस्थिति से स्पष्ट अंतर नजर आया था जब भारत 186 रनके लक्ष्य को हासिल करके श्रृंखला बराबर करने में सफल रहा था। चौथे मैच में ऑस्ट्रेलिया को ट्रेविस हेड की भी कमी खलेगी क्योंकि सलामी बल्लेबाज को एशेज की तैयारी के लिए शेफील्ड शील्ड में खेलना है। ऑस्ट्रेलिया की टीम के इन दोनों प्रमुख खिलाड़ियों की अनुपस्थिति में भारत के पास गाबा में अंतिम मैच से पहले 2-1 की बढ़त हासिल करने का यह सबसे अच्छा मौका है।

- तीन मैचों के बाद श्रृंखला 1-1 से बराबर

### गिल अभी तक नहीं दिखें चिर परिचित लय में

हालांकि, भारतीय टीम प्रबंधन को टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की फॉर्म थोड़ी परेशान कर सकती है, क्योंकि उन्होंने अब तक ऑस्ट्रेलिया के वर्तमान दौरे में छह मैच खेले हैं और एक भी अर्धशतक नहीं लगाया है। एकदिवसीय श्रृंखला की शुरुआत से अब तक उनके स्कोर का क्रम 10, 9, 24, नाबाद 37, 5 और 15 है। अभी तक केवल एक बार वह अच्छी फॉर्म में दिखे थे। वह कैनबरा में था जब उन्होंने कप्तान सूर्यकुमार यादव के साथ अच्छी साझेदारी की थी। बारिश के कारण यह मैच रद्द कर दिया गया था। गिल को फुल लेंथ की गेंदों से परेशानी हो रही है, जिनमें मूवमेंट की झलक दिख रही है। चिंता की बात यह है कि गिल अभी तक अपनी चिर परिचित लय में नहीं दिखे हैं।

### अर्शदीप के होने से गेंदबाजी विभाग अधिक मजबूत

अर्शदीप सिंह के शामिल होने से गेंदबाजी विभाग अधिक मजबूत दिखता है, जबकि कुलदीप यादव को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला की तैयारी के लिए वापस भेज दिया गया है। टीम प्रबंधन का मुख्य मुद्दा हमेशा से यह रहा है कि कुलदीप और अर्शदीप दोनों को एक साथ नहीं खिलाया जा सकता। लेकिन फिलहाल ऐसी कोई समस्या नजर नहीं आती है। वाशिंगटन सुंदर की मौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी मजबूत नजर आती है। वाशिंगटन ने पिछले मैच में 23 गेंद पर नाबाद 49 रन बनाकर भारत को जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

### मार्श और डेविड पर निर्भर ऑस्ट्रेलियाई टीम

ऑस्ट्रेलियाई टीम अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए कप्तान मिशेल मार्श और टिम डेविड पर काफी हद तक निर्भर रहेगी। हेड की अनुपस्थिति में मार्श मैथ्यू शॉर्ट को अपना सलामी जोड़ीदार बना सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया को हालांकि अपने गेंदबाजी विभाग में बदलाव करने पड़ सकते हैं क्योंकि सीन एबॉट अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं और बेन द्वार्शुइस या महली बियर्डमैन में से किसी एक को उनकी जगह पर लाया जा सकता है।

### टीमें इस प्रकार

**भारत:** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वॉशिंगटन सुंदर।

**ऑस्ट्रेलिया:** मिशेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश इंग्लिस (विकेट कीपर), जोश फिलिप (विकेट कीपर), मिशेल ओवेन, ग्लेन मैक्सवेल, मैट कुहनेमन, एडम जम्पा, महली बियर्डमैन, बेन द्वार्शिस, जेवियर बार्टलेट, नाथन एलिस, मार्कस स्टोइनिस।

## आईसीसी रैंकिंग

# अभिषेक और रोहित टॉप पर गिल और आजम को नुकसान

एजेंसी ▸▸ दुबई

आईसीसी ने बुधवार को इस हफ्ते की ताजा रैंकिंग जारी कर दी हैं। इस बार फिर से टी20 इंटरनेशनल में भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की बादशाहत बरकरार रही है।

वहीं रोहित शर्मा एक बार फिर से वनडे क्रिकेट के नंबर 1 बल्लेबाज बने हुए हैं। इसके अलावा भारतीय कप्तान शुभमन गिल को और पाकिस्तान के पूर्व कप्तान बाबर आजम को नुकसान उठाना पड़ा है। अभिषेक शर्मा लंबे समय से अब टी20 इंटरनेशनल बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 पर बरकरार हैं।

वहीं पिछले हफ्ते अपने करियर में पहली बार वनडे इंटरनेशनल में नंबर 1 वन बने रोहित शर्मा भी अपनी टॉप पोजीशन पर काबिज हैं। वनडे गेंदबाजों की लिस्ट में कुलदीप यादव को फायदा मिला है।

### शुभमन और बाबर नीचे खिसके

शुभमन गिल वनडे रैंकिंग में एक स्थान और नीचे खिसक गए हैं। वह अब नंबर 3 से नंबर चार पर आ गए हैं। वहीं पाकिस्तानी बल्लेबाज बाबर आजम को नंबर 4 से नंबर 5 पर लुढ़कना पड़ा है। इसके अलावा विराट कोहली नंबर 6 की पोजीशन पर बरकरार हैं। वहीं नंबर 9 पर वनडे टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर मौजूद हैं।

### नंबर 3 पर काबिज तिलक

टी20 बल्लेबाजों की रैंकिंग में नंबर 1 पर तो अभिषेक हैं वहीं उनके अलावा तिलक वर्मा नंबर 3 के स्थान पर काबिज हैं। कप्तान सूर्यकुमार यादव की पोजीशन में भी खास बदलाव नहीं हुआ है और वह नंबर 8 पर बने हुए हैं। टी20 गेंदबाजों की लिस्ट में वरुण चक्रवर्ती नंबर 1 पर बरकरार हैं। मगर उनके अलावा कोई भी टॉप 10 में भारतीय गेंदबाज नहीं है।

# फर्स्ट क्लास क्रिकेट में वैभव का पहला अर्धशतक, शतक से सात रन रहे दूर

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

युवा तूफानी ओपनर बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने बिहार के लिए खेलते हुए रणजी ट्रॉफी के इस सीजन में मेघालय के खिलाफ अपनी टीम के लिए पहली इनिंग में तूफानी पारी खेली, लेकिन वो अपने शतक से सिर्फ 7 रन से चूक गए। फर्स्ट क्लास करियर में वैभव ने अपने कॅरियर का पहला अर्धशतक जड़ा। इस सीजन में बिहार ने अपना तीसरा मैच मेघालय के लिए खेला और ये ड्रॉ पर समाप्त हुआ।

### मैच बिना किसी नतीजे के समाप्त

इस मैच में पहले दो दिन का खेल बारिश की वजह से खेला ही नहीं जा सका और जब तीसरे दिन टॉस हुआ तब बिहार ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। इसके बाद मेघालय ने पहली पारी में 7 विकेट पर 408 रन बनाकर पारी की घोषणा कर दी। इसके जबाव में बिहार ने 4 विकेट पर 156 रन बनाए और मैच बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गया। वैभव के अलावा पहली पारी में बिहार के लिए मंगल महरौर ने 25 रन की पारी खेली जबकि बिपिन सौरव ने 15 रन बनाए।

### सूर्यवंशी ने 67 गेंदों पर खेली 93 रन की पारी

वैभव का बिहार के लिए इस सीजन में ये तीसरा मैच था और उन्होंने इस सीजन में पहला अर्धशतक लगाने में सफलता हासिल की। हालांकि उनके पास शतक लगाने का मौका था, लेकिन वो इससे चूक गए और 67 गेंदों पर 93 रन की पारी खेलकर आउट हो गए। वैभव ने इस दौरान अपनी पारी में 4 छक्के और 9 चौके भी लगाए जबकि उनका स्ट्राइक रेट 138.81 का रहा। वैभव का इस मैच में भी अंदाज नहीं बदला और वो रेड बॉल क्रिकेट में भी टी20 की तरह ही खेलते नजर आए।

### एशेज सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित लाबुशेन की वापसी

**गोल्ड कोस्ट।** लगातार लचर प्रदर्शन के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में नहीं खेल पाने वाले मार्नस लाबुशेन की एशेज श्रृंखला के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में वापसी हुई है। चयनकर्ताओं ने इस अनुभवी बल्लेबाज को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया। लाबुशेन खराब फॉर्म के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला में नहीं खेल पाए थे लेकिन इस बीच उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे वह वापसी करने में सफल रहे। सलामी बल्लेबाज जेक वेदरल्ड 21 नवंबर से पर्थ में होने वाले मैच से टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं। उन्हें मैट रेनशॉ और सैम कोंस्टास पर तरजीह दी गई है, हालांकि अभी यह तय नहीं है कि उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत कौन करेगा।

## गॉफ ने पाओलिनी को हराया अब सबालेंका से होगी भिड़ंत

**रियाद।** गत चैंपियन कोको गॉफ ने जैस्मीन पाओलिनी पर 6-3, 6-2 से जीत के साथ डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। गॉफ को टूर्नामेंट के अपने शुरुआती मुकाबले में जेसिका पेगुला से तीन सेटों में हार का सामना करना पड़ा था। उनका अगला मुकाबला शीर्ष रैंकिंग वाली एरिना सबालेंका से होगा। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उन्हें इस मैच में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। सबालेंका ने पेगुला को 6-4, 2-6, 6-3 से हराकर पहले ही सेमीफाइनल में अपनी जगह सुरक्षित कर ली है।

# गोल्फ केवल उच्च वर्ग का खेल नहीं: आर्यवीर

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जबलपुर

समाज में गोल्फ को केवल उच्च वर्ग के लोगों का खर्चीला खेल माना जाता है। इस धारणा को गलत बताते हुए गोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया के संस्थापक आर्यवीर आर्य ने कहा कि गोल्फ मध्यम वर्गीय लोगों के लिए भी उपलब्ध है। सामाजिक भ्रम को दूर करने के लिए फेडरेशन के द्वारा गोल्फ महोत्सव के माध्यम से उन शहरों में भी किया जा रहा है। जहां कभी गोल्फ टूर्नामेंट नहीं हुए।गोल्फ फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा 'भारत गोल्फ महोत्सव' का एक भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह केवल गोल्फ इवेंट नहीं है, बल्की सितंबर,2025 से जनवरी, 2026 तक भारत के विभिन्न शहरों में चलने वाली एक गौरव यात्रा है। जिसमे गोल्फ फ़ेडरेशन ऑफ़ इंडिया के प्रमुख उद्देशों जैसे पर्यावरण संरक्षण,भारतीय उत्पादों के उपयोग का प्रमोशन करने के साथ ही भारतीयों में बढ़ रहे मोटापे की समस्या से बचाव और निदान आदि से संबंधित गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर शुरू हुए महोत्सव का भव्य समापन 12 जनवरी 2026, स्वामी विवेकानंद जी

की जयंती पर होगा। देश में अब तक 36 आयोजन हो चुके है। जबलपुर में होने जा रहे इस गोल्फ कुंभ में 90 से ज्यादा अनुभवी गोल्फ प्लेयर आएंगे जो राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय गोल्फ टूर्नामेंटों में हिस्सा ले चुके है। इनमें से अधिकतर फेडरेशन के बैनर के साथ ग्रीन खेल का प्रमोशन भी कर रहे है।ये प्लेयर जबलपुर में न सिर्फ गोल्फ खेलेंगे बल्कि इस खेल से अधिक से अधिक लोग कैसे जुड़े ये भी प्रयास करेंगे।ये अनुभवी प्लेयर महाकौशल के उदीयमान गोल्फ प्लेयर के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे ।उन्हें इस खेल की बारीकियों ओर इसकी कलात्मकता से भी परिचय कराएंगे।इस महोत्सव का शुभारंभ 8 नवंबर को प्रातः प्रोमो रन से होगा जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एंटी ओबीसीटी का संदेश दिया जाएगा। इसी दिन दूसरा कार्यक्रम पर्यावरण रक्षा हेतु वृक्षारोपण द्वारा किया जाएगा।जिसमें ग्रीन खेल को प्रोत्साहित करने का संकल्प लिया जाएगा।गोल्फ क्लिनिक की मीटिंग में यह तय किया जाएगा कि गोल्फ कोर्स का फॉर्मेट क्या होगा,इस सेल्फ गोल्फ टूर्नामेंट में कौन किसके साथ मैच खेलेगा।9 नवंबर को गोल्फ के साथ ही आर्मी बैंड और आर्मी के जवानों का रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होगा। जिसमें गोल्फ महोत्सव के सभी उद्देश्यों को प्रमोट करने के लिए अभिनेता रणदीप हुड्डा भाग लेंगे। श्री आर्य ने बताया कि गोल्फ सेट में कई प्रकार की स्टिक होतीं है, जो गोल की दूरी के हिसाब से उपयोग होती है। जब गेंद घास या मिट्टी में फंस जाती है तो उसे निकालने के लिए पृथक से स्टिक होती है।इस किट की कीमत बीस हजार से लेकर करोड़ों तक होती है। मैच खेलने के लिए टी शर्ट,कैप,स्पोर्ट्स जूते के साथ फॉर्मर पेंट ही पहना जाता है।अन्य परिधान में खेलना मना होता है।

### होल इन वन

जब खिलाड़ी द्वारा एक शॉट में गेद होल में प्रविष्ट कराई जाती तब इसे होल इन वन मन जाता है। जो पुरुस्कार योग्य होता है।

### टी पार थ्री या फोर या फाइव

हरेक होल के पास लगी प्लेट में टी पार थ्री या फोर या कोई ओर संख्या दर्ज होती है। इसका आशय गेंद को होल में पहुंचने के लिए निर्धारित शॉट से होता है।कम बार में होल में गेंद जाने पर अधिक अंक मिलते है। गोल्फ कोर्स में 18 होल होते है। प्रत्येक खिलाड़ी कम शॉट में गेंद होल में डालने की कोशिश करते है। जब पूरे 18 होल में गेंद डालकर प्रत्येक खिलाड़ी राउंड पूरा कर लेते है तब मैच पूरा होता है।समय की पाबंदी नहीं होती।

# जहां उबलता पानी भी हवा में जम जाता है, जानिए दुनिया के सबसे ठंडे देश में लोग कैसे नहाते हैं?

**मास्को।** भारत में सर्दियों की दस्तक के साथ ही सुबह का नहाना किसी जंग से कम नहीं लगता। ठंडी हवा, कांपती बॉडी और गुनगुने पानी की तलब। लेकिन जरा सोचिए, अगर बाहर का तापमान माइनस 71 डिग्री सेल्सियस हो तो नहाना कैसा अनुभव होगा? यही सच्चाई है रूस के साइबेरिया के ओयम्याकोन गांव की। जिसे 'पोल ऑफ कोल्ड' कहा जाता है। यहां नहाना किसी रोमांचक एडवेंचर जैसा नहीं, बल्कि एक सर्वाइवल मिशन जैसा होता है।

### बर्फ में नहाने का राज: 'बान्या' नाम का गर्मघर

यहां के लोग रोज नहीं नहाते, बल्कि खास दिन तय होते हैं। वजह? इतनी ठंड में पानी तो छोड़िए, साबुन भी बॉडी पर लगते ही जम जाता है, इसलिए यहां लोग नहाने के लिए 'बान्या' नाम के पारंपरिक बाथहाउस का इस्तेमाल करते हैं। ये लकड़ी के छोटे घर होते हैं, जिनमें अंदर घंटों आग जलाकर गर्माहट तैयार की जाती है। एक लोकल महिला क्युन बी ने यूट्यूब पर बताया, 'सुबह लकड़ी इकट्ठा करना, बान्या गरम करना। पूरा दिन इसी में चला जाता है। जब अंदर तापमान 80-100 डिग्री तक पहुंचता है, तभी जाकर हम नहाते हैं। बाहर निकलते वक्त बॉडी पर ऑयल या क्रीम लगाना जरूरी होता है, नहीं तो स्किन फट जाती है।'

### ठंड को मात देना ही यहां की लाइफस्टाइल है

याकुट्स्क और ओयम्याकोन के लोग ठंड को झेलते नहीं, अपनाते हैं। उनके लिए सर्दी सिर्फ मौसम नहीं, बल्कि जिंदगी का तरीका है।

### उबलता पानी भी बन जाता है बर्फ

साइबेरिया की ठंड इतनी खतरनाक होती है कि खौलता पानी हवा में फेंकते ही बर्फ के कणों में बदल जाता है। इस फेनॉमेनन को एमपेम्बा प्रभाव कहा जाता है, यानी गर्म पानी ठंडी हवा में तेजी से वाष्प बनकर तुरंत जम जाता है। कई वायरल वीडियोज में लोग -40 डिग्री में यह एक्सपेरिमेंट करते दिखते हैं, लेकिन ये बेहद खतरनाक है। अगर हवा की दिशा उलटी हो जाए, तो गर्म पानी जलन दे सकता है।

---

**ये घटनाएं विज्ञान को देती हैं चुनौती**

# धरती के सबसे बड़े रहस्य, नर्क का द्वार और जानलेवा झील

**मास्को।** रहस्यों से दुनिया भरी हुई है। धरती पर प्रकृति और इंसानों द्वारा बनाई गई कई अजीबोगरीब और अद्भुत घटनाएं हुई हैं। विज्ञान ने कई रहस्यों को सुलझा लिया है, लेकिन अभी भी कुछ अनसुलझी हैं। यह रहस्यमयी घटनाएं लोगों को हैरान करती हैं और सोचने पर मजबूर करती हैं। इन रहस्यों में रूस में बने गहरे गड्ढे, कैमरून की झील से निकलने वाली हरीली गैस, प्राचीन स्टोनहेंज और तुर्कमेनिस्तान का 'नर्क का द्वार' जैसी जगहें शामिल हैं।

### न्योस झील

अफ्रीकी देश कैमरून की न्योस झील में 1986 में एक भीषण त्रासदी हुई थी। इससे अचानक लाखों टन कार्बन डाइऑक्साइड गैस निकली

थी। इसके कारण झील के पास आस-पास रहने वाले करीब 1,760 लोगों और 3,500 जानवरों की जान चली गई थी। वैज्ञानिकों के मुताबिक, यह जहरीली गैस झील के तल में जमा थी और किसी प्राकृतिक घटना की वजह से अचानक बाहर आ गई थी। यह रहस्यमयी घटना अभी भी अनसुलझी हुई है।

### रहस्यमयी अंतरिक्ष यात्री फोटो

इंग्लैंड में साल 1964 में एक अजीबोगरीब तस्वीर कैमरे में कैद की गई थी। इसमें एक छोटी बच्ची नजर आ रही थी। इसके पीछे एस्ट्रोनॉट (अंतरिक्ष यात्री) जैसी आकृति दिख रही थी, जिसे देखकर लोग चौंक गए थे। इस तस्वीर वाली जगह पर कोई अंतरिक्ष यात्री मौजूद नहीं था। इस रहस्यमयी फोटो के पीछे का रहस्य आज भी अनसुलझा है।

### नर्क का द्वार

तुर्कमेनिस्तान के रेगिस्तान में एक विशाल गड्ढा है, जिसमें आग धधकती रहती है। इसके नर्क का द्वार कहा जाता है। इसमें साल 1971 से लगातार आग निकल रही है। बताया जाता है कि यह मीथेन गैस के कारण जल रही है।

### कोला सुपर डीप बोरहोल

रूसी वैज्ञानिकों ने साल 1970 में धरती की गहराई का पता लगाने के लिए खुदाई कर शुरू की। वह 12 साल की कड़ी मेहनत के बाद सिर्फ 12 किलोमीटर तक गड्ढा खोद पाए। लेकिन वहां का तापमान 180 डिग्री

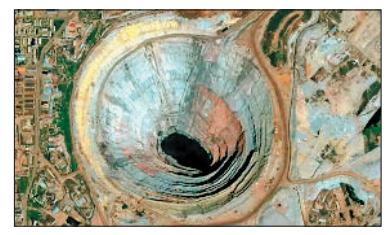

सेल्सियस तक पहुंच गया। इससे मशीनें पिघलने लगीं और खुदाई बंद करनी पड़ी। इस गड्ढे से निकली अजीब आवाजें और इसकी गहराई अभी एक रहस्य हैं। इसे 'कोला सुपर डीप बोरहोल' कहा जाता है।

### जर्मन स्टोनहेंज

वैज्ञानिकों ने जर्मनी में 4,900 साल पुरानी एक

गोलाकार संरचना की खोज की है। इसे जर्मन स्टोनहेंज कहा जाता है। वैज्ञानिक मानते हैं कि यह दुनिया की सबसे पुरानी सौर वेधशाला हो सकती है। लेकिन, प्राचीन संरचना का निर्माण किसने किया और क्यों बनाया, यह आज भी विज्ञान और इतिहास के लिए रहस्य है।

---

**सोशल मीडिया पर वीडियो खूब हो रहा वायरल**

# भारत की 'सोनपापड़ी' की दीवानी है पाकिस्तान की आवाम

**नई दिल्ली।** इन दिनों सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो खूब वायरल हो रहा है जिसे देखकर हर किसी के चेहरे पर मुस्कान आ जाती है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो पाकिस्तान का है। वीडियो में एक महिला पत्रकार हाथ में माइक लेकर एक मिठाई की दुकान पर जाती है और दुकानदार से मजे में पूछती है, 'मैंने पहली बार सोनपापड़ी का नाम सुना है, यह आखिर होती क्या है?' इस पर दुकानदार मुस्कुराते हुए कहता है, 'यह भारत से आने वाली मिठाई है, हल्दीराम की सोनपपड़ी। यहां पाकिस्तान में यह काफी मशहूर है और लोग इसे बहुत पसंद करते हैं।'

### लोगों ने पसंद की सोनपापड़ी

रिपोर्टर फिर सोनपापड़ी के डिब्बे को देखती है और उस पर लिखी लाइन पढ़ती है, 'देसी घी से बनी।' वह हंसते हुए कहती है, 'वाह, यह तो पूरी तरह भारतीय मिठाई है।' इस पर दुकानदार गर्व से बोलता है, 'हां हल्दीराम इंडिया का ब्रांड है और पाकिस्तान में इसकी मिठाइयां बहुत पसंद की जाती हैं।' उसकी बात सुनकर यह साफ झलकता है कि भले ही दोनों देशों के बीच दूरियां हों, लेकिन स्वाद की मिठास दिलों को जोड़ ही देती है।

### पाकिस्तान में फेमस है सोनपापड़ी

इसके बाद वीडियो में जो पल आता है, वो सबसे मजेदार है। पत्रकार जब मिठाई की कीमत पूछती है तो दुकानदार बताता है, 'भारत में यह करीब 210 रुपए की आती है, लेकिन यहां पाकिस्तान में 1300 रुपए में बिकती है।' यह सुनते ही रिपोर्टर हैरान होकर पूछती है,'इतनी महंगी कैसे हो गई रास्ते में?' दुकानदार मुस्कराकर बड़ा दिलचस्प जवाब देता है, 'सामान कम आता है और करेंसी का फर्क भी होता है, इसलिए दाम बढ़ जाते हैं।'

### यूजर्स ने दिए ऐसे रिएक्शंस

वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया पर लोगों के मजेदार रिएक्शन आने लगे। किसी ने लिखा, सोनपपड़ी सिर्फ मिठाई नहीं, यह इंडिया की शान है, जो दुनिया का दिल जीत रही है। किसी ने मजाक में लिखा, पाकिस्तान में भी हल्दीराम का जलवा बरकरार है। वहीं, कुछ लोगों ने कहा कि यह देखकर अच्छा लगा कि भारतीय ब्रांड की मिठाइयां दूसरे देशों में भी इतनी पसंद की जा रही हैं। दरअसल, सोनपापड़ी वैसे तो भारत की बहुत पुरानी मिठाई है, जो लगभग हर त्योहार, शादी या किसी भी खुशी के मौके पर नजर आती है।

---

# इस देश में दीवारों पर खेती करते हैं लोग, धान, गेहूं और उगाते हैं सब्जियां

**येरुशलम।** वर्तमान समय में हर क्षेत्र में तकनीक काफी उन्नत हो गई है। खासकर कृषि के क्षेत्र में तो कई तरह की तकनीकें अपनाई जा रही हैं, ताकि खेती को आसान भी बनाया जा सके और ज्यादा से ज्यादा अनाज की पैदावार हो। वैसे अगर आप सोच रहे होंगे कि खेती तो जमीन पर ही संभव है, तो शायद आपको पता नहीं है कि एक देश ऐसा है, जहां दीवारों पर भी खेती की जाती है। यहां पर धान और गेहूं के साथ-साथ सब्जियां भी दीवारों पर ही

उगाई जाती हैं। यह तकनीक अब धीरे-धीरे दुनियाभर में लोकप्रिय हो रही है। इस तकनीक को वर्टिकल फार्मिंग यानी 'दीवार पर खेती करना' कहा जाता है। वर्टिकल फार्मिंग यानी दीवार पर खेती करने वाले देश का नाम इजराइल है। दरअसल, इजराइ और अन्य कई देशों में खेती लायक जमीन की काफी कमी है और इसी समस्या से निजात पाने के लिए वहां लोगों ने वर्टिकल फार्मिंग को अपना लिया है। वर्टिकल फार्मिंग के तहत पौधों को गमलों में छोटे-छोटे यूनिट्स में लगाया जाता है और साथ ही यह सुनिश्चित किया जाता है कि पौधे गमलों से गिरें न। इन गमलों में सिंचाई के लिए भी खास प्रबंध किया जाता है। हालांकि, अनाज उगाने के लिए यूनिट्स को कुछ समय के लिए दीवार से निकाल लिया जाता है और फिर बाद में उन्हें वापस दीवार में लगा दिया जाता है।

### पर्यावरण के लिए बेहतर है दीवार पर खेती

इजराइल के अलावा वर्टिकल फार्मिंग यानी दीवार पर खेती की तकनीक अमेरिका, यूरोप और चीन में भी तेजी से फैल रही है। ऐसी खेती का सबसे बड़ा फायदा ये है कि दीवार पर पौधे होने से घर के तापमान में बढ़ोतरी नहीं होती और यह आसपास के वातावरण में भी नमी बनाए रखता है। इसके अलावा इससे ध्वनि प्रदूषण का असर भी कम ही होता है।

# फेरों से पहले दूल्हे ने थमाई 10 अजीब शर्तों की लिस्ट, डिमांड सुनते ही रो पड़ा ससुर

**नई दिल्ली।** भारत में शादी का मौसम आते ही सोशल मीडिया पर प्री-वेडिंग शूट, डेस्टिनेशन वेडिंग और ग्रैंड फंक्शन्स की बाढ़ आ जाती है। हर कोई चाहता है कि उसकी शादी वायरल हो जाए, लेकिन इस बार एक दूल्हे ने तो ये पूरा का पूरा ट्रेंड ही बदल दिया। होने वाले एक दामाद ने इन दिनों हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। दरअसल, फेरों से ठीक पहले उसने ससुर को एक कागज थमाया, जिसमें उसकी डिमांड्स लिखी थी। दरअसल, दूल्हे ने दहेज नहीं, बल्कि सादगी और परंपरा से जुड़ी 10 मांगों की एक लिस्ट ससुर को थमा दी। यह लिस्ट देखकर हर कोई दंग रह गया। कोई बोला 'वाह! ऐसे दूल्हे की जरूरत है समाज को', तो किसी ने कहा 'कौन होता है वह दुल्हन की ड्रेस तय करने वाला?'

### ये थीं दूल्हे की 10 डिमांड्स

- कोई प्री-वेडिंग शूट नहीं होगा।
- दुल्हन लहंगा नहीं, साड़ी पहनेगी।
- तेज या फूहड़ गाने नहीं, सिर्फ वाद्य संगीत बजेगा।
- वरमाला के वक्त सिर्फ दूल्हा-दुल्हन स्टेज पर रहेंगे।
- किसी को वरमाला के दौरान उठाने की मनाही।
- पंडित जी को बीच में कोई नहीं टोकेगा।
- फोटोग्राफर रस्में रुकवाए बिना तस्वीरें लेगा।
- बनावटी पोज नहीं होंगे।
- शादी दिन में होगी, विदाई शाम तक।
- किसी को भी पब्लिक में गले लगने या किस करने की मनाही।

सभी प्रकार की कॉस्मेटिक सर्जरी व रीकन्सक्ट्रीव सर्जरी
कालडा हॉस्पीटल में

जबड़े, नाक, होंठ आदि के टेढ़ेपन व अन्य विकृतियों व सभी प्रकार की कॉस्मेटिक सर्जरी, रीकन्सट्रक्टीव सर्जरी, ब्रेकियल प्लैक्सेस इंजूरी (हाथ के नसों की सर्जरी)
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी गंगा डायग्नोस्टिक्स के उपर, कलर्स माल के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
9827143060
Ajay Advt.

बेफिक्र ज़िन्दगी
के आगे दर्द क्या चीज़ है ?

डा. ऑर्थो स्ट्रांग तेल
Clinically Tested*
*For efficacy and safety.
जोड़ों के दर्द का Specialist
घुटना दर्द कमर दर्द कलाई दर्द कंधा दर्द
10 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों व सत्वों के योग से निर्मित डा. ऑर्थो स्ट्रांग तेल जोड़ों के अंदर तक समाकर दर्द को कम करने में विशेष सहायता करता है। मात्र 8-10ml तेल दिन में सिर्फ एक या दो बार हल्के हाथों से पीड़ित अंग पर मालिश करें। आयुर्वेदिक होने के कारण इसका प्रभाव अल्पकालिक नहीं लम्बे समय तक बना रहता है।
24x7 Helpline: 78769 77777 | www.drorthooil.com
Dr. Juneja's
डा.ऑर्थो
Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

# नशे की दवाओं से जूझने लगा शख्स एक दिन में खा जाता था 48 टैबलेट

**लंदन।** ब्रिटेन के नॉरफॉक में रहने वाले 32 वर्षीय बेन वेल्थी की ज़िंदगी तब पूरी तरह बदल गई, जब उनकी मंगेतर ने उन्हें एक सख्त अल्टीमेटम दिया- 'या तो मैं, या दवा।' को-कोडामोल नामक दर्दनिवारक दवा के आदी हो चुके बेन हर दिन 48 टैबलेट्स लेते थे, जिससे उनकी ज़िंदगी खतरे में पड़ गई थी, लेकिन पत्नी डोना वेल्थी के प्यार और दृढ़ता ने उन्हें मौत के मुहाने से वापस खींच लिया। बेन ने बताया कि यह सब एक साधारण दांत दर्द से शुरू हुआ था। बीसवें दशक में डॉक्टर ने उन्हें को-कोडामोल दी थी, जिससे न केवल दर्द कम हुआ, बल्कि उन्हें एक गर्मजोशी और सुकून का एहसास भी हुआ। यही एहसास धीरे-धीरे उनकी लत बन गया। अगले दस सालों तक वे बीच-बीच में दवा लेते रहे हैं। लेकिन पिछले ढाई वर्षों में यह आदत खतरनाक स्तर पर पहुंच गई।

नशे की दवाएं खाने लगा शख्स

को-कोडामोल में पैरासिटामॉल (500एमजी) और कोडीन दोनों होते हैं, जो ओपिऑइड वर्ग की अत्यधिक नशे की दवाएं हैं। एनएचएस के अनुसार, किसी भी व्यक्ति को 24 घंटे में आठ से अधिक पैरासिटामॉल टैबलेट्स नहीं लेनी चाहिए, लेकिन बेन 48 टैबलेट्स रोज़ाना ले रहे थे- यानी छह गुना ज़्यादा। इससे उनके लीवर और किडनी पर गंभीर असर पड़ने का खतरा था। बेन ने बताया कि वे रोज़ अलग-अलग फार्मेसीज़ में जाकर दवा खरीदते थे, ताकि किसी को शक न हो। वे झूठे बहाने बनाते- कभी कहते कि यह दवा उनकी मां के लिए है, कभी दादी या पार्टनर के लिए। कभी यह भी कहते कि वे स्ट्रॉन्ग कोडीन नहीं झेल पाते, इसलिए हल्की दवा चाहते हैं।

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..
NABH ACCREDITED
न्यूरो सर्जरी विभाग

- सिर एवं स्पाईन (रीढ़) की चोट
- सिर एवं स्पाईन का ट्यूमर
- सिर में पानी भरना
- कमर और गले में दर्द (स्पोंडिलोसिस)
- साईटिका

आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, सी.जी.एच.एस., सभी कोरपोरेट संस्थाओं एवं सभी इंश्योरेंस कंपनियों से ईलाज की सुविधा उपलब्ध

डॉ. रूपेश वर्मा
M.S.,M.Ch (Neuro Surgery)
देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
www.snh.org.in
9300373737

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com